RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 188
नई दिल्ली, बुधवार, 13 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

चित्रांगदा को महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की चिंता
विविध-12

मोदी ने ठाना है-बोल्ड रिफॉर्म के साथ भारत को आत्मनिर्भर बनाना है

बीस लाख करोड़ का विशेष आर्थिक पैकेज, लॉकडाउन 4 का किया ऐलान

नए रूप रंग वाला होगा लॉकडाउन फोर, विशेष आर्थिक पैकेज में जमीन, गरीब, मजदूर, एमएसएमई व मिडिल क्लास पर जोर

- पीएम ने कच्छ भूकंप का उदाहरण देकर संकट को अवसर में बदलने के लिए लोगों का हौसला बढ़ाया
- आत्मनिर्भर भारत अभियान में सप्लाई चेन मजबूत बनाने व लोकल पर वोकल होने को किया प्रेरित
- दुनिया को दिया संदेश-कोरोना से लड़ेंगे भी और वसुधैव कुटुंबम के संस्कार संग आगे भी बढ़ेंगे

नई दिल्ली से मंगलवार को राष्ट्र को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन 4.0 नए रंग रूप, नए नियमों और नए कानूनों वाला होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत सोमवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मैराथन चर्चा के अगले ही दिन मंगलवार को दो बड़े ऐलान किए।

लॉकडाउन जारी रहेगा या नहीं, अमूमन हर किसी को मथ रहे इस सवाल के जवाब में उन्होंने घोषणा की कि लॉकडाउन का चौथा चरण नए कलेवर में लागू होगा जिसका ब्योरा 18 मई से पहले साझा कर दिया जाएगा। लॉकडाउन 3.0 की मियाद 17 मई को खत्म हो रही है। इसी के साथ, प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत अभियान नाम से 20 लाख करोड़ रुपये (नया पुराना मिलाकर) के विशेष आर्थिक पैकेज का भी ऐलान किया। भारत को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लेते हुए उन्होंने लोकल उत्पादों पर खास जोर दिया। लोकल के लिए हर भारतवासी से वोकल होने की अपील करते मोदी ने देश और दुनिया को यह संदेश दिया कि कोरोना से लड़ेंगे भी और बोल्ड रिफॉर्म की प्रतिबद्धता के साथ आगे भी बढ़ेंगे। विशेष आर्थिक पैकेज में जमीन, तलरता, गरीबों, मजदूरों, किसानों, कुटीर-घरेलू, लघु-मंझोले उद्योग धंधों, उद्योग जगत के अलावा मध्यम वर्ग पर भी विशेष बल दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने इसका ऐलान करते हुए कहा कि हाल में वित्त मंत्री और रिजर्व बैंक की ओर से लिए गए फैसलों को जोड़ दिया जाए तो यह करीब 20 लाख करोड़ का पैकेज बनता है जो कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 10 फीसदी है। इसकी विस्तृत जानकारी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार से क्रमवार देंगी। गौरतलब है कि अभी तक केंद्र की तरफ से 2.70 लाख करोड़ दिए जा चुके हैं जिनमें से 1.70 लाख करोड़ की आर्थिक घोषणाएं वित्त मंत्री द्वारा जबकि एक लाख करोड़ का ऐलान रिजर्व बैंक की ओर से किया गया है यानी 20 लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज में अब 17.30 लाख करोड़ रुपये देने हैं। सूत्रों के मुताबिक, इसका लाभ 10 लाख करोड़ प्रवासी मजदूरों, एमएसएमई के 11 लाख कर्मियों, कोरोना संकट के चलते नौकरी गंवाने वाले 12 करोड़ बेरोजगारों, होटल पर्यटन उद्योग से जुड़े साढ़े तीन करोड़ लोगों और अन्य को मिलेगा। मिडिल क्लास जिसकी यह धारणा रही है कि किसी भी संकट का बोझ सरकार उसके कंधों पर डालती है, उसे भी प्रधानमंत्री ने राहत पहुंचाते हुए कहा (शेष पेज 9)

कई कांग्रेस नेताओं ने तारीफ की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली, जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए घोषित विशेष आर्थिक पैकेज का स्वागत करते हुए इसे देर से उठाया गया दुरुस्त कदम बताया। गहलोत ने पैकेज की घोषणा पर ट्वीट किया, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित आर्थिक पैकेज बहुप्रतीक्षित था। देर आए दुरुस्त आए। हम इसका स्वागत करते हैं। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री (शेष पेज 9)

सीमा पर नीचे उड़ता दिखा चीनी चॉपर, वायुसेना ने भी भेजे फाइटर

- अपने-अपने इलाके में कर रहे फ्लाई, नहीं किया एयरस्पेस का उल्लंघनः आईएएफ

चीन के हेलीकॉप्टर देखे जाने के बाद सीमा पर उड़ान भरते भारत के सुखोई लड़ाकू विमान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पांच-छह मई को भारत-चीन की सेना में हुई झड़प के बाद लद्दाख में हालात तनावपूर्ण हैं। झड़प के दौरान चीनी सैन्य हेलीकॉप्टरों को कुछ मौकों पर वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट उड़ान भरते हुए देखा गया। इसके बाद भारतीय वायुसेना के एसयू-30 लड़ाकू विमानों ने भी उड़ान भरी। लेकिन दोनों पक्षों ने एक दूसरे की नभ सीमा का उल्लंघन नहीं किया। सूत्रों ने कहा कि लड़ाकू विमान इलाके में उस दिन अपनी रूटीन उड़ान पर थे। उन्होंने चीनी हेलीकॉप्टरों की प्रतिक्रिया में उड़ान नहीं भरी थी।

पांच और छह मई को पेगौंग त्सो झील के पास फिंगर-5 नाम के स्थान दोनों सेनाएं आमने-सामने आ गईं। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच घूंसेबाजी भी हुई, जिसमें कुछ अधिकारी और जवान जख्मी हो गए थे। दोनों पक्षों के लगभग 250 सैनिकों के बीच तीखी झड़प हुई थी। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि स्थानीय स्तर पर मामले को सुलझा लिया गया है तथा सैनिक अपने स्थानों पर वापस लौट गए तथा वे अब मौके से कुछ दूरी पर हैं। सूत्रों ने बताया कि हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है कि क्या एसयू-30 लड़ाकू विमानों ने क्षेत्र में झड़प और चीन के आक्रामक तेवर के मद्देनजर उड़ान भरी थी या किसी अन्य कारण से।

सूत्रों ने बताया कि चीनी सैन्य हेलीकॉप्टरों ने सीमा के चीन की तरफ नियमित तौर पर उड़ान भरी जबकि भारतीय सेना के लड़ाकू विमानों ने भी अपने क्षेत्र में उड़ान भरी। पांच मई की देर शाम पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के उत्तरी किनारे पर भारतीय जवानों और चीनी सैनिकों के बीच झड़प तथा पथराव हुआ जिसमें दोनों ओर से कुछ सैनिक घायल हुए थे। दोनों देशों के सैनिकों के बीच इस तरह की घटना पैंगोंग झील के पास अगस्त 2017 में हुई थी। उसके बाद यह ऐसी पहली घटना है। सूत्रों ने बताया कि एक अन्य घटना में करीब 150 भारतीय और चीनी सैन्य कर्मियों के बीच नाकू ला दर्रे के पास झड़प हुयी थी जिसमें दोनों ओर के कम से कम 10 सैनिकों को चोटें आयीं थी। भारत और चीन के सैनिकों के बीच 2017 में डोकलाम ट्राई जंक्शन के पास 73 दिन तक गतिरोध कायम रहा था। उस घटना से दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच युद्ध की आशंकाएं भी उत्पन्न हो गई थीं।

भारत-चीन सीमा विवाद 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर है। यह दोनों देशों के बीच अघोषित सीमा है। चीन का दावा है कि अरुणाचल प्रदेश दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा है जबकि भारत इसका खंडन करता आया है। दोनों पक्षों का कहना है कि सीमा मुद्दे का हल होने तक सीमा क्षेत्रों में शांति बनाये रखना जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने डोकलाम गतिरोध के कुछ महीनों बाद अप्रैल 2018 में चीनी शहर वुहान में पहली अनौपचारिक वार्ता की थी। वार्ता के दौरान दोनों (शेष पेज 9)

गुजरात सरकार में मंत्री भूपेंद्र चूड़ास्मा का निर्वाचन खारिज

हाईकोर्ट ने दिया आदेश

पायनियर समाचार सेवा। अहमदाबाद

गुजरात उच्च न्यायालय ने मंगलवार को राज्य के मंत्री एवं भाजपा नेता भूपेंद्र सिंह चूड़ास्मा के 2017 के निर्वाचन को कदाचार और हेरफेर के आधार पर खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति परेश उपाध्याय ने कांग्रेस नेता अश्विन राठौड़ की याचिका पर सुनवाई करते हुए चूड़ास्मा के निर्वाचन को खारिज करने का आदेश पारित किया।

कांग्रेस उम्मीदवार अश्विन राठौड़ ने ढोलका विधानसभा सीट पर भाजपा नेता की जीत को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की थी। साल 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में चूड़ास्मा ने 327 वोट के मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। राठौड़ ने अपनी चुनाव याचिका में आरोप लगाया था कि चूड़ास्मा ने चुनाव की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में, विशेष रूप से वोटों की गिनती के समय भ्रष्ट आचरण अपनाया और चुनाव आयोग के अनिवार्य निर्देशों का उल्लंघन किया। राज्य की विजय रूपाणी सरकार में चूड़ास्मा के पास वर्तमान में शिक्षा, कानून एवं न्याय, विधायिका और संसदीय मामलों आदि विभागों का प्रभार है।

राठौड़ के वकील शरविल मजूमदार के अनुसार अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ढोलका विधानसभा सीट के तत्कालीन निर्वाचन अधिकारी ने मतों की गिनती के समय चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का इस तरह से उल्लंघन किया कि उससे पूरा चुनाव प्रभावित हुआ। उन्होंने कहा कि अदालत ने यह भी कहा (शेष पेज 9)

एयर इंडिया कर्मचारी को कोरोना, मुख्यालय सील

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

एयर इंडिया के एक कर्मचारी में कोरोना संक्रमण की पुष्टि के बाद, राष्ट्रीय विमानन कंपनी के मुख्यालय को सील कर दिया गया है। एयर इंडिया ने मंगलवार को बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, कंपनी अपने कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को पहली प्राथमिकता देती है। वक्तव्य के अनुसार, कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य कंपनी की पहली प्राथमिकता है। दिल्ली हेडऑफिस के कर्मचारियों को हरसंभव जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। नियमों को पालन करते हुए एयर इंडिया मुख्यालय को सैनेटाज करने के लिए दो दिन तक बंद रखा जाएगा। एयरलाइंस हाउस के कार्यालय में जिस कर्मचारी में कोविड 19 की पुष्टि हुई है, वह पिछले बुधवार को ऑफिस गया था। सोमवार 10 मई को नई दिल्ली की एक निजी प्रयोगशाला में उसकी जांच की गई जिसमें वह कोरोना संक्रमित पाया गया।

लॉकडाउन बाद घरेलू उड़ानों का मसौदा एसओपी तैयार

केबिन बैग की इजाजत नहीं करना होगा डिजिटल पेमेंट

- व्यावसायिक फ्लाइट की तैयारी में जुटे नागर विमानन मंत्रालय ने दिए सुझाव, 25 मार्च से स्थगित हैं उड़ानें
- दो घंटे पहले पहुंचना होगा हवाईअड्डे, भरनी होगी प्रश्नावली, आरोग्य सेतु ऐप में ग्रीन स्टेटस जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने लॉकडाउन 3 के बाद व्यावसायिक उड़ान सेवा बहाल करने की तैयारी तेज कर दी है। रेल यात्रा की भांति लोगों को हवाई सफर भी कुछ नियमों और शर्तों में बंधकर करना होगा।

नागर विमानन मंत्रालय द्वारा बनाए गए मसौदे के मुताबिक, यात्रियों को कोविड 19 से संबंधित विस्तृत प्रश्नावली भरनी पड़ेगी और उन्हें केबिन बैग ले जाने की इजाजत नहीं होगी। उनके लिए विमान के उड़ान भरने से दो घंटे पहले हवाई अड्डे पर पहुंचना और आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल भी अनिवार्य किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्रालय ने व्यावसायिक हवाई यात्रा सेवा फिर से शुरू करने के लिए मसौदा मानक परिचालन प्रक्रिया(एसओपी) तैयार की है। कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन के कारण देश में 25 मार्च से घरेलू हवाई यातायात निलंबित है।

मसौदा एसओपी में हवाई सफर पर रवाना होने वाले सभी लोगों के लिएआरोग्य सेतु ऐप में ग्रीन स्टेटस, वेब चेक-इन और तापमान की जांच का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा एक उड़ान में एक ही केबिन और कॉकपिट कर्मी दल को लंबे समय तक रखने की भी बात कही गई है ताकि उनके बीच परस्पर संक्रमण का जोखिम कम हो। मसौदा एसओपी में केवल यात्रियों के लिए ही नहीं बल्कि सुरक्षा एजेंसियों, विमान पत्तन संचालकों के (शेष पेज 9)

बीमारी से ज्यादा मजदूरों पर भारी, भूख और बेरोजगारी

कोरोना काल में पलायन

- लॉकडाउन में अब तक 418 प्रवासियों की मौत, इनमें से अधिकांश ने हादसों या खुदकुशी में गंवाई जान

राजेश कुमार। नई दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण से अभी तक 2300 मौतें हो चुकी है लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे भी मामले हैं जिसमें लोगों की दुर्घटनाओं में मौत हुई है या उन्होंने आत्महत्या कर ली है और ये सभी मामले सीधे तौर पर महामारी से जुड़े हैं।

लॉकडाउन के दौरान ऐसे मामलों में 418 लोगों की मौत हुई। इसमें से अधिकांश प्रवासी मजदूर थे जो घर वापस लौटने का प्रयास कर रहे थे या रोजगार जाने अथवा कोरोना वायरस संक्रमण के भय से खुदकुशी कर ली। रिपोर्ट के मुताबिक 418 मौतों में से 83 मौत संक्रमण के भय, शराब छूटने और रोजगार जाने के कारण हुई। ये संख्या ज्यादा हो सकती है क्योंकि दूरदराज के इलाकों से बहुत से मामले सामने नहीं आ पाते।

सोमवार को पुणे-प्रयागराज श्रमिक स्पेशल ट्रेन में एक प्रवासी श्रमिक की मौत हो गई। उसकी पहचान अखिलेश कुमार के रूप मे हुई जो उत्तर प्रदेश स्थित अपने पैतृक जिले गोंडा जा रहा था। एक अन्य हादसे में सोमवार को महिला और उसकी बेटी समेत चार प्रवासियों की हरियाणा और यूपी में हुई अलग-अलग दुर्घटनाओं में मौत हो गई। ये सभी अपने गृह जिले जा रहे थे। एक अन्य हादसे में सोमवार को झारखंड और चतरा में हुई सड़क दुर्घटना में छह प्रवासी की मौत हो गई। मार्च में लॉकडाउन लागू (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	31,371	↓ 190
निफ्टी	9,196	↓ 42
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

वधावन बंधुओं को अग्रिम जमानत देने से इनकार

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने डीएचएफएल के प्रवर्तक धीरज वधावन और कपिल वधावन को यस बैंक धनशोधन मामले में चल रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने रेखांकित किया कि साजिश का खुलासा करने और करोड़ों रुपए के घोटाले में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जरूरत है। वधावन बंधु मौजूदा समय में जेल में है। उन्हें यस बैंक घोटाले के सिलसिले में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था और पिछले हफ्ते उन्होने धनशोधन मामले में अग्रिम जमानत के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी।

संक्रमण के तीन हजार से अधिक नए मामले

- 87 और लोगों की कोरोना वायरस से हुई मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वालों की संख्या 2,293 तक पहुंच गई है जबकि संक्रमितों की संख्या 70,756 हो गई है। सोमवार सुबह आठ बजे से 24 घंटे के भीतर 3,604 नए मामले सामने आए हैं और 87 लोगों की मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोविड-19 के 46,008 मरीजों का उपचार हो रहा है जबकि 22,454 लोग अब तक ठीक हो चुके हैं। वहीं एक मरीज देश से बाहर जा चुका है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक 31.73 फीसदी मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। सोमवार सुबह से कुल 87 मौतों में से सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 36 लोगों की मौत हुई। इसके बाद गुजरात में 20, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में छह-छह लोगों की मौत हुई। पश्चिम बंगाल में पांच और हरियाणा तथा जम्मू-कश्मीर में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

देश में अब तक इस वायरस से कुल 2,293 लोगों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 863 लोगों की मौत हुई, इसके बाद गुजरात में 513, मध्य प्रदेश में 221, पश्चिम बंगाल में 190, राजस्थान में 113, उत्तर प्रदेश में 80, दिल्ली में 73, तमिलनाडु में 53 और आंध्र प्रदेश में 45 लोगों (शेष पेज 9)

लंबा इंतजार खत्म, पटरी पर दौड़ी राहत की ट्रेन

- नई दिल्ली से दो ट्रेनों से कुल 3,461 यात्री हुए रवाना, कई मुसाफिर सुबह ही स्टेशन पहुंचे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली स्टेशन से मंगलवार को बिलासपुर के लिए जाने वाली विशेष गाड़ी को रवाना करते रेलवे बोर्ड के चेयरमैन वीके यादव।

देश की लाइफ लाइन भारतीय रेल ने 51 दिन बाद अपनी यात्री सेवाओं को मंगलवार से फिर से शुरू किया और दो रेलगाड़ियां नई दिल्ली से रवाना हुई। वहीं दिल्ली के लिए पांच और रेलगाड़ियां पटना, बेंगलुरु, हावड़ा, मुंबई और अहमदाबाद से रवाना हुईं।

इस बीच चेन्नई से नई दिल्ली के बीच चलने वाली ट्रेन का भी ऐलान हो गया है। रेलवे जोन ने बताया कि नई दिल्ली से चेन्नई तक बुधवार और शुक्रवार को राजधानी सुपरफास्ट ट्रेन चलाई जाएगी वहीं चेन्नई से नई दिल्ली के लिए यही राजधानी शुक्रवार और रविवार को चलाई जाएगी। कोरोना वायरस महामारी के कारण लॉकडाउन के चलते रेलवे की यात्री सेवा निलंबित थी। नई दिल्ली से पहली रेलगाड़ी शाम चार बजे छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के लिए रवाना हुई जबकि दूसरी गाड़ी असम के डिब्रूगढ़ के लिए शाम चार बजकर 45 मिनट पर रवाना हुई। नई दिल्ली-बिलासपुर रेलगाड़ी से यात्रा के लिए 1,177 यात्रियों ने टिकट की बुकिंग कराई थी। एक अन्य रेलगाड़ी कर्नाटक के बेंगलुरु के लिये ट्रेन रात नौ बजकर 15 मिनट पर रवाना हुई। नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ यात्री ट्रेन के लिए 1,122 यात्रियों ने टिकट की बुकिंग कराई है जबकि नई दिल्ली-बेंगलुरु विशेष ट्रेन के लिए 1,162 यात्रियों ने बुकिंग कराई है। रेलवे ने बताया कि आज नई दिल्ली से कुल 3,461 यात्री रवाना होंगे। उत्तर रेलवे ने एक बयान में बताया कि यात्रियों को स्टेशन में पहाड़गंज की तरफ से प्रवेश दिया जा रहा है। किसी भी यात्री को अजमेरी गेट की तरफ से प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। यात्रियों को रेलगाड़ी के रवाना होने से कम से कम डेढ़ घंटे पहले रेलवे स्टेशन पहुंचने को कहा गया है ताकि उनकी स्वास्थ्य जांच की जा सके। इसके निर्देश के चलते बहुत से लोग सुबह ही स्टेशन पहुंच गए थे। रेलवे पुलिस बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक यात्री की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है।

प्रवेश द्वार पर सैनिटाइजर मशीन भी लगाई गई है ताकि यात्री स्टेशन परिसर में प्रवेश से पहले अपने हाथों को साफ कर सकें। रेलवे ने बताया कि दिल्ली के लिए पांच और रेलगाड़ियां पटना, बेंगलुरु, हावड़ा, मुंबई और अहमदाबाद से रवाना होंगी। ट्रेन के लिए कन्फर्म ई-टिकट होने पर ई-पास की जरूरत नहीं है। ऐसे लोग बेरोकटोक स्टेशन जा सकेंगे। ये पैसेंजर ट्रेनें नई दिल्ली से डिब्रूगढ़, अगरतला, हावड़ा, पटना, बिलासपुर, रांची, भुवनेश्वर, सिकंदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, तिरुअनंतपुरम, मडगांव, मुंबई सेंट्रल, अहमदाबाद और जम्मू तवी के लिए चलाई जाएंगी।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 13 मई, 2020

गेहूं खरीद के लिए किसानों को जारी किए 1500 करोड़ : दलाल

कृषि मंत्री ने फसल खरीद पर पेश की रिपोर्ट

सरकार ने फसल बीमा पर जारी किए 2500 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने विपक्ष द्वारा किसानों को समय पर अदायगी न किए जाने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि अब किसानों को 1500 करोड़ रुपये गेहूं के और 1150 करोड़ रुपये सरसों की फसल खरीद के रूप में जारी किए जा चुके हैं। इस सत्र के दौरान किसानों के खाते में कुल बीस हजार करोड़ रुपये जाएंगे, जिससे न केवल किसान बल्कि हरियाणा का हर वर्ग आर्थिक रूप में मजबूत होगा।

मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए जेपी दलाल ने कहा कि कोरोना के कारण इस बार प्रदेश की मंडियां देरी से शुरू हुई हैं। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए खरीद की जा रही है। अब तक 604.77 लाख क्विंटल गेहूं और 54.20 लाख क्विंटल सरसों की मंडियों में आवक हो चुकी है। सीमाएं सील होने के कारण इस बार पड़ोसी राज्यों से गेहूं नहीं आया है।

कृषि मंत्री ने वर्तमान सरकार और पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान किसानों के हित में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने किसानों के जोखिम की पूर्ति के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को खरीफ 2016 में पूरे हरियाणा प्रदेश में शुरू की गई, जिसके तहत बाजरा, धान, कपास, मक्का, गेहूं, चना, जों, सरसों एवं सूरजमुखी फसलों को कवर किया गया है और अब तक 50.37 लाख किसानों को योजना के तहत पंजीकृत किया गया है और 12.09 लाख किसानों से 825.69 करोड़ रुपये प्रीमियम के रूप में लिए और 2546.96 करोड़ रुपये बीमा राशि के रूप में दिए जा चुके हैं। इस योजना का भी कांग्रेस ने भरपूर विरोध किया था। कांग्रेस शासन के दौरान केवल 12.53 लाख किसानों को पंजीकृत किया गया और केवल 4.20 लाख किसानों को इस योजना का लाभ मात्र 164.30 करोड़ रुपये के रूप में दिया गया।

उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने आपदा प्रबंधन के तहत किसानों को 2764.93 करोड़ रुपये मुआवजा राशि के तौर पर वितरित किए जबकि पिछली सरकार के दौरान मात्र 827.01 करोड़ रुपये मुआवजा राशि के तौर पर वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2019 के अंदर किसानों को आर्थिक तौर पर मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री किसान योजना शुरू की गई, जिसके तहत हर वर्ष 6000 रुपये की राशि किसानों के खाते में ऑनलाइन जमा कराई जा रही है। इस स्कीम के तहत 16.53 लाख किसानों को 1362.36 करोड़ रुपये किसानों के खातों में डाले जा चुके हैं, जबकि पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान इस तरह की कोई भी स्कीम किसानों के हित में नहीं चलाई गई थी।

उन्होंने बताया कि किसानों को विभिन्न योजनाओं के तहत वर्ष 2019-20 में बिजली पर 6856.02 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की, जबकि कांग्रेस के समय में वर्ष 2013-14 के दौरान यह राशि 4853.40 करोड़ रुपये थी।

सुरजेवाला बरौदा से चुनाव लड़ने की हिम्मत दिखाएं

हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा दिए जा रहे बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि प्रदेश के लोगों ने कांग्रेस और सुरजेवाला जैसे नेताओं को अस्वीकार कर दिया है। सुरजेवाला इतने बड़े वकील हैं। चाहे तो बरौदा से अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। जनता जज की भूमिका में है। बरोदा के लोग बता देंगे कि उनके भाषणों पर भरोसा है या हमारे कामों पर।

नमी 12 प्रतिशत से कम है तो नहीं होगी कटौती

हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने गेहूं में नमी को लेकर चल रहे विवाद पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि अगर नमी 12 प्रतिशत से कम है तो किसी तरह की कटौती नहीं होगी। अगर 12 प्रतिशत से अधिक है तो गेहूं सुखाकर खरीदा जाएगा। इस मामले में भी राज्य सरकार किसानों को पूर्ण सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि अगर एफसीआई द्वारा नमी के नाम पर कटौती की जा रही है तो वह प्रदेश सरकार की होगी। इसका किसानों से कोई सरोकार नहीं होगा।

फसल विविधिकरण नहीं अपनाया तो होंगे गंभीर परिणाम

जेपी दलाल ने प्रदेश सरकार द्वारा सात जिलों में धान की रोपाई पर लगाई गई रोक को उचित ठहराते हुए कहा कि धान की फसल रोपने पर प्रदेश सरकार ने जो फैसला किया है वह उन ब्लाक के सभी किसानों पर लागू होगा। जो किसान पंचायती जमीन पर धान लगाते हैं वह नहीं लगा सकेंगे। इसके अलावा जो किसान अपनी जमीन पर धान की रोपाई करेंगे उन्हें सरकार की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसलिए किसानों को चाहिए कि वह धान की वैकल्पिक फसलों को अपनाएं। उन्होंने दावा किया कि किसानों की सुविधा के लिए सरकार द्वारा मक्का हाइब्रिड बीज की कंपनियों को सूचीबद्ध किया जाएगा। बीजों की उत्पादन क्षमता 25 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तक होगी। कंपनी द्वारा हर खंड में डेमोंस्ट्रेशन फार्म तैयार किए जाएंगे।

15 जून से पहले धान की रोपाई करने वाले किसानों से वसूल किया जाएगा जुर्माना

करनाल। भू-जल को बचाने के लिए 15 जून से पहले धान की रोपाई पर सरकार द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है, जो किसान सरकार के आदेशों का उल्लघन करेगा तो अधिनियम 2009 के तहत प्रति एकड 4 हजार रुपये जुर्माना लिया जाएगा तथा धान को नष्ठ करने का खर्चा भी किसान से लिया जाएगा। इसके अलावा जिन किसानों द्वारा 15 मई से पहले धान की पनीरी उगाई गई है, ग्राम सचिव, पटवारी व कृषि अधिकारी की संयुक्त टीम द्वारा पुलिस बल के साथ सम्बन्धित गांव में पहुंचकर उसे नष्ठ किया जाएगा।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव मंगलवार को कृषि विभाग की ओर से आयोजित बैठक में भू-जल संरक्षण तथा निर्धारित समय अवधि से पहले धान की रोपाई को रोकने के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भूमि के अंधाधुंध दोहन से जल स्तर निरंतर नीचे जा रहा है, जिसके कारण कई जिले डार्क जोन में आ चुके हैं। समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा बरसाती सीजन शुरू होने से पहले यानी 15 जून से पहले धान की रोपाई पर प्रतिबंध लगाया गया है, इसके अलावा 15 मई से पहले पनीरी के उगाने पर भी रोक लगाई गई है। उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित विशेष तौर पर करीब 20 गांव के सरपंच व ग्राम सचिवों से कहा कि आपके गांवों में अकसर लुक-छिप कर किसान निर्धारित समय अवधि से पहले धान उगाने का प्रयास करते हैं।

मक्का उगाने के लिए किसानों को किया जाए प्रेरित

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने कहा कि सरकार द्वारा पानी बचाने के लिए धान की जगह मक्का की फसल को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिला में इस योजना को सफलता पूर्वक चलाने के लिए जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि वे प्रत्येक ब्लॉक से दो-दो ऐसी पंचायतों की पहचान करे जो स्वैच्छा से पंचायती भूमि पर मक्का की खेती करने के लिए आगे आए। इसके अलावा कृषि अधिकारियों से भी कहा कि वे इस योजना के बारे में किसानों को जागरूक करें।

अस्थाई भवन में सीएचसी के लिए जगह चयनित

पायनियर समाचार सेवा । निगदू

निगदू क्षेत्र के लगभग 30 गांवों को जल्द ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की सुविधा प्राप्त होगी। सीएचसी की सुविधाएं एक अस्थाई भवन में शुरू कराने के लिए बुधवार को डिप्टी सीएमओ राजेश गौरिया ने कस्बे में जगह का निरीक्षण किया। उन्होंने देवी मंदिर के प्रांगण में बने भवन का निरीक्षण किया। जिसे सिलेक्ट कर लिया। डिप्टी सीएमओ ने कहा कि जब तक सीएचसी का अपना भवन नहीं बन जाता तब तक ग्रामीणों को सीएचसी की सुविधा एक अस्थाई भवन में उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके लिए जगह का चयन कर लिया गया है। जिस जगह को सिलेक्ट किया गया है वहां थोड़ा रिपेयरिंग का काम है। रिपेयरिंग का काम पूरा होने के बाद वहां सीएचसी शुरू कर दी जाएगी।

सीएचसी के लिए जगह का निरीक्षण करते डिप्टी सीएमओ।

1985 से पंचायत भवन में चल रही पीएचसी

सन 1985 से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) पंचायत के छोटे से भवन में चल रहा है। जहां चंद लोगों के इकट्ठा होने से भीड़ लग जाती है। पीएचसी में स्टाफ की कमी होने और आधुनिक मशीनों के न होने के कारण मरीजों को निजी अस्पतालों में अपना इलाज कराना पड़ता है।

2018 में मिली थी मंजूरी

निगदू में पीएचसी को अपग्रेड कर सीएचसी बनाने की मांग पिछले काफी सालों से की जा रही थी। इस मांग को अगस्त 2018 में मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंजूरी दी थी। जिसके बाद से कागजी कार्रवाई शुरू हुई और सीएचसी का अपना भवन बनाने के लिए अप्रैल 2019 में ग्राम पंचायत ने लगभग 4 एकड़ जमीन विभाग के नाम ट्रांसफर की। जहां अभी सीएचसी का भवन बनना है।

तीन जिले के गांवों को मिलेगी सुविधा

पीएचसी के इंचार्ज डॉ. राजीव ने बताया कि निगदू में सीएचसी की सुविधा शुरू होने का लाभ करनाल सहित कुरुक्षेत्र और कैथल के गांवों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि निगदू पीएचसी में इलाज के लिए कुरुक्षेत्र व कैथल जिले के अंडर आने वाले गांवों के लोग भी आते हैं।

डिप्टी सीएमओ के निरीक्षण के दौरान एमपीएचडब्ल्यू कश्मीरी, निगदू पीएचसी इंचार्ज डॉ. राजीव, हेल्थ इंस्पेक्टर निगदू महिंद्र, एमपीएचडब्ल्यू निगदू विजेंद्र, पंडित सुभाष शर्मा, रामनिवास गुप्ता, पवन शर्मा, कुलदीप भारद्वाज, राजेश शर्मा आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

पॉवरग्रिड के सीनियर जीएम की पत्नी ने आठवीं मंजिल से कूदकर दी जान

पति ने पत्नी को बताया मानसिक रोगी, पुलिस ने शव का कराया पोस्टमार्टम

गुरुग्राम। यहां पावरग्रिड कंपनी के सीनियर जीएम की पत्नी ने सोमवार की रात को 8वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पूछताछ में पता चला है कि वह मानसिक रोगी थी। थाना प्रभारी निरीक्षक जसबीर सिंह के मुताबिक मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

बता दें कि मूलरूप से असम के बरपेटा निवासी हरी स्वगीयारी पावरग्रिड कंपनी में सीनियर जीएम हैं। वे जुलाई 2019 में यहां नियुक्त हुए थे। गुरुग्राम में अपनी पत्नी हीरोनी (50) के साथ सेक्टर-43 स्थित पावरग्रिड की पीडब्ल्यूओ सोसायटी में रहते हैं। सोमवार को उनकी पत्नी हीरोनी ने 8वीं मंजिल से छलांग लगा दी। गिरते ही उनकी मौत हो गई। जब यह हादसा हुआ, तब वे घर पर नहीं थे। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम हाउस में भिजवा दिया। पुलिस पूछताछ में हरि सवगीयारी ने बताया कि उनकी पत्नी मानसिक रोगी थी। जिनका यहां उपचार भी चल रहा था। सुशांतलोक थाना प्रभारी निरीक्षक जसबीर सिंह के मुताबिक परिजनों की तरफ से स्थिति स्पष्ट की गई है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा अध्यापक संघ ने पत्रकारों को किया सम्मानित

कुरुक्षेत्र। हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ ने कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई लड़ने में अहम योगदान देने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया है। संघ के पदाधिकारियों ने पत्रकारों को प्रशस्ती पत्र एवं गुलाब का फूल देकर प्रोत्साहित किया। राज्य कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश सरोहा ने कहा कि पत्रकार बधुंओं द्वारा नि:स्वार्थ भाव से पल-पल की खबर आम जनता तक पहुंचा कर उन्हें जागरूक करने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। मीडिया लोकतन्त्र का एक स्तभं है, जो उसके संविधान की रक्षा करने में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। पत्रकार अपने स्वास्थय की परवाह किए बिना वैश्विक महामारी में हमेशा अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसलिए हमारा भी दायित्व बनता है कि हम इन्हें सम्मानित करे। पुलिस कर्मियों व स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला प्रधान राज पाल बामणिया, जिला वरिष्ठ प्रधान सुधीर ढांडा, ईएसएचएम शीशन सिंह, ब्लाक प्रधान दिलबाग सिंह ने अहम योगदान दिया।

कांफेंड के चेयरमैन ने किया सोनीपत मंडी का दौरा

सोनीपत। मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी वर्तमान कांफेंड के चेयरमैन भूपेंद्र सिंह ने आज अनाज मंडी में किसानों व व्यापारियों से रूबरू हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसानों के गेंहू का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। कोरोना महामारी के बावजूद मजदूरों की कमी होने कारण उठान में सुस्ती है। जिसमें सुधार की आवश्यकता है। वहीं किसानों व व्यापारियों में मौजूदा खरीद प्रक्रिया से काफी नाराजगी व्यक्त की। इस समय किसान और व्यापारी दोनों परेशान हैं। व्यापारियों ने साफ कहा कि ऐसा ही चला तो सरकार के लिए अच्छी खबर नहीं हैं। इस मौके पर चेयरमैन कुलदीप नांगल, वॉइस चेयरमैन संजय वर्मा, व्यापार मंडल के प्रधान संजय सिंगला प्रधान, पवन गोयल, पवन बंसल, विनोद गर्ग, मुकेश सिंगला, नवीन गोयल, अशोक बंसल आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

लॉकडाउन में खून दान कर निभाया मानव धर्म

सोनीपत। रक्तदान एक ऐसी सेवा है जो किसी अनजान के लिए वरदान से कम नहीं होती। रक्तदान करने से मरीज का तो जीवन बचता ही है, बल्कि जिसने यह महादान किया है, उसे भी अनेक स्वास्थ्य लाभ होते हैं। ऐसे मानवतापूर्ण सेवा कार्य में निस्वार्थ भाव से सोनीपत में मां भारती रक्तवाहिनी संस्था निरंतर लगी हुई है। जब से लॉकडाउन लगा है तब से संस्था ने 250 यूनिट रक्तदान सोनीपत के सरकारी ब्लड बैंक व अन्य ब्लड बैंकों में कराया है। संस्था के पास जब भी कोई जरूरतमंद फोन करके मरीज के लिए हेल्प मांगता है तो संस्था पूरी जानकारी लेकर उनके लिए रक्तदाता भेजती है। इस कड़ी में जब 2 अलग-अलग मरीजों को खून की जरूरत पड़ी तो संस्था से जुड़े 3 रक्तदाताओं ने शहर के रोटरी ब्लड बैंक पहुंच कर रक्तदान किया और मरीजों की जान बचाई।

मारुति कंपनी के एचआर विभाग कर्मी समेत 16 नए कोरोना केस

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला में सोमवार को मारुति कंपनी के एक एचआर विभाग से एक कर्मचारी समेत 16 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। अब यहां कुल कोरोना पॉजिटिव की संख्या 161 हो गई है। सोमवार को आए कोरोना संक्रमित केसों में 5 केस सरहौल गांव से, 3 स्वास्थ्य विभाग में ट्रेनी नर्सेज, 1 केस डीएलएफ फेज-3 से, एक बिलासपुर से सब्जी विक्रेता, 1 मारुति कंपनी से एचआर विभाग का कर्मचारी, 1 डीएलएफ क्षेत्र से ऑफिस ब्वॉय, 1 बजघेड़ा से सब्जी विक्रेता और 3 अन्य केस शामिल हैं। इस तरह से यहां कुल केसों की संख्या 161 हो गई है।

आरोग्य सेतु एप है लाभदायक : रेणु

निगदू। स्वच्छ भारत मिशन की ब्लॉक कॉआर्डिनेटर रेणु कंबोज ने सक्षम युवाओं को मास्क वितरत कर उन्हें लोगों को देने के लिए कहा। उन्होंने समक्ष युवाओं से आह्वान किया कि वे ग्रामीणों को कोरोना वायरस से बचाव एवं स्वयं के मूल्यांकन के लिए मोबाइल में आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करवाएं। तथा उन्हें बताएं कि एप द्वारा ब्लूटूथ, लोकेशन और मोबाइल नंबर का उपयोग कर जैसे ही कोई कोरोना संक्रमित उनके आसपास आएगा। तो यह एप उनको अलर्ट कर देगी। इस एप के माध्यम से हम खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित कर सकते हैं।

सैदअलीपुर की सावित्री ने अपनी बुढ़ापा पेंशन राहत कोष में दी

नारनौल। मंगलवार को प्रदेश के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव को उनके आवास पर मित्रपुरा के पूर्व सरपंच कैलाश चंद्र जांगड़ा ने मंत्री को हरियाणा कोरोना रिलीफ फंड के नाम 11 हजार रुपये का चेक सौंपा। सैदअलीपुर के सावित्री पत्नी सतपाल ने अपनी बुढ़ापा पेंशन में से 5100 रुपये का चेक भी मंत्री को सौंपा। दोनों चेकों को मंत्री ओमप्रकाश यादव ने रेडक्रॉस को भेज दिया और दोनों लोगों का आभार व्यक्त किया।

सीवरेज में गिरा मजदूर, राहगीर ने उसे बचाकर खुद गंवाई जान

कैथल। हुडा कॉलोनी सेक्टर 18 में सफाई करते समय सीवरेज के मेन होल में गिरने एक मजदूर को बचाने सीवरेज में उतरे एक राहगिर ने खुद अपनी जान गंवा दी। घायल मजदूर को जिला के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया है। जानकारी के अनुसार सेक्टर 18 में सीवरेज की सफाई करते हुए मोनू नामक एक मजदूर मेन होल में गिर पड़ा। उसे बचाने के लिए सड़क पर जा रहे राहगीर सतीश निवासी काकोत सीवरेज में उतर गया। सीवरेज के पानी में डूबने से उस समय उनकी हालत नाजुक हो गई। जिन्हें एंबुलेंस में अस्पताल ले जाया गया। यहां इलाज के दौरान सतीश निवासी काकौत ने दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंच गए।

नर्सिज के बिना चिकित्सा सेवा का कार्य अधूरा : डॉ. पीयूष शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर नर्सिंग स्टॉफ का फूलों से किया सम्मान। जिला नागरिक अस्पताल, करनाल में अंतराष्ट्रीय नर्स दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. पीयूष शर्मा और अस्पताल के सभी डाक्टर्स व सारे स्टाफ ने सभी नर्सिज का फूलों से स्वागत करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

डॉ. पीयूष शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि किसी भी अस्पताल का नाम रोशन करने में डॉक्टर के साथ नर्सिज का अहम योगदान होता है। नर्सिज का चिकित्सा सेवा में योगदान सराहनीय है। नर्सिज हमेशा ही समाज की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाती रही हैं। आज पूरा विश्व कोरोना महामारी से जूझ रहा है। कोरोना से जंग में नर्सिज अपनी अहम भूमिका निभा रही हैं। नर्सिज के बिना चिकित्सा सेवा का कार्य अधूरा है। उन्होंने बताया कि दया व सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटेंगेल की जयंती के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। मौके पर डॉ. रविन्द्र संधू व डॉ. रजनीश सहित सभी डॉक्टर और स्टाफ मौजूद रहा।

कोरोना के 11 नए केस मिले, आंकड़ा 118 पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

जांच के लिए 4394 लोगों के लिए सैंपल 4041 लोगों की आई जांच रिपोर्ट

118 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव और 3923 व्यक्तियों की रिपोर्ट आई नेगेटिव

उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने कहा कि मंगलवार की सायंकाल तक जांच के लिए 4394 लोगों के सैंपल लिए गए। इनमें से 4041 लोगों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है। प्राप्त रिपोर्टों में से 118 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है तथा शेष 3923 व्यक्तियों की रिपोर्ट नेगेटिव मिली है। अभी 353 लोगों की रिपोर्ट की जांच प्रक्रिया जारी है।

उपायुक्त डा. सिंह ने बताया कि आज कोविड-19 कोरोना वायरस के 11 नये पॉजिटिव केस मिले हैं। इस प्रकार सोनीपत जिला में कोरोना पॉजिटिव मामलों का आंकड़ा 118 हो गया है। इन पॉजिटिव मामलों में दो पॉजिटिव केस जमात के भी शामिल हैं। जमात से सोनीपत में 224 लोग आये हुए हैं। इनमें से 214 के सैंपल लिए गए, जिनमें दो व्यक्तियों को छोडकर शेष 212 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उपायुक्त ने कहा कि पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह राई में बनाये गये फेसिलिटी क्वारंटाईन में 323 लोगों को रखा गया, जिनमें से 250 लोगों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। यहां से 38 लोगों को आईसोलेशन वार्डों में स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने बताया कि विभिन्न अस्पतालों के आईसोलेशन वार्डों में 173 लोगों को रखा गया। बीपीएस मेडिकल कालेज खानपुर कलां के आईसीयू में अभी तीन मरीजों को रखा गया है।

मोबाइल हेल्थ टीमों ने 807 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की

उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने बताया कि मंगलवार को जिला स्वास्थ्य विभाग की मोबाईल हेल्थ टीमों ने 807 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। उन्होंने बताया कि इनमें 736 व्यक्तियों में कोई बीमारी नहीं मिली। लेकिन 71 लोग सामान्य बीमार मिले, जिन्हें मौके पर ही दवाई दे दी गई। जांच के दौरान कोविड-19 कोरोना वायरस के लक्षण किसी भी जांचे गए व्यक्तियों में नहीं मिले।

मंडी इलाके के बिजली उपभोक्ताओं की परेशानी खत्म : जैन

सूरज स्टील सब स्टेशन की अंडरग्राउंड केबलिंग का प्रोजेक्ट हुआ पूर्ण

विभिन्न कालोनी और मंडी इलाकों की परेशानी हुई दूर

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

शहर में बढ़ती आबादी और बिजली उपभोक्ता, जर्जर होते बिजली तारों के बदलने के स्थाई प्रावधान न होने का सालों-साल खामियाजा उठा रहे सूरज स्टील सब स्टेशन के दायरे के नागरिकों की बरसों पुरानी मुराद पूरी हो गई है। अब शहर की आधा दर्जन कॉलोनियों को एचटी लाइन के कारण होने वाले हादसों से जान-माल का खतरा और जर्जर हो चुके तारों के कारण लाइन पार मंडी इलाके के उपभोक्ताओं की बार-बार बाधित बिजली की परेशानी खत्म हो गई है।

सूरज स्टील सबस्टेशन पर भाजपा नेता राजीव जैन, बिजली निगम के अधिकारियों और आमजन की मौजूदगी में इसका आगाज किया। दरअसल, कैलाश कॉलोनी, उत्तम नगर, शादीपुर के साथ लगता न्यू पटेल नगर, उत्तम विहार, पटेल नगर, होली चाइल्ड स्कूल के पीछे लक्ष्मण कॉलोनी, बाबा कॉलोनी क्षेत्र में घरों के ऊपर से जा रही एचटी लाइन की चपेट में आने से कई लोग जान गंवा चुके थे और अब भी उन्हें जान-माल का नुकसान होने का खतरा बना हुआ था और लोगों को डर के साये में जीने पर मजबूर होना पड़ रहा था। क्षेत्र में उपभोक्ताओं की संख्या से लोड में हुई बढ़ोतरी के चलते यह बार-बार टूटते रहते थे, इससे मंडी इलाके से वेस्ट राम नगर, कालूपुर आदि इलाके तक बिजली आपूर्ति लगातार बाधित होती थी और गर्मियों में यह बड़ी परेशानी का कारण बन जाती थी। ढाई वर्ष से राजीव जैन ने न केवल इस परेशानी का स्थाई समाधान ढूंढा, अपितु इसकी लाइन शिफ्ट कराने के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मंजूरी दिलाई। अब एचटी लाइन के स्थाई विकल्प के तौर पर बाईपास सेक्टर 12 रोड, आईटीआई चौक, ओल्ड डीसी रोड, रोहतक रोड फ्लाईओवर, एटलस मंदिर से होते हुए पुरानी फाटक के पास से अंडरग्राउंड केबलिंग का काम पूरा कर लिया गया है। प्रोजेक्ट के पूरा होने पर खुशी जताते हुए राजीव जैन ने कहा कि वह प्रोजेक्ट के शुरू होने से लेकर, रेलवे की अनुमति समेत विभिन्न अड़चनों को दूर करवाने और प्रोजेक्ट को पूरा होने तक अधिकारियों के संपर्क में रहे, ताकि इसे गर्मी शुरू होने से पहले शुरू किया जा सके। उन्होंने कहा कि अब लाइन के स्थान पर अंडर ग्राउंड केबलिंग होने से जहां अब किसी की जान नहीं जाएगी, वहीं जर्जर तारों के बदले जाने से न केवल लाइन लास रुकेगा, अपितु लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति की जा सकेगी।

सूरज स्टील सबस्टेशन पर पहुंचे भाजपा नेता राजीव जैन।

ऑनलाइन कविता गायन में तृषा रही अव्वल

शाहाबाद मारकंडा। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा कोविड-19 जागरुकता अभियान के तहत ऑनलाइन कविता गायन प्रतियोगिता में बच्चों द्वारा कोविड-19 से संबंधित विषयों पर कविताएं बना कर गायी गई। प्रतियोगिता में स्कूल के कक्षा नर्सरी से कक्षा दसवीं तक के लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। स्कूल प्रधानाचार्य डा. आरएस घुम्मन ने सभी विद्यार्थियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा कोविड-19 से संबंधित जानकारी दी और प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी की तृषा प्रथम, ऐषवीन, सानवी द्वितीय, दृष्टि और हरजोत तृतीय रही। कक्षा केजी में आराध्या प्रथम, जशनदीप और अंशदीप द्वितीय, मिस्टी और लवलीन तृतीय रहीं। कक्षा पहली में पूरवी, कषकप्रीत प्रथम, येदांत-हैरी द्वितीय, विराट, मिलन-चहक तृतीय रहे। कक्षा दूसरी से सोनाक्षी तथा यशमीत प्रथम, गरिमा-तनवी द्वितीय और नितिन और समृद्धि तृतीय रही। कक्षा तीसरी से मिनल प्रथम रहा। कक्षा चैथी से हरमन प्रथम, रूहानी द्वितीय और पवनदीप तृतीय रहा। कक्षा पांचवी से मनत प्रथम, शगुन द्वितीय व अतुल तृतीय रहा। कक्षा छठी से सिमरतप्रीत प्रथम, वंश द्वितीय और ऐषप्रीत तृतीय रही। कक्षा सातवीं से उर्वी प्रथम, निकिता द्वितीय और आयुष तृतीय रहा।

फ्यूचर इनोवेशन फाउंडेशन भारत ने गांव-शहर में हर्बल सैनेटाइजर

कैलाश नगर में कोरोना से बचाव के लिए सैनेटाइजर का छिड़काव करते फ्यूचर इनोवेशन फाउंडेशन भारत के सदस्य।

नारनौल। कोरोना वायरस जैसी विश्वव्यापी महामारी देखते हुए संकट की घड़ी में फ्यूचर इनोवेशन फाउंडेशन भारत के सदस्य गांवों व शहरों में जाकर हर्बल सैनेटाइजर का छिड़काव कर रहे हैं।

मंगलवार को शहर के मोहल्ला कैलाश नगर, महावीर चौक, रेवाड़ी रोड, हाउसिंग बोर्ड, रेडक्रॉस कार्यालय, कर्मचारी कॉलोनी आदि जगह पर हर्बल सैनेटाजर का छिड़काव किया। संस्था के प्रमुख ओमप्रकाश यादव ने बताया कि संस्था के सभी सदस्य पूरे जोश और उत्साह के साथ जिला के गांवों, शहर, हॉस्पिटलों में हर्बल सैनेटाइजर का छिड़काव कर रहे हैं।

संस्था के संयोजक ऋषिपाल ने बताया कि दुकानदार महंगे दामों में सैनेटाइजर बेच रहे हैं ऐसे में गरीब लोगों को सैनेटाइजर खरीदना मुश्किल है। इसी को ध्यान रखते हुए संस्था ने हर्बल से सैनेटाइजर बनाकर फ्री छिड़काव करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि इस हर्बल सैनिटाइजर में नीम, तुलसी, अलोवीरा, कपूर, फिटकरी व संतरा का प्रयोग किया जाता है। फ्यूचर इनोवेशन फाउंडेशन के संयोजक ऋषी पाल डेरोली जाट व संदीप कुमार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

लॉकडाउन 04 में दी जाए कितनी छूट

केजरीवाल ने दिल्ली वालों से मांगे सुझाव

बुधवार शाम तक है समय सीमा, जनता की राय 15 मई को केंद्र को सौंपेंगे सीएम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन 3.0 के बाद कितनी छूट मिलनी चाहिए, कितनी नहीं इसको लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों से सुझाव मांगे हैं। उन्होंने कहा कि लोग बुधवार शाम पांच बजे तक सुझाव देकर बताए कि मेट्रो, ऑटो, टैक्सी,बस चलाई जाए या नहीं।

स्कूल, मार्केट को खोला जाए या नहीं। कारखाने खुलने चाहिए या नहीं। लोग सुझाव देकर बताएं कि क्या खुले, क्या नहीं। सीएम ने यह भी साफ किया सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क सख्ती के साथ जरूरी रहेंगे। अब हमें अपनी सेहत और अर्थव्यवस्था की सेहत भी बनाकर रखनी है। मुख्यमंत्री अरविंद

डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस से संबोधित करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल।

केजरीवाल ने मंगलवार को डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 मई के बाद लॉकडाउन में ढिलाई देने को लेकर मुख्यमंत्रियों से 15 मई तक सुझाव मांगा है। दिल्ली वाले किन-किन क्षेत्रों में कितनी ढिलाई चाहते हैं। इस पर वे 13 मई की शाम 5 बजे तक अपने सुझाव दे सकते हैं। लोग फोन नंबर 1031 पर अपने सुझाव रिकॉर्ड करा सकते हैं। वाट्सऐप नंबर 8800007722 पर सुझाव भेज सकते हैं या delhicm.suggestions@gmail.com पर सुझाव ईमेल कर सकते हैं। जनता और विशेषज्ञों से मिले सुझाव का प्रस्ताव बनाकर केंद्र सरकार को भेजेंगे। उस पर केंद्र सरकार निर्णय लेगी कि 17 मई के बाद क्या किया जाए।

केजरीवाल के अनुसार अभी भी कोरोना फैला हुआ है और लॉकडाउन को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है। ऐसे में लॉकडाउन में ढिलाई दी जानी चाहिए। अगर ढिलाई दी जानी चाहिए, तो कितनी और किस-किस क्षेत्र में दी जानी चाहिए। बस, ऑटो, टैक्सी और मैट्रो चालू होनी चाहिए। स्कूल और बाजार और उद्योग धंधे खुलना चाहिए। एक तरफ, हमें सबसे पहले कोरोना से अपनी सेहत को बचाना है तो दूसरी तरफ, अर्थव्यवस्था की भी मजबूत करना है।

पंखे से फंदा लगाकर विवाहिता ने की खुदकुशी

नोएडा। थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सर्फाबाद गांव में रहने वाली 23 वर्षीय एक महिला ने मंगलवार दोपहर को अपने घर पर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार महिला का पति काफी समय से बीमार था। इस वजह से वह तनाव में थी।

एसीपी विमल कुमार सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के सेक्टर 73 स्थित सर्फाबाद गांव में रहने वाली मीनू यादव (23 वर्ष) पत्नी अमित यादव ने मंगलवार दोपहर को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि महिला का पति काफी दिनों से बीमार था, जिसकी वजह से वह तनाव में थी। उन्होंने बताया कि अगर मृतका के परिजन इस मामले में कोई शिकायत करते हैं, तो घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जाएगी।

बुजुर्ग की कोरोना से मौत, श्मशान पर हंगामा

● प्रोटोकॉल के तहत हुआ दाह संस्कार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई। कोरोना मरीज बुजुर्ग का शव हिंडन शमशान घाट पर डालकर स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी नदारद हो गए। तीन घंटे तक अफसर भी नहीं पहुंचे। इस बीच वहां अस्थि एकत्र करने एवं अन्य शव का अंतिम संस्कार करने पहुंचे लोगों ने हंगामा कर दिया। किसी ने पुलिस को फोन किया तो किसी ने नेताओं को। मामला तूल पकड़ते देख नगर स्वास्थ्य अधिकारी अपनी टीम के साथ शमशान घाट पर पहुंचे और सावधानी बरतते हुए पांच घंटे बाद शव का अंतिम संस्कार करवाया।

सोमवार देर रात को संयुक्त अस्पताल में पिलखुवा के 84 वर्षीय बुजुर्ग की कोरोना से मौत हो गई। सुबह सात बजे शव को लेकर एक

हिंडन श्मशान घाट पर कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग का शव पहुंचने के बाद मची अफरा-तफरी। बेटे को अंतिम संस्कार के लिए पीपीई किट पहनाते स्वास्थ्य कर्मचारी।

सरकारी एंबुलेंस शमशान घाट पर पहुंची। कर्मचारियों ने शव को एंबुलेंस से निकालकर बाहर रख दिया और उसका बेटा पर्ची बनवाने लगा। पूछने पर जैसे ही पता चला कि कोरोना से मौत हुई है तो बाहर रखे शव को देखकर वहां कार्यरत कर्मचारियों के होश उड़ गए। शव को अंतिम संस्कार के लिए कहा तो कोई उठाने को तैयार नहीं हुआ।

हिंडन मोक्ष स्थली के प्रभारी आचार्य मनीष पंडित ने आरोप लगाया कि शव को खुले में छोड़कर जाने से पूरे शमशान पर संक्रमण का खतरा हो गया है। आचार्य ने पुलिस को 112 पर फोन किया लेकिन, पुलिस नहीं पहुंची। वहां मौजूद लोगों ने स्थानीय नेताओं को फोन करके लापरवाही की सूचना दी। आनन-फानन में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश कुमार अपनी टीम के साथ वहां पहुंचे और शव का अंतिम संस्कार कराया। मुखाग्नि उनके बेटे गौरव कंसल ने पीपीई किट पहनकर दी। अंतिम संस्कार करवाने वाले पंडित को भी पीपीई किट पहनवाई गई। बाद में पूरे शमशान घाट को सैनिटाइज भी करवाया गया।

लैब सहायक को राहत कोर्ट ने बढ़ाया अनुबंध

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन के तहत लैब असिस्टेंट की नौकरी कर रहे एक व्यक्ति को राहत देते हुए उसके अनुबंध को 13 अगस्त तक बढ़ाने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा कि कोविड-१९ से निपटने की लड़ाई में उसकी सेवाओं की जरूरत होगी।

न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह लैब असिस्टेंट की याचिका पर रुख स्पष्ट करने के लिए, केन्द्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करते हुए, यह अंतरिम आदेश दिया। लैब सहायक ने कोरोना वायरस के दौरान उसके अनुबंध का विस्तार ना किए जाने के खिलाफ याचिका दायर की थी।

एमसीडी अध्यापिका की मौत दिल्ली सरकार देगी एक करोड़

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● राशन बांटते समय हुआ था कोरोना

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नगर निगम की एक टीचर की मौत पर मंगलवार को संवेदना जताई और कहा कि उनके परिवार को एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। कांट्रैक्ट पर काम करने वाली टीचर बैकाली दिल्ली सरकार के हंगर रिलीफ सेंटर में गरीबों के लिए खाना बांट में लगी थी और चार मई को कोविड-१९ संक्रमण से उनकी मौत हो गई थी।

दिल्ली सरकार की वर्तमान नीति के तहत सरकार किसी कोरोना योद्धा की कोरोना वायरस से मौत होने पर एक करोड़ रुपए की राशि उसके परिवार को देती है। केजरीवाल ने एक डिजिटल कांफ्रेंस में कहा, बैकाली ने 10, 17 और 18 अप्रैल को भोजन वितरण की ड्यूटी की। तबीयत खराब होने पर वह 24 अप्रैल को नहीं आ सकीं थी। पहले उन्हें रोहिणी में आंबेडकर अस्पताल और उसके बाद आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी चार मई को मृत्यु हो गई। दिल्ली सरकार उनके परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा प्रदान करेगी।

जिला क्रीड़ा अधिकारी कोरोना से हुईं संक्रमित

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के जिला क्रीड़ा अधिकारी पूनम विश्नोई कोरोना वायरस से संक्रमित हो गई हैं। जिला क्रीड़ा अधिकारी में कोरोना वायरस की पुष्टि होने के बाद गौतमबुद्ध नगर जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

जिलाधिकारी ने पूनम विश्नोई के कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि की है। गौतम बुद्ध नगर में यह पहला मामला है, जब कोरोना से बचाव के अभियान में जुटा कोई अधिकारी खुद चपेट में आया है। डीएम ने बताया कि जिला क्रीड़ा अधिकारी को ग्रेटर नोएडा के मलकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में बनाए गए शेल्टर होम में तैनात किया गया था। आशंका के बाद उन्हें क्वारंटाइन किया गया है।

कोरोना की मजबूत हो रही पकड़, 406 नए केस-एक दिन में 13 मरे

संक्रमितों की संख्या 7639 हुई-अब तक 86 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में पिछले २४ घंटे में कोरोना के ४०६ नए केस सामने आए हैं जबकि ३८३ लोग बीमारी को मात देकर घर जा चुके हैं। सोमवार की मध्य रात्रि तक १३ लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ मरने वालों का आंकड़ा ८६ हो गया है।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को बताया कि दिल्ली में अब तक कोरोना के ७६३९ मामले हो चुके हैं। इनमें से कुल २५१२ मरीज ठीक हो गए हैं। मई के पहले सप्ताह में भी शहर में एक दिन में 448 नए मामले सामने आए थे।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, सोमवार को दिल्ली में 7,233 मामले थे और 73 लोगों की मौत हो चुकी थी जबकि अब 13 लोगों की मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 86 हो गया है। मृतकों में से 45 व्यक्ति 60 साल या उससे ऊपर के हैं, जो कि कुल मौत का 52 फीसदी है। वहीं इनमें से 26 ऐसे हैं जो 50 से 59 साल के बीच में हैं जबकि 15 ऐसे हैं जो 50 साल से कम उम्र के हैं। विभाग ने बताया कि अब तक 2,512 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और 5,041 मरीजों का इलाज चल रहा है। कोविड-१९ से संक्रमित 1073 मरीज घर में आइसोलेशन वास में हैं।

अब तक सामने आए 7,639 मरीजों में से कम से कम1,623 एलएनजेपी अस्पताल, आरएमएल अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी (आरजीएसएसएच), एम्स झज्जर में भर्ती हैं। इनमें से 111 आईसीयू में और 20 वेंटिलेटर पर हैं। दिल्ली में हॉट स्पॉट कम होकर ८२ रह गए हैं।

कोविड 19 पॉजिटिव मरीज ने की खुदकुशी

नई दिल्ली। कोविड-19 संकट के बीच कोरोना संक्रमित सेना के एक जवान ने बेस अस्पताल में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को सुबह करीब चार बजे पुलिस को सूचना मिली कि बेस अस्पताल में किसी कोरोनो के मरीज ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि कोरोनो वार्ड के पीछे जामुन के पेड़ पर किसी ने रस्सी के जरिये फांसी लगा ली है। मृतक जवान की पहचान 31 साल के महाराष्ट्र निवासी के रूप में हुई है। वह अलवर में सिग्नल कोर में तैनात थे।

पुलिस के हत्थे चढ़े हत्या के आरोपी शार्प शूटर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● लूट, जबरन वसूली के कई मामले हैं दर्ज

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दो शातिर शार्ट शूटरों विकास और रोहित डागर को गिरफ्तार किया है। इन दोनों की संलिप्तता टिकटॉक स्टार और जिम ट्रेनर की हत्या में नाम सामने आया था। विकास और रोहित डागर की कई अन्य मामलों में भी पुलिस को लंबे समय से तलाश थी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, विकास और रोहित दिल्ली ही नहीं हरियाणा में भी उगाही का धंधा करते थे। दोनों ही राज्यों में इन पर लूट, जबरन वसूली के कई मामले दर्ज हैं। विकास पर 1.20 लाख रुपये तो रोहित पर 25,000 रुपये का ईनाम दिल्ली पुलिस ने घोषित किया था।

विकास और रोहित पर टिकटॉक स्टार मोहित मोर की हत्या में शामिल होने का भी आरोप है। पिछले साल मोहित की हत्या में गिरफ्तार एक आरोपित के मुताबिक, घटना वाले दिन 21 मई को बदमाश संदीप ने वीडियो काल कर उसे नजफगढ़ के ढांसा स्टैंड के समीप बुलाया था। वहां पहले से मौजूद विकास और रोहित मलिक मौजूद थे। संदीप ने तीनों को एक-एक पिस्टल दी और मोहित मोर की हत्या करने को कहा था। तीनों स्कूटी से नजफगढ़ के शनि मंदिर रोड स्थित उस दुकान पर पहुंचे जहां मोहित सोफा पर बैठा हुआ था। रोहित और विकास ने उस पर 13 गोलियां दाग दीं। घटना के बाद पुलिस के डर से नाबालिग द्वारका इलाके में जाकर छुप गया था। पुलिस के मुताबिक, मोहित ने मंगू नाम के एक शख्स से 30 लाख रुपये उधार लिए थे। बाद में वह रुपये लौटाने में आनाकानी कर रहा था। इस पर मंगू ने उसे रास्ते से हटाने की ठान ली। इसके बाद संदीप पहलवान के गिरोह ने उसकी हत्या कर दी।

हमलावर कुख्यात ज्योति सांगवान-कपिल सांगवान उर्फ नंदू गिरोह के सदस्य हैं। वहीं मोहित मोर के विरोधी गुट मंजीत महाल की बदमाशों से नजदीकी थी।

राजद्रोह केस में जफरूल से जबरदस्ती नहीं : अदालत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष जफरुल-इस्लाम खान को हाई कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने पुलिस को सोशल मीडिया पर एक कथित विवादस्पद बयान को लेकर राजद्रोह के आरोपों के साथ एफआईआर में कोई ठोस कदम नहीं उठाने का आदेश दिया। जफरुल को 22 जून तक राहत दी गई है।

खान की वकील वृंदा ग्रोवर ने कहा कि न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम राहत देते हुए पुलिस से यह भी कहा कि अगर जांच के लिए उन्हें बुलाने की जरूरत हो तो उन्हें इसके लिए, पहले नोटिस दिया जाए। खान ने अपनी उम्र, स्वास्थ्य संबंधी मुश्किलों और कोविड-19 के संक्रमण के मद्देनजर उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर राजद्रोह मामले में अग्रिम जमानत दिए जाने का अनुरोध किया था। खान ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर 28 अप्रैल को कथित तौर पर राजद्रोह वाली और द्वेषपूर्ण टिप्पणी के साथ एक पोस्ट डाली थी। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने दो मई को एक शिकायत के आधार पर खान के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

पड़ोसी ने नाबालिग से किया दुष्कर्म

नोएडा। थाना मामूरा गांव में एक नाबालिग के साथ उसके पड़ोसी द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) हरीश चंदर ने बताया कि थाना फेस- 3 क्षेत्र के मामूरा गांव में रहने वाली 15 वर्षीय किशोरी के साथ उसके पड़ोस में रहने वाले युवक ने बलात्कार किया।

उन्होंने बताया कि किशोरी गर्भवती है। उन्होंने बताया कि पीड़िता के परिजनों ने सोमवार देर रात थाना फेस- 3 में मुकदमा दर्ज कराया। मंगलवार सुबह पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रवासी मजदूरों के लिए नगर निगम रसोई को दिए गए लड्डुओं से भरे टोकरे।

निगम रसोई को दिए लड्डू के टोकरे

गाजियाबाद। लॉकडाउन में सोशल डिस्टेंस व सरकार द्वारा घोषित अन्य गाइड लाइन का पालन करते हुए नगर आयुक्त दिनेश चन्द ने अपनी शादी की 25वीं वर्षगांठ अनूठे अंदाज में मनाई। इस मौके पर उनकी पत्नी द्वारा बचत के रखे 17 हजार रुपये से प्रसाद के रूप में लड्डू नगर निगम की रसोई में तैयार किए जा रहे प्रवासी मजदूरों के भोजन पैकेट में रखवा दिए गए। इससे पहले दोनों ने भगवान हनुमान की पूजा अर्चना की और इसके बाद लड्डुओं का भोग लगाने के उपरांत निगम रसोईघर पहुंचकर लड्डुओं के टोकरों को वहां उपस्थित सेवादारों को सौंप दिया। मेयर आशा शर्मा ने नगर आयुक्त की इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि भोकाल आयोजन करने के बजाय यदि उस पैसे से खरीदी खाद्य सामग्री गरीबों के काम आ जाये तो इसकी कोई मिसाल ही नहीं हो सकती।

भूसा केंद्र पर तैनात पशुपालन विभाग के कर्मचारी।

निराश्रित पशुओं के लिए बनाए गए 17 भूसा बैंक

गाजियाबाद। निराश्रित गौवंश के लिए जिले में 17 भूसा बैंक बनाये गए हैं, जिनमें करीब 2234 कुंतल भूसा स्टोर किया गया है।

पशुपालन विभाग विभाग के नोडल अधिकारी व मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि इस समय जिले में चार हजार निराश्रित पशु विभिन्न आश्रय स्थलों में संरक्षित किए गए हैं। जिसमें निगम क्षेत्र में करीब 14 सौ पशु हैं। उन्होंने बताया कि निराश्रित पशुओं को खाने की व्यवस्था करने के लिए 2234 कुंतल भूसा संरक्षित किया गया है।

अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ लापरवाही का केस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● मृतक का शव रख दिया था गेट पर

सेक्टर 33 में स्थित एक निजी अस्पताल के प्रबंधकों के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) संकल्प शर्मा ने बताया कि थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के सेक्टर 33 के एक अस्पताल में सोमवार शाम को एक व्यक्ति उपचार कराने गया था। वह सिक्योरिटी गार्ड की वर्दी में था।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में उपचार के दौरान उक्त व्यक्ति की मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधकों ने मानवता को शर्मसार करते हुए शव को अस्पताल के गेट के बाहर रख दिया।

उन्होंने बताया कि इसकी सूचना जिलाधिकारी को मिली। उन्होंने सीएमओ दीपक ओहरी को मामले की जांच के लिए भेजा। सीएमओ और बिसरख स्थित सीएचसी के प्रभारी डॉ सचेंद्र मिश्र ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच की। उन्होंने बताया कि डॉ मिश्र ने थाना सेक्टर 24 में अस्पताल के प्रबंधकों और चिकित्सकों के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कराया है।

डीसीपी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि व्यक्ति की मौत कैसे हुई। उसका कोविड-19 का टेस्ट भी कराया जा रहा है। डॉ दीपक ओहरी ने बताया कि मामले की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। जिसमें जिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ वंदना शर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वी बी ढाका तथा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अमित को शामिल किया गया है।

पुलिस विभाग के लिए मास्क देतीं सीएस दिशा फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष उदिता त्यागी।

एक लाख मास्क बांटेगा सीएस दिशा फाउंडेशन

गाजियाबाद। कोरोना महामारी के बीच सीएस दिशा फाउंडेशन भी अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। फाउंडेशन ने मास्क अप इंडिया अभियान शुरू किया है। जिसमें एक लाख मास्क बनाकर जरूरतमंदों को वितरित किए जाएंगे। सीएस दिशा फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.उदिता त्यागी ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं के एक समूह द्वारा इन मास्क को तैयार किया जा रहा है। जिला कारागार में 800 मास्क निशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं तो वहीं फाउंडेशन व जिला कारागार के संयुक्त तत्वाधान में सादत नगर इकला और अन्य गांवों में इनका वितरण किया गया। फाउन्डेशन द्वारा अब तक कुल 9270 मास्क विभिन्न गांव और सेवा बस्तियों में बांटे जा चुके हैं और बचे हुए 90,000 मास्क का निर्माण युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। जो करीब तीन माह में तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा फाउंडेशन जरूरतमंदों को राशन वितरण भी कर रही है।

लॉकडाउन में 7.5 लाख करोड़ का घाटा : कैट

नई दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने कहा कि गत २४ मार्च को देश भर में लॉकडाउन के गत 50 दिनों में भारतीय खुदरा व्यापार में लगभग 7.5 लाख करोड़ का कारोबार नहीं हुआ। जिसके बाद केंद्र एवं राज्य सरकारों को लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व का नुकसान हुआ है। लॉकडाउन हटाए जाने के बाद देशभर के बाजारों में लगभग केवल 20 प्रतिशत ग्राहकों के आने की संभावना है क्योंकि कोरोना का डर अभी भी उपभोक्ताओं के बीच बना हुआ है जो उन्हें बाजारों में जाने से रोकेगा।

संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत मरने वालों की संख्या तीन हुई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

5 और मिले पॉजिटिव

गौतमबुद्ध नगर में कोविड-19 से संक्रमित एक व्यक्ति की मंगलवार को मौत हो गई और इसके साथ ही जिले में संक्रमण से मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। वहीं जिले में 5 लोग और कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। जिलाधिकारी सुहास एल वाई ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि सेक्टर 19 के रहने वाले एक 60 वर्षीय व्यक्ति कोविड-19 से संक्रमित थे। उन्हें उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां सुबह उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक जिले में कोविड-19 संक्रमित तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पूर्व सेक्टर 22 में रहने वाले एक 60 वर्षीय व्यक्ति तथा सेक्टर 66 में रहने वाले एक 65 वर्षीय व्यक्ति की संक्रमण से मौत हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि जिले में अबतक कुल 230 लोग संक्रमित पाए गए हैं। जिनमें 135 लोग विभिन्न अस्पतालों में उपचार के दौरान ठीक हो कर घर जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि 87 मरीजों का यहां के विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। जबकि 452 लोगों को पृथक-वास में रखा गया है।

नोएडा में औद्योगिक इकाइओं और विकास योजनाओं का काम शुरू

कोविड-19 प्रोटोकॉल का करना होगा पालन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोविड-19 के चलते लागू लॉकडाउन की वजह से बुरी तरह प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए, शहर में औद्योगिक इकाइयों और विकास योजनाओं का काम शुरू कर दिया गया है। नोएडा प्राधिकरण ने 1,150 उद्योगों को लगभग 65,000 कर्मचारियों और श्रमिकों के साथ काम करने की सोमवार को अनुमति दी।

वहीं 24 ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी को भी काम शुरू करने की इजाजत मिली है। इनमें 7,000 कर्मी एक साथ काम करेंगे। इससे पूर्व नोएडा प्राधिकरण 850 औद्योगिक इकाइयों तथा 20 ग्रुप हाउसिंग बिल्डर परियोजनाओं को शुरू करने की भी अनुमति दे चुका है। प्राधिकरण सीईओ रितु माहेश्वरी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश के बाद नोएडा क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाइयों को कोविड-19 के प्रोटोकाल के अनुपालन की हिदायत देते हुए खोलना शुरू किया गया है।

उन्होंने बताया कि निर्यात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 572 निर्यात इकाइयों को खोलने की भी अनुमति दी गई है। साथ ही कहा कि जिन संस्थानों को काम करने की अनुमति दी गई है, उनसे कोविड-19 के प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा गया है जिसमें मुख्य रुप से परिसर के अंदर श्रमिकों का मास्क पहनना और सामाजिक दूरी का पालन करना तथा परिसर को संक्रमणमुक्त बनाते रहना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि इकाई न्यूनतम श्रमिकों द्वारा संचालित की जाएगी। कार्यस्थल पर आने वाले प्रत्येक श्रमिक की थर्मल स्क्रीनिंग होगी। प्रत्येक पाली के बाद कार्यस्थल को संक्रमणमुक्त किया जाएगा। किसी भी श्रमिक में लक्षण दिखने पर प्राधिकरण जिला प्रशासन या स्वास्थ्य विभाग को तुरंत सूचित करना होगा।

जांच के नाम पर परेशान नहीं करेगी पुलिस

गाजियाबाद बाहरी राज्यों से आने वाले मालवाहनों को बेवजह पुलिस नहीं रोकगी। इस संबंध में जिला प्रशासन ने पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किये हैं। जिले में उद्योग धंधे शुरू होने लगे हैं। उद्यमियों ने जिला मुख्यालय पर प्रशासन के साथ हुई समन्वय बैठक में यह शिकायत की थी कि जो कच्चा माल बाहर से मालवाहक लेकर आते हैं , पुलिस उन्हें बेवजह रोक कर परेशान करती है जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने बताया कि कुछ अपवादों को छोड़कर मालवाहकों को बेवजह नहीं रोका जायेगा। इस संबंध में पुलिस प्रशासन को पत्र लिख दिया गया है। इसके अलावा बैठक में नेशनल व राज्य हाई-वे पर ढाबे खोले जाने की भी बात कही गई है। बैठक में ट्रांसपोर्टरों का कहना था कि ढाबे न होने से लंबे रूट पर चलने वाले मालवाहकों को भोजन की दिक्कत होती है। इस पर जिलाधिकारी ने बताया कि शासन ने नेशनल व राज्य हाई-वे पर ढाबे खोले जाने के निर्देश जारी कर दिये हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 13 मई, 2020

समाज सेवा के लिए चुना है नर्सिंग, सदा कायम रहेगा सेवा का जज्बा

विषय परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारने का नाम है नर्सिंग

नर्सिंग डे पर विशेष

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

सेवा का उत्तम भाव तुम्हारा-नि:स्वार्थ है बहाव तुम्हारा-बिना भेदभाव के ख्याल रखती हो तुम, है जनमानस से लगाव तुम्हारा।

विश्व नर्सिंग डे पर हम इन्हीं शब्दों के साथ उन वॉरियर्स का सेल्यूट कर रहे हैं, जो मरीजों की सेवा को अपना परम धर्म मानती हैं। मरीज की उम्र कितनी भी हो, पर इनके काम की गति और सेवा की भावना सभी के लिए बराबर रहती है। मतलब बच्चों से लेकर उम्रदराज व्यक्तियों के उपचार रूपी सेवा में ये कोई कटोती नहीं करती।

इनके लिए वॉरियर नाम का तमगा सिर्फ कोरोना काल में ही क्यों, यह तमगा तो हमेशा इनके नाम के साथ जुड़ना चाहिए। इस विश्व नर्सिंग डे पर हमने कुछ नर्सिंग स्टाफ से बात की तो उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त की।

सेवा की भावना हो तो नर्सिंग को ही चुनें : पूनम सहराय

गुरुग्राम के नागरिक अस्पताल की नर्सिंग स्टाफ पूनम सहराय कहती हैं कि जिसके दिल में समाजसेवा की भावना होती है, उसे भगवान उसी क्षेत्र में किसी न किसी माध्यम से ले ही आते हैं। उन्होंने नर्सिंग को समाजसेवा के लिए बहुत ही उत्तम पेशा बताते हुए कहा कि हर तरह के व्यक्ति की सेवा का यहां मौका मिलता है।यहां बच्चों को भी दुलार कर उनका उपचार किया जाता है तो बुजुर्गों की अच्छे से सेवा करके उनका आशीर्वाद मिलता है। हम जी-जान से मरीजों की सेवा करती भी हैं और सदा करती रहेंगी। उनका नर्सिंग क्षेत्र में आ चुकी और आने वाली हर महिला, बेटी को यही संदेश है कि अगर इस प्रोफेशन को चुना है या चुनना है तो अपने दिल में सेवा की भावना को जरूर रखना।

सेवा के लिए नर्सिंग से बेहतर कुछ नहीं: श्रुति

हिमाचल प्रदेश निवासी श्रुति यहां मेदांता मेडिसिटी में स्टाफ नर्स हैं। अपने घर से कोसों दूर समाजसेवा के लिए ही वे आई हैं। यह ठीक है कि जीवन के लिए आर्थिक मजबूती जरूरी है, लेकिन जब हम दिल से किसी प्रोफेशन में सेवा करते हैं तो सब कुछ ठीक होता है। नर्सिंग प्रोफेशन को सेवा के लिए बेहतर माना गया है। इसमें किसी तरह का स्वाथज़ नहीं होता। किसी को जीवनदान हमारे हाथों से मिलता है। श्रुति यह नहीं कहती कि वे किसी को जीवन देती हैं, मगर उनकी सेवा इतनी शिद्दत से करती हैं कि मरीज को जीने की उम्मीद बंधाती हैं। उन्हें दिमागी रूप से मजबूत बनाती हैं।

सेवा परमो धर्मः ही हमारा ध्येय : श्वेता रावत

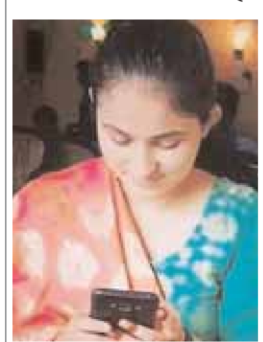

उत्तराखंड से आकर यहां मेदांता मेडिसिटी में सेवाएं दे रही स्टाफ श्वेता रावत कहती हैं कि सेवा के क्षेत्र का परम वाक्य सेवा परमो धर्मः की राह पर चलना ही उनका ध्येय है। देश में नर्सों की बहुत कमी है। इस पर वे कहती हैं कि हर माता-पिता बेटियों को इस क्षेत्र में डालने का प्रयास करें। इसमें नौकरी के साथ सेवा का मौका मिलता है। इससे यहां नर्सों की कमी भी दूर होगी और बेटियों को परिवार के सदस्यों की तरह सेवा का मौका भी मिलेगी। बचपन से ऐसे संस्कार भी हमारे यहां दिए जाते हैं कि हम अपने से बड़ों की सेवा करेंगे। सबके साथ अच्छा व्यवहार करेंगे।

सेवा में कोई सीमा, संस्कृति बाधा नहीं: जोसमीन

केरल की रहने वाली जोसमीन कहती हैं कि उनके यहां तो बेटियों के लिए नर्सिंग के प्रोफेशन को सबसे बेहतर माना जाता है। इसलिए केरल से बहुत अधिक संख्या में बेटियां नर्सिंग प्रोफेशन को ही अपनाती हैं। पैरेंट्स का इसमें पूरा सपोर्ट रहता है। उनका कहना है कि सेवा के क्षेत्र में कोई सीमाएं, कोई संस्कृति मायने नहीं रखती, बल्कि यह विचारों, सोच की बात है। हमें यह सेवा का क्षेत्र मिला है तो हमें इसमें अपना भरपूर योगदान देना चाहिए। समस्याएं आती हैं, उनसे घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उनका मुकाबला करके इस सेवा के पथ पर आगे बढ़ते जाना ही हमारा ध्येय होना चाहिए।

नर्सिंग में आना किस्मत की बात: रीनू

केरल की ही रीनू भी यहां पर स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत हैं। वे कहती हैं कि नर्सिंग बनना किस्मत की बात है। अपनी अभी तक की नौकरी में उन्होंने मरीजों को हमेशा ही पॉजिटिव सोच के साथ प्रेरणा दी है। उनका कहना है कि उपचार लेने वाले मरीज के लिए नर्सिंग स्टाफ का एक पॉजिटिव शब्द भी ऊर्जा देता है। उत्साह से भर देता है। उनमें ठीक होने की क्षमता बढ़ जाती है। चाहे व्यक्तिगत जीवन में एक नसज़ कितनी भी परेशान हो। कोई भी समस्या हो, लेकिन वह अपने मरीज के साथ हमेशा न्याय करती है। अपनी परेशानी से मरीज को नहीं जोड़ती। नर्सिंग का यह मुख्य ध्येय भी होना चाहिए।

सेवा का नायाब क्षेत्र है नर्सिंग : सुमन

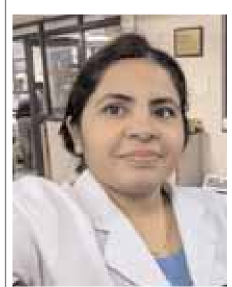

एम्स में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर सुमन कहती हैं कि उन्हें अपने अस्पताल में हर क्षेत्र के मरीजों से रूबरू होना पड़ता है। सबकी भाषा भिन्न होती है। लेकिन किसी की भाषा और क्षेत्र उनके उपचार में बाधा नहीं बनते। सुमन कहती हैं कि सेवा का यह क्षेत्र नायाब है। सिर्फ और सिर्फ सेवा ही नर्सिंग का ध्येय है। यह प्रोफेशन हमने चुना है तो इसमें खुद को समर्पित भी करके चलना है। उनका कहना है कि हर प्रोफेशन से कहीं अलग यह प्रोफेशन है। नर्सिंग बेशक एक पेशा है। जॉब है, लेकिन मुख्य रूप से यह सेवा का ही क्षेत्र है। सेवा को समर्पित महिलाओं के लिए यह प्रोफेशन प्राथमिकता होनी चाहिए।

मरीजों को मोरल सपोर्ट देना भी जरूरी : इंदू बाला

एम्स में ही कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर इंदू बाला कहती हैं कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्होंने नर्सिंग के प्रोफेशन चुना। कई बार गंभीर बीमारियों की वजह से लोग मानसिक रूप से टूट जाते हैं। मानसिक कमजोरी भी कहीं न कहीं उपचार में बाधा बनती है। नर्सिंग स्टाफ का यह प्रयास रहता है कि ऐसे मरीजों में पॉजिटिव सोच और मोरल सपोर्ट विकसित करें। नर्सिंग स्टाफ मरीजों में जीने की उम्मीद जगाती हैं। हमारा प्रयास सदा यही होना चाहिए कि मरीज के दिलो-दिमाग पर उसकी बीमारी हावी न होने दें। वह बीमारी से निकलकर आगे के जीवन को सोचें। यह सोच हम नर्सिंग स्टाफ के प्रयासों से मरीजों में पैदा की जाती है।

कोरोना संक्रमित स्टाफ नर्सों ने गाया 'हम होंगे कामयाब एक दिन'

ईएसआईसी अस्पताल में नर्सिंग डे पर आधी रात को नर्सिंग स्टाफ ने मनाई खुशी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में मंगलवार को विश्व नर्सिंग डे पर हम होंगे कायमाब गीत गातीं कोरोना संक्रमित नर्सिंग स्टाफ।

सोमवार की आधी रात को विश्व नर्सिंग डे शुरू होते ही ईएसआईसी अस्पताल में गूंजने लगा हम होंगे कामयाब-हम होंगे कामयाब-हम होंगे कामयाब एक दिन...मन में है विश्वास-पूरा है विश्वास, हम होंगे कामयाब एक दिन...। जोश और जज्बा पैदा करता यह गीत गाया वहां पर एडमिट अलग-अलग अस्पतालों की कोरोना संक्रमित नर्सिंग स्टाफ ने।

यहां ईएसआईसी अस्पताल में नागरिक अस्पताल, मेदांता मेडिसिटी अस्पताल से कोरोना संक्रमित स्टाफ नर्सों को दाखिल किया गया है। कोरोना की जंग लड़ते हुए यहां उपचाराधीन नर्सिंग स्टाफ ने सोमवार की आधी रात को विश्व नर्सिंग डे के मौके को कुछ अलग अंदाज में सेलिब्रेट किया। 12 मई 2020 की शुरुआत के साथ ही सभी कोरोना संक्रमित नर्सेज उठी और हम होंगे कामयाब गीत गाने लगी। सभी ने पूरे जोश और जज्बे के साथ इस गीत को गाया। अंत में सेल्यूट के साथ सभी नर्सिंग स्टाफ को हैप्पी नर्सिंग डे भी कहा।

इन नर्सेज का यह जोश और जज्बा ही इनकी ताकत है। इनकी हिम्मत है। विपरीत परिस्थितियों में काम को करने की प्रेरणा है। विश्व नर्सिंग डे के मौके पर हमारा भी इन वॉरियर्स को सेल्यूट है।

ईएसआईसी ने नर्सेज को सम्मानित भी किया

ईएसआईसी अस्पताल की ओर से नर्सिंग डे के मौके पर यहां इन नर्सेज को सम्मानित भी किया गया। इसके लिए सभी ने प्रशासन का थैंक्स किया। यहां मौजूद स्टाफ नर्स पूनम सहराय, श्रुति, श्वेता रावत, जोसमीन, रीनू आदि ने कहा कि नर्सिंग डे पर उन्हें यहां पर सम्मानित किया गया है। इसके लिए प्रशासन का वे धन्यवाद करती हैं। उन्होंने अपने-अपने अस्पतालों में भी स्टाफ को नर्सिंग डे की बधाई दी और अपने काम को पूरे जोश के साथ करने को प्रेरित किया। कोरोना से जंग लड़ रही इन नर्सेज की एक रिपोर्ट तो नेगेटिव आ चुकी है। अब दूसरी रिपोर्ट का इंतजार है।

पुरानी रंजिश : झगड़े में दंपति सहित तीन घायल 18 पर केस

सोहना। गांव किरनकी खेड़ली में विवाहिता को पुरानी रंजिश के तहत दर्जनभर हमलावरों ने रास्ते में रोकर पीटकर घायल कर दिया। बीच में आया महिला के पति, जेठानी पर भी लाठियों से हमला कर दिया। सोहना सदर थाना पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर 6 महिलाओं सहित 18 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। लेकिन पुलिस किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

गांव किरनकी खेड़ली निवासी विवाहिता अपने किसी काम से बाहर गई थी। घर लौटते समय रास्ते में गांव के ही दर्जनभर महिला-पुरुषों ने उसे रोक लिया। उन्होंने महिला से मारपीट कर दी। महिला ने शोर मचाया तो महिला का पति और जेठानी बचाव के लिए आई। आरोपियों ने उन पर भी लाठियों से हमला करके घायल कर दिया। घायलों को सोहना के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया। वहां से डॉक्टरों ने तीनों घायलों को गुरुग्राम के लिए रेफर कर दिया। पीड़ित महिला ने आरोपियों पर झगड़े में उसके कपड़े फाड़ देने का आरोप भी लगाया है। पीड़िता ने बताया कि उसने एक वर्ष पहले लव मैरिज की थी। जिससे आरोपी लोग उससे रंजिश मानते हैं।

खून की कमी है, अधिक से अधिक रक्तदान करें : सुधीर सिंगला

पटौदी रोड स्थित सुखदा अस्पताल में रक्तदान शिविर में रक्तदाता को सर्टिफिकेट देते विधायक सुधीर सिंगला व रक्तदान करता एक पुलिसकर्मी।

गुरुग्राम। शहर में खून की कमी को देखते हुए मंगलवार को यहां पटौदी रोड स्थित सुखदा अस्पताल में रोटरी ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का शुभारंभ गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने किया। इस मौके पर अस्पताल के निदेशक डा. विरेंद्र नैन, सबका सहयोग परिवार के प्रधान आलोक अरोरा व उपप्रधान नितिन वधवा भी मौजूद रहे। इस शिविर में 110 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि शहर में रक्तदान की कमी है। यह कमी इंसान ही पूरी कर सकता है। इसलिए अधिक से अधिक रक्तदान शिविर लगाए जाएं और अधिक से अधिक लोग रक्तदान करें। जीवन के लिए रक्त बहुत जरूरी है। हर स्वस्थ इंसान को नियमों के मुताबिक समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने सुखदा अस्पताल की ओर से लगाए गए इस शिविर के लिए अस्पताल प्रबंधन के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी को एक-दूसरे से प्रेरणा लेकर रक्तदान करना चाहिए।

अस्पताल के निदेशक डा. विरेंद्र नैन ने बताया कि रक्तदान शिविर के दौरान सभी की थर्मल स्कैनिंग की गई। सभी को मशीन से सेनिटाइज करने के साथ-साथ यहां सोशल डिस्टेंस का खास ख्याल रखा गया। आसपास की दुकानों को भी बंद करवाया गया, ताकि अधिक लोगों के आने पर कोई समस्या ना हो। खास बात यह रही कि यहां पर दिव्यांगों, पुलिसकर्मियों ने भी रक्तदान किया।

संक्षिप्त समाचार

बैंक शाखाओं के बाहर सोशल डिस्टेसिंग बनी मजाक

सोहना। सोहना में बैंक शाखाओं के बाहर सोशल डिस्टेंसिंग नियम का ग्राहक जमकर मजाक उड़ा रहे हैं। ग्राहक रुपये निकालने के दौरान सामाजिक दूरी को दरकिनार कर कोरोना को न्योता दे रहे हैं। लॉकडाउन के दौर में सार्वजनिक स्थानों पर सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए लोगों को हर प्रकार से जागरूक किया जा रहा है, लेकिन सोहना में बैंक शाखाओं के बाहर सामाजिक दूरी मजाक बनकर रह गई है। ग्राहक सुबह नौ बजे से बैंक शाखाओं के बाहर आकर लाइनें बनाने के लिए लग जाते हैं। कुछ ग्राहक सामूहिक रूप से बैठ जाते हैं। बैंक में कार्य शुरू होते ही ग्राहक लाइनों में खड़े होने लगते हैं लेकिन सामाजिक दूरी का ख्याल नहीं रख रहे हैं। जो लाइनों में एक मात्र फुट की दूरी ही बना रहे हैं। ग्राहकों की लापरवाही देखते हुए बैंक शाखा प्रबंधक एक-एक ग्राहक को अंदर बुला रहे हैं। ताकि एक साथ भीड़ उनके लिए खतरे की घंटी न बन जाए। सोहना में मात्र चार कोरोना संक्रमित पाए गए थे। जो अब ठीक होने के बाद अपने घरों को लौट आए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता विजय कुमार का कहना है कि बैंकों के बाहर भीड़ कोरोना को सरेआम न्योता दे रही है। उन्होने बताया कि बैंक शाखाओं के बाहर लगने वाली लाइनों में 60 फीसदी महिलाएं हैं। जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को भी ग्राहक अपना नंबर आने तक खड़ा कर रहे हैं।

बिहार के लिए प्रवासी मजदूर रिक्शे से रवाना

सोहना। ऑनलाइन रेल टिकट न होने पर प्रवासी मजदूर अपने परिजनों को रिक्शा लेकर बिहार के लिए रवाना हो गया। प्रवासी मजदूर ने अब किसी भी वाहन की मदद लिए बिना ही अपने घर पहुंचने का दावा किया है। बिहार के जिला भागलपुर के निवासी भागीरथ ताते अपनी पत्नी, बच्चों संग दो भाइयों को साथ लेकर बस व रेल का इंतजार किए बिना घर के लिए रिक्शा लेकर निकल पड़ा है। भागीरथ ताते ने बताया कि उनके पास न स्मार्ट मोबाइल फोन है। जिससे वह अपनी और परिजनों की ऑनलाइन रेल टिकट बुक करा सके। सीएससी सेंटर पर चार घंट लाइन में लगने के बाद उसका नंबर नहीं आया। लेकिन वह अब सरकार द्वारा चलाई गई बस व रेल का इंतजार नहीं करेगा। गुरुग्राम के सेक्टर 7 में मजदूरी करने वाले भागीरथ ताते ने बताया कि सड़क मार्ग से वह दो बच्चे व पत्नी और अपने दो भाइयों को तीन रिक्शे में लेकर निकल पड़े हैं। उन्होंने बताया कि बिहार पहुंचने में उन्हें चाहे 20 दिन लगे या 30 दिन। वह रास्ते में किसी भी वाहन का सहारा नहीं लेंगे। क्योंकि उसके पास अब किराए के लिए रुपये नहीं हैं। तरकेश्वर कुमार का कहना है कि ऑटो चालक से लेकर ट्रक, ट्राला चालक मजदूरों से तीन से चार गुणा किराया वसूल रहे हैं। ऐसे वाहन चालकों की नजर में मानवता मर गई है। ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ प्रशासनिक अधिकारियों को कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए। जो इस संकट की घड़ी में मजदूरी करने वालों से किराया के नाम पर लूट कर रहे हैं।

शिकार के दौरान लकड़बग्गा तारफेंसी में फंसा

सोहना के गांव मंडावर में शिकार के लालच में लोहे की तारफेंसी में फंस कर घायल हुआ लकड़बग्गा का इलाज करते डॉक्टर।

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना के मडावर गांव में श्मशान घाट के पास मंगलवार सुबह लकड़ बग्गा (हाइना) नुकीले तारों में फंस गया। लोहे के तारों में फंस जाने से लकड़ बग्गा गंभीर रूप से घायल हो गया।

मौके पर पहुंची वन्य जीव विभाग की टीम ने रेस्क्यू करके हाइना को बाहर निकला और उपचार के लिए गुरुग्राम अस्पताल में ले गए। मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने खेत की मेड़ के साथ-साथ हो रही लोहे की तार फेंसी में लकड़ बग्गा फंसा हुआ है। जिसके मुंह से खून निकल रहा था और शरीर पर अन्य कई स्थानों

पर जख्मी हो रहा है। जिसकी सूचना मिलने पर वन्य जीव विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीन ने करीब एक घंटा तक रेस्क्यू करके लकड़ बग्गा को काबू कर लिया। उसके बाद बेहोशी की हालत में हाईना को गुरुग्राम के पास गोपालपुर वन्य जीव विभाग के अस्पताल में उपचार के लिए ले गए। जहां लकड़ बग्गा के जख्मों का उपचार किया गया।

वन्य जीव विभाग स्थानिय इंस्पेक्टर राजेश चहल ने बताया कि घायल लकड़ बग्गा ठीक होने तक अस्पताल में ही रखा जाएगा। जिसकी उम्र करीब चार वर्ष की है। यह नरेश लकड़ बग्गा रात्रि के समय में अरावली पहाड़ी में शिकार की खोज करता हुआ यहां पहुंचा था। जो शिकार करने के दौरान तारफेंसी में फंस गया।

मीडियाकर्मियों को दिए गए फेस शील्ड और गॉगल्स

गुरुग्राम। एनसीआर मीडिया क्लब ने तायल फाउंडेशन के साथ मिलकर गुरुग्राम में मंगलवार को रक्षक की रक्षा अभियान के तहत मीडिया कर्मियों कोरोना केसे बचाव के लिए फेस शील्ड और गॉगल्स दिए गए। एनसीआर मीडिया क्लब के अध्यक्ष अमित नेहरा ने कहा कि कोविड-19 की महामारी की कवरेज के दौरान मीडियाकर्मी भी हाई रिस्क पर हैं। अमित नेहरा ने बताया कि इस मौके पर मौजूद सभी मीडियाकर्मियों को कोरोना से बचाव के लिए फेस शील्ड और गॉगल्स दिए गए।

डीआरडीओ की ऑटोमैटिक मिस्ट बेस्ड सैनेटाइजर डिस्पेंसिंग यूनिट 'ओकमिस्ट' की प्री-बुकिंग शुरू

राष्ट्रपति भवन पीएमओ, सुप्रीम कोर्ट सहित सरकारी कार्यालयों में हो रहा है स्वचालित इकाई का इस्तेमाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 के चलते गृहमंत्रालय द्वारा जारी विभिन्न गाइडलाइंस में से एक हैंड्स फ्री सेनिटेशन सलाह का अनुपालन करते हुए डीआरडीओर और रायोट लैब द्वारा विकसित संपर्क रहित सैनेटाइजर डिस्पेंसर 'ओकमिस्ट' को जनता एवं कार्यालयों में स्थापित करने के लिए इसकी प्री-बुकिंग शुरू की गयी है।

ओकमिस्ट का इस्तेमाल अभी तक राष्ट्रपति भवन, पीएमओ, सुप्रीम कोर्ट, गृह मंत्रालय सहित सरकारी कार्यालयों में किया जा रहा है। डीआरडीओ और रायोट लैब द्वारा विकसित ओकमिस्ट, संपर्क रहित सैनेटाइजर डिस्पेंसर से लैस हैं जो अल्कोहल बेस हैंड रब सैनेटाइजर समाधान प्रदान करता है। लॉकडाउन के चरण 3 के लिए एमएचए द्वारा दी गयी सलाह के बाद, उत्पाद को जनता के लिए उपलब्ध कराया गया है, और यह ओकमिस्ट की वेबसाइट https://oakmist.com पर प्री-बुकिंग के लिए उपलब्ध है।

ओकमिस्ट वॉटर मिस्ट एरेटर तकनीक पर आधारित है, जिसे जल संरक्षण के लिए विकसित किया गया था। यह इकाई संपर्क के बिना काम करती है और एक अल्ट्रासोनिक सेंसर के माध्यम से सक्रिय होती है। हैंड रब सेनिटाइजर के लिए कम प्रवाह दर के साथ एक एकल द्रव नोजल का उपयोग किया जाता है, जो कम वेस्ट के साथ हाथों को साफ करता है। एटमाइज़र का उपयोग करते हुए, एक बार में केवल 5-6 मिलीलीटर सैनेटाइजर 5 सेकंड के लिए जारी किया जाता है और यह दोनों हथेलियों पर पूर्ण शंकु स्प्रे देता है ताकि हाथों का कीटाणुशोधन ऑपरेशन पूरा हो जाए।

रायोट लैब के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी शिशिर गुप्ता ने बताया, कि हमारी यह इकाई डीआरडीओ भवन, पीएमओ, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, सेना कार्यालयों, सुप्रीम कोर्ट आदि स्थापित हो चुकी है।

लम्बे लॉकडाउन के बाद मारुति सुजूकी में शुरू हुआ उत्पादन

आईएमटी मानेसर यूनिट में शुय कर दिया गया काम

लॉकडाउन के बाद पहली कार बनाकर की पेश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा ही नहीं देश के उद्योग जगत के लिए यह बड़ी खबर है कि ऑटो सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने आईएमटी मानेसर यूनिट में उत्पादन यानी कारें बननी शुरू हो गई है। देशव्यापी लॉक डाउन के दौरान जारी जद्दोजहद के बीच आखिरकार वह दिन आ ही गया जब कंपनी में काम शुरू हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने लॉक डाउन के बाद अपनी पहली कार मैनुफैक्चर की।

कंपनी प्रबंधन ने मंगलवार से अपनी मानेसर ईकाई में उत्पादन शुरू कर दिया है और पहले दिन लगभग 2500 कर्मी प्लांट में काम पर पहुंचे। प्रबंधन का कहना है कि उत्पादन का आज पहला दिन था और कल से कर्मियों की संख्या बढ़ने की आशा है। साथ ही बताया गया कि कंपनी के गुरुग्राम स्थित प्लांट में उत्पादन शुरू करने की तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। गुरुग्राम प्लांट में स्टाफ धीरे-धीरे काम पर लौट रहा है और उत्पादन शुरू करने की दिशा में तैयारियां की जा रही हैं। कोरोना की रोकथाम के लिए देशव्यापी लॉक डाउन के कारण औद्योगिक उत्पादन पूरी तरह ठप था और अब देश की बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा कार उत्पादन शुरू करने से इसकी सहयोगी ईकाइयों में भी उत्पादन शुरू होगा जिससे कर्मियों का फिर से ड्यूटी पर आना शुरू होगा। इससे उनके रोजी रोटी की समस्या का समाधान हो सकेगा।

गुरुग्राम के आईएमटी मानेसर स्थित मारुति सुजूकी प्लांट में लॉकडाउन के बाद बनाई गई पहली कार के साथ कंपनी के अधिकारी।

एक सप्ताह से उत्पादन शुरू करने की हो रही थी तैयारी

जिला प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद पिछले लगभग एक सप्ताह से मारूति कंपनी प्रबंधन अपने श्रमिकों को प्लांट शुरू करने के बारे में सूचित करने के साथ साथ तैयारियों में लगा हुआ था।

बताया गया कि कंपनी ने मारुति सुजुकी वैलनेस मित्रा नामक एक ऐप डेवलप कर अपने सभी श्रमिकों से संपर्क साधा। इस ऐप के माध्यम से श्रमिकों का लोकेशन और उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के साथ-साथ उनकी व्यक्तिगत समस्याओं का डाटा जुटाने के प्रबंध किए गए जबकि उन्हें कंपनी की ओर से आवश्यकतानुसार मदद भी पहुंचाई जा रही है।

इस ऐप के माध्यम से मारुति सुजुकी प्रबंधन ने लगभग अपने सभी श्रमिकों से संपर्क साध लिया है और उन्हें कोरोना की दृष्टि से संवेदनशील रहने को भी कहा जा रहा है। गृह मंत्रालय द्वारा जैसे-जैसे लॉकडाउन में ढील दी गई है, उस पर अमल करते हुए गुरुग्राम जिला प्रशासन ने भी जिला में औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियां चरणबद्ध तरीके से शुरू करने की मंजूरी दे दी है।

कोरोना का कहर: 11 नए पॉजिटिव के साथ 117 पर पहुंचा आंकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार को जहां दस पॉजिटिव आये थे, वहीं मंगलवार को कोरोना के 11 मामले सामने आने से पॉजिटिवों का आंकड़ा 117 पर पहुंच गया। दो दिनों में 21 मरीज सामने आने से स्वास्थ्य विभाग में हडकंप मच गया। आनन फानन में सभी 10 पॉजिटिवों को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया। वहीं एक बच्चे को होम कोरंटाइन किया गया है। फिलहाल सभी के सम्पर्क में आए लोगों का पता लगाया जा रहा है। वहीं एक जमाति और सेक्टर-28 निवासी एक मरीज की रिपोर्ट नेगेटिव आने पर दोनों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

ऐसे आए सामने

डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. राम भगत ने बताया कि मंगलवार को कोरोना के 11 मरीज सामने आए है। जिसमें छह मामले आदर्श नगर बल्लभगढ़ से आए है। यह सभी गत नौ मई को पॉजिटिव आए 24 वर्षीय युवक के सम्पर्क में आए हैं। उन्होंने बताया कि युवक दिल्ली की आजादपुर सब्जी मंडी से आया था, जहां से वह पॉजिटिव हुआ था। वहीं चार पॉजिटिव मरीजों में ऑटोपिन झुग्गी और मुजेसर एरिया के शामिल है। यह सभी गत आठ मई को मुजेसर में सब्जी की दुकान लगाने वाले 38 वर्षीय संजय कालोनी निवासी एक सब्जी विक्रेता के सम्पर्क में आए थे। इसके अलावा दस मई को सेक्टर-62 निवासी जिस 42 वर्षीय कारोबारी को पॉजिटिव घोषित किया गया था। उनका पड़ौसी भी पॉजिटिव आया है। कारोबारी सरूरपुर में अपना कारोबार चलाता है।

यह है पॉजिटिव

सुभाष कालोनी से 25 वर्षीय युवक, हरी बिहार आदर्श नगर बल्लभगढ़ से 24, 12, 34 वर्षीय व्यक्तियों के अलावा एक 34 वर्षीय महिला शामिल है। यह सभी गत नौ मई को पॉजिटिव आए युवक के सम्पर्क में आए थे। वहीं मुजेसर की गली नम्बर दो से 21 वर्षीय युवक के अलावा सेक्टर-28 से 42 वर्षीय व्यक्ति और ऑटोपिन झुग्गी में एक परिवार पॉजिटिव पाया गया है। जिसमें 70 वर्षीय पुरूष, 50 वर्षीय महिला और सात वर्षीय बच्ची पॉजिटिव है। वहीं 42 वर्षीय सेक्टर-62 निवासी एक व्यक्ति को दाखिल किया है।

यह है आंकड़ा

नोडल अधिकारी डा. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 6465 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 1685 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 4776 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 6348 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 5671 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 5325 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 229 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 117 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 53 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा तीन पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 57 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक चार मरीजो की मौत हो चुकी है।

एमएसएमई के लिए बढ़ने वाली हैं और मुश्किलें: प्रभाकर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन फरीदाबाद के महासचिव रमणीक प्रभाकर ने कहा एमएसएमई आर्थिक विकास, नवाचार और रोजगार सृजन के सबसे बड़े संवाहक हैं। भले ही ये आकार में छोटे हों, लेकिन देश की तरक्की में उनकी बड़ी अहमियत है। मौजूदा कोरोना संकट का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव भी उन पर ही पड़ता दिख रहा है, क्योंकि उनके पास बड़ी कंपनियों जितने संसाधन नहीं हैं। चूंकि मांग में लगातार गिरावट जारी है और हाल-फिलहाल सुधार के आसार नहीं दिखते इसलिए इन उद्यमियों के लिए कर्ज की अदायगी से लेकर कर्मचारियों को वेतन देने जैसी जिम्मेदारियों को पूरा करना भी मुश्किल होगा। छोटे उद्यमियों के समक्ष वेतन, बिजली बिल, किराया, कर्ज जैसी समस्याएं मुंह बाएं खड़ी हैं। उन समस्याओं का खाका खींचा जाना बेहद आवश्यक है जिनसे एमएसएमई करीब साल भर तक जूझने को मजबूर होंगे।

लॉकडाउन समाप्ति के कम से कम तीन महीने तक तो ये दुश्वारियां बहुत परेशान करने वाली हैं। तमाम छोटे उद्यमों को इस संकट से भी दो-चार होना पड़ सकता है कि उनके ऑर्डर निरस्त हो जाएं। छोटे उद्यम पीएसयू और बड़ी दिग्गज कंपनियों से भुगतान में लेटलतीफी जैसी समस्याएं भी झेलते हैं। आने वाले महीनों में यह समस्या और विकराल हो सकती है। चूंकि इन इकाइयों में काम करने वाले अधिकांश कामगार अपने गांव-घर की ओर कूच कर गए हैं ऐसे में उन्हें सामान्य कामकाज बहाल करने में लंबा समय लग सकता है। इसी तरह ऑर्डर निरस्त होने, श्रम विवादों, कर्ज के मूल और ब्याज की अदायगी न होने जैसे तमाम कारणों के चलते मुकदमों की भी बाढ़ आ सकती है। मुश्किलों के ऐसे भंवर में फंसे एमएसएमई को उबारने में बैंक और एनबीएफसी भी हिचक दिखाएंगे। ऐसी स्थिति में सरकार से अपेक्षाएं बढ़ना स्वाभाविक है। भारत सरकार को कई मोर्चों पर सक्रियता के साथ कदम उठाने होंगे।

इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड संहिता, 2016 यानी आइबीसी के तहत ऋणदाताओं द्वारा एमएसएमई को उचित रियायत दी जाए ताकि उन्हें संपदा बिक्री में बेहतर हिस्सा मिल सके। उनके खिलाफ आइबीसी में मामला भी दर्ज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ऐसे अधिकांश मामलो में अभी तक समाधान नहीं निकल सका है और अंततः वे संपदा बिक्री की ओर ही बढ़ रहे हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से उपजा संकट एक बहुत बड़ी आपदा है फिर भी विश्वास है कि हम भारतीय इस आपदा को एक अवसर बनाऐंगे।

18 जमातियों को भेजा जेल

फरीदाबाद। जिले के विभिन्न हिस्सों से पुलिस ने 10 इंडोनेशियन नागरिक व 8 फिलिस्तीनी नागरिकों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। यह सभी लॉक डाउन के दौरान अलग अलग जगह पर छुप कर रह रहे थे। इन लोगों ने स्थानीय प्रशासन पुलिस प्रशासन को कोई सूचना नहीं दी थी। इस संबंध में उपरोक्त सभी 18 नागरिकों के खिलाफ थाना सूरजकुंड में दो अप्रैल को फॉरेनर एक्ट व लॉकडाउन आदेशों की अवहेलना करना, बीमारी को छुपाना से संबंधित धाराओं के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था।

बीके अस्पताल में रक्तदान और कैंडल जलाकर मनाया नर्सिंग-डे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके अस्पताल में तैनात नर्सिंग एसोसिएशन की तरफ से नर्सिंग दिवस के मौके पर कोरोना महामारी के चलते रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इससे पहले सभी स्टॉफ नर्सो ने कैंडल जलाकर कोरोना से मुक्ति और पहली नर्स फ्लोररेंश नाइटिंग गिल का जन्मदिवस मनाया। इसके बारे में जानकारी देते हुए नर्सिंग एसोसिएशन की प्रधान और कोविड-19 को लेकर बीके अस्पताल में बने आईसोलेशन की इंचार्ज सविता मदान ने कहा कि नर्सिंग डे पहली नर्स फ्लोररेंस नाइटिंग गिल के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि फ्लोररेंस नाइटिंग गिल का जन्म 12 मई, 1820 को इटली के फ्लोरेंस में हुआ था। उनके पिता का नाम विलियम नाइंटिगेल और मां का नाम फेनी नाइटिंगेल था। विलियम नाइटिंगेल बैंकर थे और काफी धनी थे। परिवार को किसी चीज की कमी नहीं थी। फ्लोरेंस जब किशोरी थीं उस समय वहां लड़कियां स्कूल नहीं जाती थीं। बहुत सी लड़कियां तो बिल्कुल नहीं पढ़ती थीं।

लेकिन विलियम अपनी बेटियों को पढ़ाने को लेकर बहुत गंभीर थे। उन्होंने अपनी बेटियों को विज्ञान, इतिहास और गणित जैसे विषय पढ़ाए। जब वह 16 साल की थीं तो उनका मानना था कि भगवान की ओर से उनको पीड़ित लोगों की मदद के लिए कहा गया है। वह नर्स बनना चाहती थीं जो मरीजों और परेशान लोगों की देखभाल करे। फ्लोरेंस ने अपनी इच्छा अपने माता-पिता को बताई। यह सुनकर उनके पिता काफी नाराज हुआ। उस समय नर्सिंग को सम्मानित पेशा नहीं माना जाता था। लेकिन फ्लोरेंस अपनी बातों पर अड़ गईं। आखिरकार उनके माता-पिता को उनकी बातों को मानना पड़ा। वहीं नर्सिंग डे के मौके पर लगे रक्तदान शिविर में करीब 30 युनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस मौके पर सविता मदान के अलावा स्टाफ नर्स निधी, अंजू, उषा नागपाल, उषा मुंजाल, सुषमा, आरती, सोनम, ज्योति भड़ाना, रजनी, सविता, सुनिता गुप्ता, कमलेश, जसविन्द्र, विनोद, राजरानी इत्यादी सदस्य मौजूद रही।

एफएफआरसी ने मांगी डीईओ से रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

चेयरमैन, फीस फंड रेगुलेटरी कमेटी (एफएफआरसी) कम मंडलायुक्त ने 17 प्राइवेट स्कूलों की प्राप्त 38 शिकायतों पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। एफएफआरसी ने जिला शिक्षा अधिकारी को लिखा है कि उनके पास निजी स्कूलों की कुल 38, शिकायतें प्राप्त हुई है। जिनमें अभिभावकों ने बताया है कि स्कूल प्रबंधक बढ़ाई गई ट्यूशन फीस मांग रहे हैं। तिमाही फीस देने के लिए भी कह रहे हैं। ट्यूशन फीस में कई फंडों को मर्ज कर दिया गया है जिनका ब्रेकअप मांगने पर अभिभावकों को नहीं दिया जा रहा है। स्कूल प्रबंधकों द्वारा यह भी धमकी दी जा रही है कि मांगी गई फीस जमा न कराने पर बच्चों की ऑनलाइन क्लास बंद कर दी जाएगी।

निजी स्कूलों की कुल 38, शिकायतें प्राप्त हुई है

हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने इसे देर से उठाया हुआ कदम बताते हुए कहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी को स्कूल प्रबंधक कुछ नहीं समझते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा भेजे गए अब तक के पत्रों को उन्होंने रद्दी की टोकरी में डाल दिया है। चेयरमैन एफएफआरसी को यह पूरा अधिकार है वे सीधे स्कूलों को नोटिस भेजकर उनसे जवाब मांग सकता है और मनमानी साबित होने पर उनकी मान्यता रद्द करने के लिए प्रिंसिपल सेक्रेट्री शिक्षा को लिख सकता है।

गर्भवती को भेजा ड्यूटी पर, एसएमओं ने लौटाया

फरीदाबाद। ओल्ड फरीदाबाद भीम बस्ती पर तैनात एक मेडिकल अधिकारी ने सात माह की एएनएम को कोरोना महामारी के बावजूद यात्रियों की जांच के लिए रेलवे स्टेशन पर भेज दिया। हाई रिस्क एरिये में एक गर्भवती को ड्यूटी करते देखकर वहां मौजूद बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल के एसएमओं डॉ. मान सिंह और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. एके यादव ने उसे वापस लौटा दिया। जानकारी के मुताबिक भीम बस्ती स्थित उपस्वास्थ्य केन्द्र की एमओ ने केन्द्र में तैनात एएनएम एकता को ओल्ड फरीदाबाद में घरों को लौट रहे मजदुरों की जांच टीम में ड्यूटी लगाकर भेज दिया। टीम जांच में जुट गई। उसी दौरान बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल के एसएमओं डॉ. मान सिंह और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. एके यादव की गर्भवती एकता पर नजर पड़ी, तो देखा कि वह हाई रिस्क में काम कर रही है। जिस पर उन्होंने तुरंत संज्ञान लेते हुए एएनएम को घर लौटा दिया और मेडिकल अधिकारी को उन्हें रेस्ट करने के लिए कह दिया।

मंच ने बांटे मास्क पानी व एनर्जी ड्रिंक

फरीदाबाद। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष विमल खंडेलवाल ने ओल्ड फरीदाबाद सड़कों पर तैनात पुलिसकर्मी एवं रेलवे स्टेशन पर जा रहे प्रवासी मजदूरों को मास्क, पानी एवं एनर्जी ड्रिंक वितरण किया। जब से इस वैश्विक महामारी ने भारत में अपने पांव पसारे हैं सभी के व्यापार, उद्योग धंधे ठप पड़े हैं लोग अपने घरों में बंद है, ऐसी आपातकालीन स्थिति के अंदर अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को प्रत्येक दिन भोजन, मास्क, सुखा राशन, थैलेसीमिया के बच्चों के लिए अभी तक 2 कैंप किए जा चुके हैं आगे भी प्रयास चालू है।

अग्रिम जमानत याचिका खारिज

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सरताज बासवाना की अदालत ने आरटीआई कार्यकर्ता वरूण श्योकंद की तरफ से लगाई गई अग्रिम जमानत याचिका को दोनों पक्षों के वकीलों की दलीले सुनने के बाद खारिज कर दिया है। श्योकंद के खिलाफ बिजली निगम ने पिछले दिनों थाना मुजेसर में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था।

पिछले दिनों थाना मुजेसर पुलिस ने आरटीआई कार्यकर्ता वरूण श्योकंद के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। जिसमें कहा था कि श्योकंद ने गलत कागजातों का इस्तेमाल करते हुए निगम से ठेका लिया था। इस ठेके का वह भुगतान भी ले चुका है।

इस मामले में श्योकंद की तरफ से मंगलवार को अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की गई थी। बिजली निगम की तरफ से अधिवक्ता दीपक गेरा और नरेंद्र पाराशर संयुक्त रूप से पेश हुए थे। जबकि श्योकंद की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता योगश शर्मा पेश हुए थे। योगेश शर्मा ने अदालत को बताया कि यह पुराना मामला है और वरूण श्योकंद साजिश के तहत फंसाया गया है।

जरूरतमंदों को बांटा भोजन व प्रसाद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजीव कालोनी के होली चौक पर जरूरतमंदों को भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश डागर ने अपने साथियों के साथ मिलकर भोजन-प्रसाद बाटा और सभी साथियों ने स्वयं भी अपने हाथो से लंगर प्रसाद वितरित किया।

इस अवसर पर मुकेश डागर ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। उन्होंने कहा कि जबसे लॉकडाउन शुरू हुआ है तभी से हमारी पूरी टीम गरीबों की निस्वार्थ भाव से सेवा कर रही है और आगे भी जब तक लॉकडाउन जारी रहेगा, तब तक हार नही मानेंगी।

उन्होंने कहा कि यह समय पूरे देश को सबसे बड़ा इ तिहान है और इसे हम सभी ने मिलकर पास करना है ताकि देश एक बार फिर विकास की पटरी पर दौड़ सके। इस मौके पर प्रदीप डागर, भगत डागर, सेंकी कटारिया, समशेर रावत, डब्बू प्रधान, जीतू पांचाल, सुरेंद्र शर्मा, मिट्ठू प्रधान, रविन्द्र राघव, विक्की डागर, सुनील, बबलू, रविन्द्र डागर, संदीप सिंधु, मनीष तेवतिया, चन्दर गज्जू, राजू, तेजी बघेल, यशबीर तेवतिया, पवन, जीत रावत, बंटी, शोखर मिंडकोलिया, बजरंग भाई, निक्की सहित कई लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

काली पट्टी बांध सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। सुरक्षा उपकरणों और जायज़ मांगों की प्राप्ति के लिए प्रांतीय कमेटी के आह्वान पर सोशियल डिस्टेंसिंग को मध्य नजर रखते हुए आशा वर्करों ने सीएमओ फरीदाबाद के कार्यालय पर काले बिल्ले लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए सिविल सर्जन के नाम मांगों का ज्ञापन डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. राजेश श्योकंद को सौंपा। सीटू, सर्व कर्मचारी संघ के आहवान पर हुए इस प्रदर्शन को सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल एवं आशा वर्कर यूनियन की जिला प्रधान हेमलता तथा जिला सचिव सुधा पाल ने भी संबोधित किया। अपने संबोधन में नेताओं ने कहा कि राज्य सरकार इस महामारी में विभाग के सभी प्रकार के सर्वे आशा वर्कर से करवा रही है। इस महामारी में जब सब लॉकडाउन के चलते अपने घरों में सुरक्षित है। उस समय में पूरे देश में आशा वर्कर्स अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। इस महामारी में पूरे देश और हरियाणा प्रदेश में आशा वर्कर्स अहम भूमिका निभा रही है। इस महामारी में स्वास्थ्य विभाग के करवाएं जा रहे भांति भांति के स्वास्थ्य संबंधित सर्वे करते हुए कई जगह आशा वर्कर इस महामारी की चपेट में आ गई है और दुख की बात यह है कि केंद्र व राज्य सरकार उनके सुरक्षा व जायज़ मांगों तक का समाधान नहीं रही है। राज्य के सभी स्वास्थ ठेका कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर देश व समाज को इस महामारी से बचाने के कार्य में जुटे हुए हैं। परंतु अभी भी हमें सरकार अपने पे रोल पर लेने के लिए तैयार नहीं है। वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने बताया कि सभी ने अपना काम करते हुए काले बिल्ले लगाए गए है। सभी को तमाम सुरक्षा उपकरण मुहैया करवाए जाएं। सभी वर्कर्स की समय समय पर टैस्टिंग सुनिश्चित हो। सभी वर्कर्स को एक समान रूप से 50 लाख बीमा कवरेज मिले। सभी वर्कर्स को इस दौरान मानदेय/वेतन दुगुना मिले। समान काम समान वेतन मिले।

अटाली गांव के खेल परिसर में एथलीट ट्रैक बना

फरीदाबाद। आर्दश गांव अटाली में राजीव गांधी खेल परिसर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। शिव फुटबॉल क्लब के प्रधान जोगेंद्र, राधाचरण, प्रवीन कौशिक, दीपक ने बताया कि आर्दश गांव अटाली का खेलों में इतिहास रहा है। गांव के युवाओं ने प्रत्येक खेल में अपना लोहा मनवाया है। कब्बडी के खेल में गांव के पहलवानों की पूरे इलाके में अलग पहचान बनाई है। वहीं एथलीट में भूपेंद्र चौधरी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकर देश का गौरव बढाने का काम किया है। फुटबॉल के खेल में गांव के युवा खिलाडियों ने नेशनल स्तर पर खेलकर गांव का नाम रोशन किया है। वहीं पैरा क्रिकेट में हरेंद्र चौधरी ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान कायम की है। देश की सरहदों की रक्षा करते हुए भाई संदीप चौधरी ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए तो वहीं भाई धर्मवीर सैनी ने सीने पर गोली खाकर देश का मान बढ़ाने का काम किया है। गांव के सैकड़ों युवक देश की सीमा पर तैनात होकर देश की रक्षा करने का काम कर रहे है। देश भक्तों व खिलाड़ियों से प्रेरणा लेते हुए गांव के युवाओं का रूझान खेलों व देश की सेवा करने के लिए लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि खेल विभाग की तरफ से खेल परिसर में एथलीट ट्रैक बना दिया गया है। मैदान में हरी घास लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। मैदान में प्रतिदिन पानी लगाने का कार्य किया जाता है। उन्होंने बताया कि खेल परिसर में सैकड़ों की संख्या में युवा दौड़ लगाते है, खेल के साथ साथ सेना व पुलिस में भर्ती होने का पूर्वाअभ्यास करते है। खेल परिसर में समय समय पर खेल की अन्य गतिविधियां करवाई जाती है। जिसके चलते युवाओं को खेलने के अनेक मौके मिल रहे है। वहीं युवा नशे से दूर रहकर अपने देश की सेवा करने का संकल्प ले रहे है।

थर्ड डिग्री देने के विरोध में पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

पुलिस ने बताया झूठा आरोप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस हिरासत में पत्रकार को थर्ड डिग्री देने के खिलाफ जिले के पत्रकारों ने न्यायिक जांच की मांग की मांग करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, मुख्यमंत्री के राजनैतिक सचिव अजय गौड़ एवं जिला उपायुक्त यशपाल यादव को ज्ञापन सौंपा। वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने पत्रकार द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह झूठा करार दिया है।

ज्ञापन के माध्यम से पत्रकारों ने कहा कि न्यूज पोर्टल के मुख्य संपादक पुष्पेंद्र राजपूत के खिलाफ थाना सेंट्रल में जांच किए बिना मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। यह मुकदमा इसलिए दर्ज किया गया था कि राजपूत ने एक फैक्ट्री में मजदूरों को वेतन ना देने व मजदूरों के चेक बाऊंस होने से संबंधित खबर दिखाई थी। फैक्ट्री मालिक ने पुष्पेंद्र राजपूत को पुलिस से मिलीभगत करके षंडयत्र रचकर रिश्वत के झूठे मामले में गिरफ्तार करवा दिया। मुख्य बात तो यह है कि रिश्वत के किसी भी मामले में गिरफ्तारी के समय डयूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति होती है, मगर इस मौके पर ऐसे किसी भी नियम का पालन नहीं किया गया। इसके अलावा हरियाणा सरकार ने स्पष्ट नियम बनाया है कि किसी भी पत्रकार के खिलाफ आने वाली शिकायत पर पहले डीसीपी स्तर के अधिकारी द्वारा जांच की जाएगी। परंतु इस मामले में भी इस नियम को दरकिनार किया गया है। इससे साफ प्रतीत होता है कि यह मामला पूरी तरह से झूठा है। पत्रकारों द्वारा दिए गए ज्ञापन पर केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा एवं जिला उपायुक्त यशपाल यादव ने आश्वासन दिया है कि वह इस प्रकरण की उचित जांच करवाई जाएगी। वहीं दूसरी तरफ पुलिस प्रवक्ता सुबेसिंह ने बताया कि थर्ड डिग्री देने का आरोप सरासर झूठा है। आरोपी के खिलाफ पुख्ता सबूत मिलने के बाद ही कार्रवाई की गई है।

दिल्ली में फंसे थैलासीमिया से ग्रस्त बच्चे को फरीदाबाद में चढ़ाया रक्त

फरीदाबाद। बिहार से आए एक दम्पति का बेटा थैलासीमिया से ग्रस्त था। वह दिल्ली जांच के लिए आये तो, लॉकडाउन के कारण दिल्ली में ही फंस गए। मंगलवार को उन्हें दिल्ली से फरीदाबाद लाकर बच्चे को रक्त चढ़ाया गया।

फाउंडेशन अगैंस्ट थैलासीमिया संस्था के महासचिव रविंद्र डुडेजा ने बताया कि एक थैलीसीमिया ग्रस्त बच्चा जो बिहार का रहने वाला है दिल्ली अपना चेकअप करवाने आया हुआ था और लॉकडाउन कारण दिल्ली में फंस गया। जो अपने किसी रिश्तेदार के यह रुका हुआ है। उन्होंने बताया कि थैलीसीमिया ग्रस्त मरीज़ को निरंतर रक्त की आवश्यकता होती है। परंतु दिल्ली मे अधिकतर ब्लड ट्रान्सफयूजन सेंटर्स को कोरोना वार्ड में तब्दील कर दिया गया है। जिसकी वजह से उक्त मरीज़ को मंगलवार को फाउंडेशन अगेंस्ट थेलासीमिया, ज़िला प्रशासन और रोटरी क्लब आफ फ़रीदाबाद मिडटाउन की मदद से फ़रीदाबाद लाया गया और यहां के सेक्टर-आठ स्थित एक निजी अस्पताल में निशुल्क रक्त चढ़वाया गया।

लॉकडाउन में खिलाड़ी घरों में ही बहा रहे पसीना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में लॉकडाउन को करीब 50 दिन हो गए है। खिलाड़ी घरों में प्रेक्टिस करने को मजबूर हो गए है। जिला एथलेटिक संघ फरीदाबाद के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड ने बताया कि सभी खिलाड़ियों को एक एक सप्ताह की खेल से संबंधित जानकारी भेज दी जाती है और खिलाड़ियों से अभ्यास के वीडियो और फोटो आनलाइन मंगा कर अभ्यास की जानकारी ली जाती है। जिससे खिलाड़ियों ने अपने घरों में ही प्रतियोगिताओं की तैयारी की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कुछ खिलाड़ियों ने अपने घर को ही प्रेक्टिस का मैदान बना लिया है तो कुछ ने अपने पार्क में प्रेक्टिस शुरू की है।

सत्यवीर धनखड़ की माने तो मोहना निवासी राष्ट्रीय पदक विजेता तीरंदाज़ हिमांशी ने लॉकडाउन के समय में अपने घर के मैदान को ही अपना प्रशिक्षण क्षेत्र बना लिया। आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए घर पर ही अथक मेहनत कर रही है। हिमांशी मोहना स्थित एनबीएम स्कूल की छात्रा है। तिगांव निवासी एथलीट अतुल नागर घर पर ही आने वाली प्रतियोगिताओं की तैयारी ही कर रहे हैं। 400 मीटर की धाविका खुशी मंगला लॉकडाउन के समय में घर पर ही योगा और एथलेटिक व्यायाम कर अपने आप को आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए तैयार कर रही है। वहीं ग्यारह वर्षीय खुशी कालीरमन भी अपने घर पर ही 400 मीटर और 600 मीटर दौड की तैयारी कर रही हैं। खुशी के पिता सेना से रिटायर हैं और एयर फोर्स स्टेशन में ड्राइवर हैं। इसके अलावा रावल इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा छः के छात्र आरव डागर राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं और लाक डाउन का पूर्ण पालन कर अपने घर पर ही आने वाली जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे है।

संजय जून ने कोरोना से बचाव के बताये तरीके

फरीदाबाद। आयुक्त संजय जून ने कहा कि कोरोना जैसी परिस्थिति से बचाव के लिए सरकार व जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव इंतजाम किए जा रहे हैं। लॉकडाउन के माध्यम से लोगों को संदेश दिया गया कि वे हर स्थिति में अपने घरों में बने रहें तथा बाहर न आएं व सोशल डिस्टेंसिंग, बार-बार हाथों की सफाई अच्छी प्रकार से करते रहें। यह जागरूकता ही कोरोना से बचाव का तरीक है। आयुक्त ने लघु सचिवालय में बीती सायं पत्रकारों से बातचीत में बताया कि जिला में कोरोना के जो भी पॉजीटिव मामले सामने आएं हैं, वे अधिकतर किसी दूसरे से संपर्क के कारण ही संक्रमित हुए हैं।

अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रयास

वैश्विक महामारी कोविड-19 से पैदा भय दुनिया भर के सभी देशों के लिए अभूतपूर्व चुनौती बनकर सामने आया है। ऐसे में भारत के कुछ राज्यों ने निवेश आकर्षित करने का रास्ता दिखाया है।

संध्या जैन
लेखिका वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

दुनिया भर में कोरोनावायरस के निर्मम प्रसार ने चिकित्सा विशेषज्ञों को आश्चर्यचकित किया है। यह भी निश्चित है कि यह अगले दो से तीन साल हमारे साथ रह सकता है तथा समाज पर इसका दीर्घकालीन प्रभाव सबसे गरीब व इससे थोड़ा ऊपर रहने वाले निम्न मध्य वर्ग के लिए कष्टदायी होगा। लगातार तीन लाकडाउन के बाद भारत इससे होने वाली मौतों को यथासंभव न्यूनतम रखने में सफल हुआ है। इसके साथ ही रोगियों की संख्या में वृद्धि की आशंका के बावजूद अर्थव्यवस्था खोलने के कदम उठाए जा रहे हैं। देश भर की सिविल सोसाइटी यह सुनिश्चित करने के लिए आगे आई है कि शहरों में कोई व्यक्ति भूखा न रहे, कम से कम बेरोजगार श्रमिकों की सभी बस्तियों में दो बार भोजन देने की व्यवस्था की गई तथा जिन लोगों के पास भोजन बनाने की व्यवस्था थी उनको राज्य एजेंसियों ने सूखा राशन दिया। आम मध्यवर्गीय पुरुषों व महिलाओं के असाधारण प्रयास के बिना भारत जैसे बड़े देश में भूख से होने वाली मौतें रोकना असंभव था, पर हमने इसे कर दिखाया है।

लेकिन पिछले कुछ दिनों की घटनाओं से स्पष्ट है कि भारत के गरीब, हाशियाकृत व दिहाड़ी मजदूर रोजगार की बढ़ती अनिश्चितता को देखते हुए भोजन की लाइनों में खड़े होते होते थक गए हैं। किसी धार्मिक अवसर पर पके भोजन के लिए लाइन लगाना अलग बात है क्योंकि समुदाय के साथ भोजन का साझा करना भारतीय परंपरा में गहरे तक अंतर्निहित है, लेकिन दो बार लाकडाउन का विस्तार होने पर कठोर श्रम करने वाले इन लोगों के आत्मसम्मान को ऐसा करने से धक्का लगा। विडंबना है कि कुछ आर्थिक गतिविधियां शुरू होने के साथ ही उनके सुदूर निवासस्थानों तक पहुंचने वाला राज्य परिवहन भी शुरू हो रहा है। दु:ख की बात है कि कुछ लोगों ने अपने घर पहुंचने के लिए पैदल ही चलना शुरू कर दिया, पलायन कर रहे 16 मजदूर महाराष्ट्र में रेलवे पटरी पर ही सो गए और एक मालगाड़ी से रात में कुचल गए। हालांकि, यह किसी की गलती नहीं थी, पर इस घटना से पूरा देश आहत है।

समग्र रूप से देखें तो आर्थिक पूर्वानुमान निराशाजनक हैं। यह बात समझ में आती है कि अनेक छोटे बिजनेस व छोटे विनिर्माता बिना आमदनी के जीवित नहीं रह सकते हैं, पर अनेक समृद्ध संगठनों ने भी छंटनी की घोषणा की है। लेकिन इस निराशा के माहौल में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश व गुजरात ने निवेश आकर्षित करने के लिए बड़े सुधारों की घोषणा भी की है।

भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि उत्पाद मार्केटिंग समिति-एपीएमसी में बड़े परिवर्तन किए हैं जिन्होंने उत्पादक किसान को व्यापार में सर्वोच्च स्थान पर रखा है, जबकि परंपरागत रूप से एपीएमसी में बिचौलिये ज्यादा मुनाफा कमाते थे। अब किसान किसी खरीदार को अधिक मूल्य मिलने पर अपनी फसल बेच सकते हैं और उनको सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी से अधिक मिल सकता है। ऐसे में उनको एमएसपी पाने के लिए मंडी जाने की जरूरत नहीं रहेगी। इससे उच्च गुणवत्ता वाली फसलों के किसानों को लाभ होगा।

मध्य प्रदेश ने निजी मंडियों व व्यापार सुविधाओं, यार्डों व कोल्ड स्टोरेज श्रृंखलाओं की अनुमति भी दी है जो एक लाइसेंस पर राज्य भर में काम कर सकते हैं। ये मंडियां लेनदेन पर केवल एक बार फीस लेंगी तथा दूसरे स्थानों पर किसानों से खरीदी फसलों पर कमीशन नहीं देंगी। सभी मंडियों में चल रही कीमतों को सार्वजनिक किया जाएगा। हालांकि, मंडी टैक्स दरें अभी बनी हुई हैं और किसानों को बिक्री की कुछ कीमत अदा करनी पड़ेगी, पर नए नियमों से कृषि उत्पादक संगठनों-एफपीओ को बढ़ावा मिलेगा। एलेक्ट्रानिक खुदरा सुविधा से किसानों को राज्य के बाहर भी खरीदार तलाशने में सुविधा मिलेगी। इसी दृष्टिकोण से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2016 में ही इस उद्देश्य से ई-नेशनल कृषि बाजार या ई-नाम शुरू किया था।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य में उद्योगों को आकर्षित करने के लिए अगले तीन साल तक श्रम कानून स्थगित कर दिए हैं। उन्होंने विभागीय जांचों व कागजी कामकाज घटा कर 'इंस्पेक्टर राज' समाप्त किया है तथा फैक्ट्रियों को अधिकतम उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए शिफ्ट व्यवस्था की अनुमति दी है। मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल इम्प्लायमेंट पर्मानेंट आर्डर एक्ट, 1961 में इस सीमा तक परिवर्तन किए गए हैं कि 100 कामगारों को काम देने वाली फैक्ट्रियां इस कानून के प्राविधानों से बाहर होंगी। सभी नई फैक्ट्रियों को फैक्ट्रीज़ एक्ट, 1948 के प्राविधानों से बाहर रखा जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी आक्रामक रूप से निवेश आकर्षित करने के लिए उत्तर प्रदेश में श्रम कानूनों को तीन साल अस्थाई रूप से स्थगित रखने का अध्यादेश पेश किया है। इसका प्रभाव पुरानी व नई औद्योगिक इकाइयों पर पड़ेगा। राज्य को उम्मीद है कि इससे उन उद्योगों को आकर्षित करने में सहायता मिलेगी जो कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण चीन से बाहर जाना चाहती हैं। इससे लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था पुनर्जीवित करने में भी सहायता मिलेगी। लेकिन यह स्पष्ट किया गया है कि बांडेड लेबर एक्ट, 1976, इम्प्लाई कंपेनशेसन एक्ट, 1923, बिल्डिंग एंड अदर कान्स्ट्रक्शन वर्कर्स एक्ट, 1996, मैटरनिटी एक्ट, ईक्वल रिम्यूनरेशन एक्ट, चाइल्ड लेबर एक्ट तथा पेमेंट आफवेजेज़ एक्ट की धारा 5 जैसे महत्वपूर्ण प्राविधान बनाए रखे जाएंगे। लेकिन इन्फोर्समेंट शाखा को छोटे-मोटे मामलों में फैक्ट्री परिसरों पर छापे मारने का अधिकार नहीं होगा।

गुजरात ने राजस्थान का रास्ता नहीं अपनाया है जिसने 300 कामगारों से कम वाली फैक्ट्रियों को अपनी इच्छा से छंटनी का अधिकार दिया है। हालांकि, उसने विशेष आर्थिक क्षेत्रों-एसईजेड में सरकारी अनुमति के बिना मजदूरों की छंटनी के अधिकार दिए हैं, भले ही उनमें कामगारों की संख्या चाहे जो हो तथा उसने 2015 में छंटनी किए जाने वाले कामगारों को 45 दिन के बजाय 60 दिन का वेतन देने के आदेश भी दिए थे। गुजरात ने न्यूनतम वेतन कानून में 'सेवायोजक' की परिभाषा भी बदली है तथा इसमें अन्य के साथ आउटसोर्सिंग एजेंसियों व ठेकेदारों को ठेका श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी देने के प्राविधान किए हैं।

राज्य नए निवेश आकर्षित करने की दौड़ में शामिल है और उसने इसके लिए श्रम कानूनों से 1,200 दिन छुट्टी की घोषणा की है जिनमें मिनिमम वेजेज़ एक्ट, इंडस्ट्रियल सेफ्टी रूल्स तथा इम्प्लाईज़ कंपेनशेसन एक्ट शामिल नहीं हैं। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने नए उद्योग स्थापित करने की अनुमति पूरी तरह आनलाइन कर दी है, इसकी अनुमति 15 दिन में मिल जाएगी तथा सात दिनों में भूमि आबंटित हो जाएगी। इन कदमों के पीछे जापान, अमेरिका, कोरिया व यूरोप के उन उद्योगों व बहुराष्ट्रीय निगमों को आकर्षित करने का उद्देश्य है जो चीन से हटना चाहती हैं।

गुजरात ने पहले ही खोराज, सानन्द, दाहेज एसईजेड, धोलेरा एसईजेड व निजी एसईजेड में इनके लिए लगभग 33,000 हेक्टर जमीन छोड़ दी है। उसने फैक्ट्रियों के लिए कागजी कामकाज सीमित कर केवल एक रिटर्न योजना लागू की है। इसके साथ ही उसने इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट एक्ट, मिनिमम वेजेज़ एक्ट, पेमेंट आफबोनस एक्ट, कांट्रैक्ट लेबर एक्ट, पेमेंट आफ ग्रेचुअटीज़ एक्ट, मोटर ट्रांसपोर्ट वर्कर्स एक्ट, ईक्वल रिम्यूनरेशन एक्ट तथा बीड़ी सिगार वर्कर्स एक्ट के अंतर्गत अपराधों को समेकित कर समय बचाने तथा ज्यादा जुर्माने पर अदालतों के बाहर समझौते के प्राविधान भी किए हैं।

भारतीय मजदूर संघ-बीएमएस तथा अन्य श्रम यूनियनों को चिन्ता है कि राज्य इनका प्रयोग उद्योगों को सशक्त बनाने के लिए कर रहे हैं, लेकिन इनसे मजदूरों के अधिकार छिन सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि ऐसे समय जब 100 मिलियन लोग बेरोजगार हैं, कर्मचारी कल्याण योजनाओं व विवाद निपटान व्यवस्थाओं के अभाव में ऐसे कदमों से आर्थिक पुनर्जीवन नहीं होगा तथा श्रम उत्पादकता घट सकती है।

लेकिन केन्द्र सरकार पूरे जोश के साथ इन सुधार उपायों का समर्थन कर रही है क्योंकि उद्योग लंबे समय से इनकी मांग कर रहा था। वास्तव में कन्फेडरेशन आफइंडियन इंडस्ट्री ने फौरन इन कदमों का स्वागत किया है, हालांकि केवल आने वाला समय ही बताएगा कि क्या ये कदम अर्थव्यवस्था को गति देने में सफल होंगे।

रेलवे का सराहनीय कदम

ट्रेनों का संचालन प्रारम्भ

लंबे लाकडाउन तथा धीरे-धीरे शिखर पर पहुंचती बीमारी ने भारत को असीम नुकसान पहुंचाया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य चिन्ता का विषय बना हुआ है, लेकिन लाकडाउन के कारण पैदा निराशा और थकावट के कारण कानून का उल्लंघन बढ़ा है तथा लोग अपना धैर्य खो रहे हैं। अर्थव्यवस्था के सामने इसे खोलने के सिवा और कोई विकल्प नहीं है। इससे बीमारी बढ़ने की आशंका है, लेकिन इसके साथ ही हजारों लोगों के बेरोजगारी से मरने और राजस्व बिल्कुल समाप्त होने का खतरा भी है। इस कारण मूलत: सरकार एक दुहरी रणनीति पर चल रही है। इसमें श्रमिकों व लोगों का आवागमन सुनिश्चित कर परियोजनायें व विनिर्माण शुरू करना तथा परीक्षण को याह सोच कर ज्यादा महत्व देना शामिल है कि बीमारी की जल्दी पहचान कर वायरस के प्रसार पर लगाम लगाना संभव होगा। इसमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण नागरिकों से संवाद है ताकि वे जिम्मेदारी से वायरस के साथ रह सकें, आवागमन में सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का कठोरता से पालन करें तथा सुशासन व अर्थव्यवस्था की प्रगति में सहयोग करें। इस कारण सरकार सुनियोजित तरीके से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था खोल रही है जिसकी शुरुआत लंबी दूरी की एसी ट्रेनों से हुई है। अभी केवल मालगाड़ियां तथा 'विशेष श्रमिक' गाड़ियां चल रही थीं। इंटरसिटी एसी कोच यात्रा का उद्देश्य स्पष्ट रूप से राजस्व बढ़ाना तथा आवश्यक बिजनेस व पारिवारिक मामलों को महत्व देना है। हालांकि, इसमें एक भावनात्मक तत्व भी शामिल है कि सबको अनदेखा किया गया है तथा संकट के समय दूर रह रहे अपने परिवार से मिलने की इच्छा पर लगाम लगाना है। ट्रेन यात्रा के नए प्रारूप से अन्य सार्वजनिक परिवहन व्यवस्थाओं के बारे में कुछ संकेत मिलते हैं। ई-बुकिंग व क्यूआर कोड वाले टिकटों को महत्व मिलेगा। काउंटर से टिकट या प्लेटफार्म टिकट नहीं मिलेंगे। यात्रियों का ट्रेन रवाना होने से 90 मिनट पहले पहुंचना होगा तथा पूरे समय फेसमास्क पहनने के साथ ही स्क्रीनिंग करानी होगी। यात्रियों को सोशल डिस्टेंसिंग के अन्य मानकों का पालन भी करना होगा तथा उनको अपना भोजन व बिस्तर ले जाना होगा।

नई दिल्ली से चलने वाली 15 जोड़ी ट्रेनें देश के सुदूर भागों को एक दूसरे से जोड़ेंगी, पर यह समुद्र में एक बूंद की तरह है। रेलवे रोज 20,000 से अधिक ट्रेनें चलाता था जो देश भर के 7,349 स्टेशनों पर पहुंचती थीं। आने वाले समय में 'श्रमिक विशेष' ट्रेनों के साथ ऐसी क्वरेंटाइन ट्रेनों में कोचों की संख्या भी बढ़ेगी। रेलवे कई सप्ताह से इसकी पहले से व्यवस्था कर रहा था क्योंकि इसमें प्लेटफार्मों पर भीड़ रोकने के लिए रेलवे पुलिस की उपस्थिति व लोगों द्वारा अनुशासन का पालन सुनिश्चित करना शामिल है। इसके साथ ही डिब्बों का लगातार सेनिटाइजेशन व एयर डक्ट की सफाई शामिल हैं।

भारत की परिवहन व्यवस्था उसकी जीवनरेखा है। देश को पुन: गति देने के लिए ट्रेनें, बसें व विमान चलाना आवश्यक है। इससे सामान्य स्थिति की भावना पैदा करने में भी सहायता मिलती है। ग्रीन व आरेंज जोनों में स्थानीय बसें व ट्रेनें फिर शुरू हो सकती हैं। दुर्भाग्य से भारत के अधिकांश बड़े शहर कोविड-19 के हाटस्पाट हैं, लेकिन समुचित सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की भी आवश्यकता है। ऐसे में माइक्रो-ज़ोन स्थापित कर कुछ सुरक्षित क्षेत्रों में थोड़े आवागमन की अनुमति हो सकती है। यहां तक कि उड्डयन क्षेत्र भी अपनी तैयारी शुरू कर सकता है। शुरुआत में केवल 25 प्रतिशत क्षेत्र खोले जा सकते हैं जहां उड़ान का समय दो घंटे से कम हो तथा कैटरिंग सेवा की जरूरत न हो। उड़ान भरने वाले लोगों के लिए आरोग्य सेतु एप जरूरी हो सकता है जो कोविड-19 रोगियों की पहचान सुनिश्चित करेगा। लेकिन ट्रेन यात्रियों के लिए इसे स्वैच्छिक रखना होगा क्योंकि दूसरी व तीसरी श्रेणी में सभी यात्रियों के पास स्मार्टफोन होना जरूरी नहीं है। दुनिया भर के देश लाकडाउन खोल रहे हैं, लेकिन अभी बिजनेसमैनों व पर्यटकों के लिए सीमायें खुलने में महीनों लगेंगे। लाकडाउन खोलना सरकारों, नौकरशाहों व जनता के लिए भी आसान नहीं है। लेकिन इसके हटाने के साथ ही हमें सुरक्षा पर ध्यान देना होगा। निश्चित रूप से हमें लाकडाउन से मिली उपलब्धियां बचाए रखनी होंगी।

मंदी से निपटने के लिए नोट छापना लाभकारी

> **केंद्र को जीडीपी के लगभग 10 प्रतिशत का बड़ा पैकेज लेकर आना चाहिए जो कोविड-19 से आहत अर्थव्यवस्था को उबारने में मददगार हो सकता है।**

प्रदीप एस चौहान
(लेखक आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय तथा पेरिस स्कूल आफ इकोनामिक्स में फेलो हैं)

यद्यपि भारत लाकडाउन के पश्चात धीरे-धीरे अपनी अर्थव्यवस्था को खोल रहा है, गिरावट में सुधार पर भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। इसलिए, अर्थव्यवस्था को लेकर संकीर्ण रूप से सकारात्मक रहना एवं समय रहते लोक नीति हस्तक्षेप करने के लिए स्थिति का विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है। दुनियाभर के अर्थशास्त्री एवं वित्त विशेषज्ञों का मानना है कि मात्रात्मक सहजता के लिए नोट छापने से उपभोक्ता मांग पैदा होगी, नई परियोजनाओं का आगाज़ हो सकेगा, बिजनेसों एवं कार्यबल को सहयोग मिलेगा। अमेरिका, यूरोप, जापान, तुर्की एवं इंडोनेशिया मुद्रा छाप रहे हैं एवं अपनी अर्थव्यवस्थाओं को वापस सामान्य स्थिति में लाने के लिए उपाय कर रहे हैं। कीनेशियाई देशों के अनुसार राजकोषीय उपायों के तौर पर नोट छापना कारगर होता है, जहां आप खर्च तथा उपभोग बढ़ाते हैं, जो आमदनी बढ़ने का कारण बनता है। प्रत्येक अर्थव्यवस्था में मल्टीप्लायर का अपना मूल्य होता हे, जो उपभोग के मल्टीप्लायर के बराबर आय को बढ़ाता है। ऐसे में नोटों छापने की बात समझने एवं उसका सुझाव देने के लिए गुणक की कार्य प्रणाी को समझना महत्वपूर्ण होता है।

मल्टीप्लायर की अवधारणा को आर्थिक सिद्धांत में सर्वप्रथम औपचारिक रूप से 1931 में आरएस काह्न द्वारा लागू किया गया था फिर उसे वर्ष 1936 में केनीज ने भी अपनाया था। केनीस-काह्न मल्टीप्लायर का कहना है कि यदि सरकार का खर्च एक इकाई बढ़ता है, तो वह कुल मांग में एक इकाई से अधिक की बढ़ोतरी में रूपांतरित होता है। खर्च का शुरुआती चक्र खर्च के आगे अन्य चक्रों को बल प्रदान करता है जिससे कि अंतत: निर्गत पर पड़ने वाला प्रभाव खर्च में मूल बढ़ोतरी के मल्टीप्लायर टाइम्स के बराबर होता है।

सरकारी व्यय डीजी और उपभोग की अत्यल्प प्रवृत्ति- एमपीसी में शुरुआती वृद्धि के लिए, निर्गत में बदलाव- डीवाई के टाइम्स डीजी होता है, जहां के वित्तीय मल्टीप्लायर है और (के =1/1- एमपीसी) बंद अर्थव्यवस्था की धारणा के अंतर्गत। वित्तीय मल्टीप्लायर का मूल्य खर्च के विभिन्न चक्रों के द्वारा निर्गत पर संग्रहीत प्रभाव होता है। एक व्यक्ति के उपभोग का अर्थ होता है दूसरे व्यक्ति की आमदनी।

मान लीजिए सरकार नोट छापने के द्वारा 1 लाख करोड़ रुपए खर्च करती है और अर्थव्यवस्था का एमपीसी 0.75 है, मल्टीप्लायर का मूल्य चार होगा। इसका अर्थ है कि 1 लाख करोड़ का खर्च, आमदनी 4 लाख करोड़ तक बढ़ जाएगी यदि अन्य अनुमान पूरे हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, यह केवल यहीं नहीं रुक जाती और सुपर मल्टीप्लायर भी काम करेगा। एक ऐसी स्थिति में जहां निवेश स्वयं आय में वृद्धि से निर्धारित होता है, हमारे पास वो है जिसे 1943 में लैंग ने कंपाउंड मल्टीप्लायर कहा था और 1950 में हिक्स ने सुपर मल्टीप्लायर की संज्ञा दी थी। अवधारणात्मक रूप से मल्टीप्लायर और सुपर मल्टीप्लायर के बीच अंतर होता है जो संवर्धक-ए के द्वारा निवेश पर बढ़े खर्च के प्रभाव को सम्मिलित करता है। हालांकि, जब हम वित्तीय चरों में बदलावों के कुल प्रभाव के मूलानुपाती आंकलन के बारे में बात करते हैं, हम आमतौर से सुपर मल्टीप्लायर के सम्मिलत प्रभाव को ध्यान में रखते हैं। यह आगे आय तथा रोजगार को कई गुना बढ़ा देता है जो भारतीय अर्थव्यवस्था में पूंजी-निर्गत अनुपात पर निर्भर करता है। मान लीजिए कि त्वरण का मूल्य पुन: तीन है, तो यह आय को कई गुना बढ़ा देगा क्योंकि ए का मूल्य जो (ए= एल/वाई), और (के = डीवाई/डीआई) आदि होता है। निवेशकों को कुल मांग में वृद्धि के साथ समाहित भी किया जा सकता है। भारत सरकार का राजस्व भी आय तथा रोजगार में वृद्धि के साथ बढ़ेगा।

खर्च कम करने पर वित्तीय मल्टीप्लायर नकारात्मक रूप से काम करेगा, जो वर्तमान समय में नौकरियों के बड़ी संख्या में जाने एवं वेतनों में कटौती के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में हो रहा है। इसका अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, जो पहले से ही संकट के दौर से गुजर रही है। अत:, सरकार को ऐसे उपाय नहीं करने चाहिए जो उपभोक्ता खर्च को घटाते हों।

आलोचक कहेंगे कि नोट छापने से कीमतें बढ़ेंगी। ठीक है, अर्थव्यवस्था भारी अवस्फीति से गुजर रही है और अर्थव्यवस्था के कुछ हद तक तेज होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, ब्याज दरें उत्पादन की लागत घटाने के लिए गिर रही हैं। संक्षेप में, मल्टीप्लायर प्रभाव ज्यादा होगा जब कुछ शर्तें पूर्ण होंगी। घरेलू वस्तुओं एवं सेवाओं पर अतिरिक्त आय खर्च करने की सहज प्रवृत्ति ऊंची है, अतिरिक्त आय पर मामूली कर की दर निम्न है, उपभोक्ता आत्मविश्वास अधिक है और बिजनेसों में मांग पूर्ण करने के लिए उत्पादन बढ़ाने की क्षमता है। आयातों के रूप में होने वाला लीकेज पहले से ही कम है, जो मल्टीप्लायर को अधिक प्रभावी बनाता है।

मात्रात्मक सरलता जनता को धन के बल पर चीजं खरीदने एवं अर्थव्यवस्था को बल प्रदान करने के लिए सशक्त बनाने हेतु ''हेलीकाप्टर धन'' सृजित करने में मदद करेगी। 2008 के संकट के दौरान ओबामा ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए ऐसा ही किया था। इस अवधारणा को हमारे लिए ''ड्रोन ड्राप मनी'' में पुन: आविश्कृत किया जा सकता है। पैसा सीधे व्यक्ति को जाना चाहिए। डीडीएम और ''हेलीकाप्टर धन'' में अंतर यह होता है कि कोविड-19 के दौरान, आप काफी हद तक सार्वजनिक कार्यों में खर्च का विकल्प नहीं चुन सकते। नोट छापने के लिए यह सबसे अच्छा समय है और इसकी आवश्यकता भी है। उपभोग को आगे और बढ़ाने के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में कटौती की जानी चाहिए, जिससे लाफर वक्र के अनुसार कर राजस्व बढ़ेगा। वर्तमान संकट के दौर में, हर किसी को सहयाग चाहिए। कमजोर तबके के लोगों को नकद हस्तांतरण की आवश्यकता है। बड़ी कम्पनियों को तरलता पर सहयोग की जरूरत है। छोटी कम्पनियों को कंगाली से संरक्षण चाहिए। वे देश जो समय रहते उपाय कर लेते हैं वे अर्थव्यवस्था के पुनरुत्थान में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। केंद्र को जीडीपी के लगभग 10 प्रतिशत का बड़ा पैकेज लेकर आना चाहिए जो कोविड-19 से आहत अर्थव्यवस्था को उबारने में मददगार हो सकता है। लाकडाउन खत्म होने के पश्चात यह वी आकार का पुनरुत्थान हो सकता है।

आप की बात

लॉकडाउन के बाद

हमारे देश ने कोरोना महामारी के पहले भी अनेक संक्रामक रोगों का दंश झेला है। इनमें चेचक, हैजा, टीबी, स्वाइन फ्लू, आदि प्रमुख हैं। इन रोगोको हमनेहमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता और वैक्सीन के बलबूते पर मात दे दी। कोरोना जैसी विश्वव्यापी महामारी का प्रकोप भी दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले में हमारे यहां काफी कम रहा है। सरकार द्वारा सही समय पर लिया गया लॉक डाउन का निर्णय और कोरोना वारियर्स की समर्पण शीलता और सेवा भाव ने संक्रमण के विस्तार को रोकने में अपना अहम योगदान दिया है। लॉक डाउन खुलने के बाद जनता को संयम, धैर्य, समझदारी और जागरूकता के साथ स्वास्थ्य संबंधी नियमों का पालन करना होगा। जिसमें सबसे महत्वपूर्ण फिजिकल डिस्टेंस को मेंटेन करना है। रेल, बस, मॉल , सिनेमा घर, दुकानें, शासकीय कार्यालय, रेलवे एवं बस स्टैंड तथा फैक्ट्रियों और कारखानों में व्यक्तियों के बीच निश्चित दूरी को बनाए रखना आसान नहीं होगा। सरकार को इस हेतु नीति निर्धारण करना चाहिए एवं तत्परता पूर्वक उसका पालन हो यह भी सुनिश्चित करना चाहिए। संक्रमण के समूल उन्मूलन एवं सुरक्षित जीवन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अलर्ट रहना होगा।

– **ललित महलकरी,** इंदौर

जहरीली गैस का रिसाव

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से नजदीक के एक गांव में दक्षिण कोरियाई कंपनी एलजी पॉलिमर में बीते बुधवार को सुबह-सुबह` स्टाइरीन नामक एक अत्यंत बिषैली गैस के अचानक हुए रिसाव से समाचार पत्रों की सूचना के अनुसार लगभग दर्जन भर लोग,जिनमें अधिकांशत: मजदूर और आसपास के गांवों के ग्रामीण लोग हैं,असमय मौत के मुंह में चले गये हैं। समाचार पत्रों के अनुसार बहुत से पालतू पशु भी अपने खूंटे से बंधे ही मृत पाए गए हैं। भारत में यह कोई नई बात नहीं है 1984 में भोपाल में सुबह-सुबह ही एक अमेरिकी कम्पनी में भी लापरवाही से हुए गैस रिसाव से सरकारी आंकड़ों के अनुसार साढ़े तीन हजार बेकसूर लोग मारे गए थे। वैसे प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भोपाल गैसकांड में मृतकों की संख्या बहुत ज्यादा थी। विदेशों में इस प्रकार की जहरीली गैस बनाने वाली कम्पनियों में हादसे की स्थिति में बहुत कड़े कानूनभारी जुर्माने और मुआवजे राशि का प्रावधान है। जिससे वहां सुरक्षा के मामले में बहुत सावधानी बरती जाती है। इसके ठीक विपरीत भारत में इस प्रकार की मानव जीवन के लिए अत्यंत खतरनाक औद्योगिक ईकाइयों में सुरक्षा मानकों की घोर लापरवाही की जाती है।

– **निर्मल कुमार शर्मा,** गाजियाबाद

शराब नहीं किताबों की दुकानें खोलें

महामारी कोरोना के दौरान जहां पूरा विश्व आर्थिक संकटों से जूझ रहा वहीं भारत भी इन्हीं स्थितियों के घेरे में फंसा है। लगभग डेढ़ महीने के लॉकडाउन से पूरे देश के सभी प्रतिष्ठान, संस्थान, दुकानें, स्कूल, बाजारों आदि में तालाबंदी है पूरा देश सोशल डिस्टेंसिंग अपना रहा है। परन्तु अर्थव्यवस्था और राजस्व घाटे में जाते देख सरकारों ने शराब की दुकानों को खोलने का निर्णय ले लिया शायद सरकारें भूल गयीं थी कि पीने वालों की संख्या कम है। शराब के ठेकों की जगह यदि जरूरी चीजों व कापी किताबों की दुकानों को खोलने का निर्णय लिया जाता तो देश में शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों को काफी हद तक सहारा मिलता क्योंकि सभी विद्यार्थी शहरों से अपने घरों को चले तो आए परन्तु इतने बड़े लॉक-डाउन की उम्मीद किसी को न थी जिसके कारण किताबें आदि नहीं ला पाए। छात्र छात्राओं के भविष्य को शायद सरकारें भूल रही हैं। देश की प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था ऐसे ही पूरी चरमराई हुई है। यदि शिक्षा को अहम माना जाए तो देश में पनप रही बेरोजगारी खत्म हो सकती है।

– **अभिनंदन भाई पटेल**, लखनऊ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

हम मिलकर कोरोना से लड़ रहे हैं मगर इसे मानवाधिकारों के हनन, कर्मचारियों के शोषण एवं आवाजों को दबाने का बहाना नहीं बनाया जा सकता।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

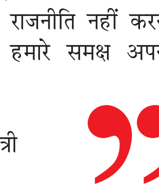

पश्चिम बंगाल में जनसंख्या अनुपात के सापेक्ष परीक्षण की दर बहुत नीची है और मृत्यु दर 13.2 प्रतिशत अर्थात बहुत ज्यादा है।

– **केंद्रीय गृह सचिव**
अजय भल्ला

हम वायरस को मात देने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। केंद्र को इस मामले में राजनीति नहीं करनी चाहिए। निबटने के लिए हमारे समक्ष अपनी चुनौतियां हैं।

– **ममता बनर्जी**
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

सभी जरूरतमंद व पात्रों को दिया जाए राशन कार्ड

हॉटस्पॉट क्षेत्रों के बाहर हार्डवेयर की दुकानों को खोलने की अनुमति दी जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जरूरतमंद और पात्र लोगों को राशन कार्ड दिए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में आने वाले सभी प्रवासी कामगारों, श्रमिकों को चरणबद्ध ढंग से राशन कार्ड उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए। प्रवासी कामगारों, श्रमिकों सहित किसी भी जरूरतमंद के पास राशन कार्ड न होने पर भी उन्हें खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी को भी भोजन अथवा खाद्यान्न की समस्या न होने पाए।

मुख्यमंत्री ने लाकडाउन की समीक्षा करते हुए कहा कि कोरोना पर नियंत्रण में निगरानी समितियों की बड़ी भूमिका है। इसलिए सभी ग्राम पंचायतों तथा शहरी निकायों में वॉर्ड स्तर पर बेहतर सर्विलांस के लिए निगरानी समितियों को सक्रिय किया जाए। निगरानी समितियां होम क्वारंटीन की अवधि में प्रवासी कामगारों, श्रमिकों के सर्विलांस का कार्य करेंगी। निगरानी समितियों के द्वारा यह भी सुनिश्चित कराया जाए कि कोई भी बाहरी व्यक्ति यदि चोरी-छिपे उनके क्षेत्र में आए तो वह प्रशासन को सूचित करें। बाद में निगरानी समितियां वृक्षारोपण तथा खाद्यान्न वितरण में भी उपयोगी भूमिका निभा सकती हैं। निगरानी समितियों के कार्य के लिए एक मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इस समिति में ग्राम प्रधान, ग्राम चौकीदार, आशा वर्कर स्वच्छाग्रही, युवक मंगल दल तथा नेहरू युवा केन्द्र के सदस्यों को शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री ने आगरा, मेरठ तथा कानपुर नगर में लॉकडाउन को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में कुछ स्थानों पर निजी मण्डियों की स्थापना करायी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्वारंटीन सेण्टर, आश्रय स्थलों पर प्रवासी कामगारों, श्रमिकों के नाम, पता, टेलीफोन व दक्षता सम्बन्धी विवरण संकलित करते हुए स्किल मैपिंग का यह कार्य लगातार जारी रखा जाए। प्रभावित हुईं आर्थिक गतिविधियों को बहाल करना आवश्यक है। इसके दृष्टिगत निवेश वृद्धि सम्बन्धी कार्यवाही को गति प्रदान की जाए। राजस्व वृद्धि के दृष्टिगत माइनिंग गतिविधियों में तेजी लायी जाए। हॉटस्पॉट क्षेत्रों के बाहर हार्डवेयर की दुकानों को खोलने की अनुमति दी जाए।

लॉकडाउन को लेकर योगी ने मंत्रियों से मांगे सुझाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर कैबिनेट मंत्रियों के साथ बैठक की और लाकडाउन को लेकर सभी से सुझाव मांगे। इस दौरान मंत्रियों ने चरणबद्ध तरीके से लाकडाउन खोले जाने का सुझाव दिया जबकि कई मंत्रियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि ग्रीन जोन के कई जिलों में कोरोना संक्रमण पाया गया है इसलिए 17 मई के बाद लाकडाउन खोले जाने पर जिलों की व्यापक समीक्षा की जानी चाहिए। बाहर से आ रहे प्रवासी श्रमिको को देखते हुए अधिकांश मंत्रियों का कहना था कि प्रवासी श्रमिको को क्वारंटाइन का समय भी अगले दो हफ्तों में पूरा हो जाएगा। मोची, पंचर जोड़ने जैसी दुकानों पर कम भीड़ होती है इसलिए उसे खोलकर जीवकोपार्जन की व्यवस्था छोटे दुकानदारों की जा सकती है।

● मंत्रियों ने कहा अभी लाकडाउन बढ़ाना चाहिए

बैठक में योगी ने पहले अपनी बात रखी जिसमें उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा अब तक किए गए कार्यो को लेकर बात रखी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्यत: तीन बिन्दु ही चर्चा में रहे जिसमें लाकडाउन कैसे खोला जाए, इंडस्ट्री कैसे फिर से चालू की जाए और मंत्री अपने जिलों की समीक्षा करते रहे। इस बैठक में सभी मंत्रियों की इस बात पर आम राय थी कि लाकडाउन को स्टेप बाई स्टेप खोला जाए। रेड जोन को अभी न खोला जाए बल्कि अन्य ग्रीन जोन को खोलने के लिए धीरे-धीरे लाकडाउन खोला जाए। सूत्रों के अनुसार कुछ मंत्रियों ने कहा कि दुकानों को अलग-अलग श्रेणी में बांट दिया जाए जिसमें हलवाई की दुकानें, जुते, कपड़े की दुकानें या अन्य दुकानों को वर्गीकृत कर लिया जाए। इसके बाद इन दुकानों को खोले जाने का समय निर्धारित किया जाए। हलवाई की दुकानें सुबह खोली जाए और कपड़े या सामग्री की दुकानें दोपहर में खोली जाए। एक मंत्री ने लाकडाउन अभी न खोले जाने की बात कही, उन्होंने कहा कि अभी जिलों में लाकडाउन का और सख्ती से पालन किए जाने की आवश्यकता है। अभी भी जिलों में कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार बैठक में यह भी बात सामने आई कि अभी संक्रमण का खतरा बरकरार है। इसलिए लाकडाउन का सख्ती से पालन करवाते हुए उसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। कम से कम रमजान के महीने तक तो रहना ही चाहिए ताकि एकदम से भीड़ न निकल पड़े। मंत्रियों ने हाटस्पाट छोड़कर कारोबार के नजरिए से जरूरी गतिविधियों को धीरे.धीरे शुरू करने के पक्ष में अपनी बात रखी।

कोरोना संकट को अवसर में बदलने का प्रयास करें: केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर लोगों को समय और परिस्थिति के अनुसार अपनी जीवन शैली बदलने की आवश्यकता है । उन्होंने कहा कि कोरोना संकट को सभी लोग अवसर में बदलने का प्रयास करें। श्री मौर्य मंगलवार को अपने आवास सात कालिदास मार्ग से प्रयागराज के विभिन्न वर्गों व विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संवाद कर रहे थे। विभिन्न संगठनों द्वारा रखी गई समस्याओं का संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक दूरी को बनाए रखने के साथ समस्याओं का यथा संभव समाधान हर हाल में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार

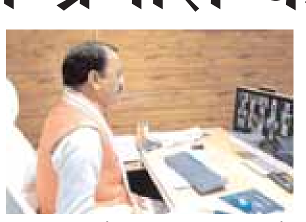

प्रत्येक वर्ग के लिए पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है और हर जरूरी कदम सरकार द्वारा उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की समस्याओं को समझ रही है और पूरी प्रतिबद्धता के साथ जनता के साथ खड़ी है। प्रवासी मजदूरों को काम व रोजगार देने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई प्रवासी मजदूर चोरी छिपे अपने घर न जाय। यदि कोई सीधे अपने गांव में पहुंच रहा है तो पंचायतों के प्रतिनिधि व समितियों के लोग प्रशासन को तत्काल सूचित करें ताकि समय से जरूरी कदम उठाए जा सकें। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के साथ सहज व्यवहार किया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान व्यापारियों की विभिन्न एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने उपमुख्यमंत्री से वार्ता करते हुए अपनी समस्याएं बतायी। उद्यमियों ने बताया कि फैक्ट्री बंद होने पर विद्युत का जो फिक्स्ड चार्ज लगाया जा रहा है, उसको माफ करने पर विचार किया जाए। श्री मौर्य ने कहा कि जिन औद्योगिक संस्थानों को चालू किया जा रहा है ,उनमें प्रवासी स्पेशलिस्ट कामगारों से मदद ली जा सकती है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सभी की समस्याओं का संज्ञान लिया गया है और सरकार द्वारा इस संबंध में गाइडलाइन का पालन करते हुए सकारात्मक व सार्थक हल निकालने का हर संभव प्रयास किया जाएगा ।

भाजपा सरकार हर मुद्दे पर विफल: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के अदूरदर्शी निर्णयों और कामकाज में नियोजन तथा समन्वय के अभाव से कोराना संकट के दौर में समस्याएं कम होने के बजाय बढ़ती जा रही हैं। सम्पन्न लोगों के लिए ट्रेन सुविधा और गरीबों को मंझधार में छोड़ देने की भाजपाई रीतिनीति के चलते लोगों में असंतोष और आक्रोश बढ़ रहा है। मदद तो दूर अब गरीबों और श्रमिकों के प्रति सरकार का रवैया भी अपमान जनक होता जा रहा है। हर दिन रास्तों में जान गंवाने वालों और अस्पतालों में दुर्व्यवहार की शिकार महिलाओं के प्रति सरकार संवेदनशून्य हो गई है। अखिलेश ने कहा कि पीड़ित श्रमिक कामगार यह

समझ गया है कि सरकार के पास न इलाज है और न दवाएं, ऐसी सरकार पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। भाजपा सरकार हर मुद्दे पर विफल है। सरकार की ना कोई नीति है और ना साफ नियत। चारों तरफ घोर अराजकता है। अखिलेश ने कहा कि प्रतापगढ़ में प्रवासी मजदूरों को बस में बैठाते समय उनसे अभद्र व्यवहार एवं लात मारने से मानवता शर्मसार हुई। दोषी कर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार श्रमिकों के हित की बात तो बहुत करती है लेकिन तीन वर्ष के लिए श्रमिकों के अधिकार स्थगित करना क्या संवैधानिक है।

भाजपा व सपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस पार्टी की नीतियों में आस्था एवं विश्वास व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के समक्ष कैण्ट विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी दिलप्रीत सिंह के नेतृत्व में जनपद लखनऊ के भाजपा एवं सपा छोड़कर तमाम पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रमुख रूप से भारतीय जनता पार्टी के कैण्ट विधानसभा क्षेत्र के महामंत्री आलोक सिंह एवं समाजवादी युवजन सभा के समीर श्रीवास्तव तथा ब्रजेश सिंह, सुधीर भारतीय ने अपने साथियों सहित कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

मंत्री मोती सिंह ने मुख्यमंत्री को दिया 3 करोड़ 70 लाख का चेक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह ;मोती सिंहद्ध ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास 5.कालीदास पर उत्तर प्रदेश कोविड केयर फंड्ष् में 3 करोड़ए 70 लाख रूपये का चेक भेंट किया। इस मौके पर ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम विकास राज्य मंत्री आनन्द स्वरूप शुक्ला भी मौजूद थे। ग्रामविकास मंत्री मोती सिंह ने कहा कि ग्राम विकाास विभाग काफी तेजी से श्रमिकों को रोजगार देने में लगा हुआ है। उन्होंन कहा कि श्रमिकों को रोजगार देने में मनरेगा काफी अच्छी भूमि अदा कर रहा है।

सीसीए समेत छह भत्ते हमेशा के लिए समाप्त

● 24 अप्रैल को इन भत्तों को 31 मार्च 2021 तक के लिए किया गया था स्थगित

● हर साल 12 सौ करोड़ की होगी बचत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी के बीच प्रदेश के 16 लाख राज्य कर्मचारियों को बड़ा झटका लगा है। प्रदेश सरकार ने सीसीए समेत 6 भत्तों को अब हमेशा के लिए समाप्त कर दिया है। बीते 24 अप्रैल को राज्य सरकार ने वित्तीय संसाधनों की कमी का हवाला देते हुए 6 भत्तों को 31 मार्च 2021 तक के लिए स्थगित कर दिया था।

वित्त विभाग ने मंगलवार को इन भत्तों को समाप्त करने का आदेश भी जारी कर दिया है। वित्त विभाग के अनुसार सचिवालय भत्ता न्यूनतम 624 और अधिकतम 2000 तथा सीसीए न्यूनतम 340 रूपए से लेकर 900 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। उधर राज्य कर्मचारियों ने इस निर्णय को धोखा बताया है।

सरकार ने जिन भत्तों को समाप्त किया है उनमें नगर प्रतिकर भत्ता, सचिवालय भत्ता, सभी विभागों में तैनात अवर अभियंताओं को हर माह दिए जाने वाला 400 रूपए का विशेष भत्ता, पीडब्ल्यूडी में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को मिलने वाले रिसर्च भत्ता, अर्दली भत्ता तथा डिजाइन भत्ता और सिंचाई विभाग में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए अनुमन्य आईएंडपी तथा अर्दली भत्ता और भविष्य निधि लेखों का रख-रखाव करने वाले कर्मचारियों को दिए जाने वाला प्रोत्साहन भत्ता शामिल है। भत्तों को समाप्त करने से संबंधित शासनादेश अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल ने मंगलवार को जारी किया।

इन भत्तों को समाप्त किए जाने से राज्य सरकार को सालाना करीब 12 सौ करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है। अकेले नगर प्रतिकर भत्ता के भुगतान पर ही 470 करोड़ रुपये सालाना खर्च होता रहा है। कोरोना महामारी को कम करने के लिए वित्तीय संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा समाप्त किए गए भत्ते और जो भत्ते केंद्र सरकार में नहीं हैं उनको राज्य में भी समाप्त किए जाने पर विचार किया गया। जिसके क्रम में राज्य सरकार ने उक्त सभी 6 भत्तों को समाप्त करने का निर्णय लिया है।

पहली अप्रैल 2020 से ये भत्ते देय नहीं होंगे। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि परीक्षण में यह पाया गया कि केंद्र सरकार द्वारा नगर प्रतिकर भत्ता सीसीए को समाप्त किया जा चुका है। केंद्रीय कर्मचारियों के समान ही सम्मानजनक वेतन राज्य कर्मचारियों को दिए जाने की नीति को ध्यान में रखते हुए सीसीए को समाप्त किया जा रहा है। मोटेतौर पर देखा जाए तो एक चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी के वेतन में 500 रूपए से लेकर समीक्षा अधिकारी या अनुभाग अधिकारी के वेतन में करीब सात हजार रूपए की कटौती संभावित है।

कोरोना की आड़ में कर्मचारियों के भत्ते खत्म करना दुर्भाग्यपूर्ण: लल्लू

● सरकार अपने फैसले पर करे पुनर्विचार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि कोरोना की आंड़ में सरकार द्वारा राज्य कर्मचारियों के भत्ते खत्म करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस महामारी में कर्मचारी विशेषकर डॉक्टर, नर्स, टेक्नीशियन, सफाई कर्मचारी, पुलिस, खुफिया विभाग, शिक्षक आदि अपना योगदान दे रहे हैं वही दूसरी ओर प्रदेश सरकार इनके हितों और जीविका को लूटने का काम कर रही है। प्रदेश सरकार कर्मचारियों के 6 प्रकार के भत्ते खत्म करने जा रही है। इसके पहले सरकार ने ये घोषणा की थी कि भत्तों को सिर्फ स्थगित किया गया है। इससे प्रदेश के 16 लाख कर्मचारी प्रभावित होंगे। प्रदेश सरकार अपने इस फैसले को वापस लेने का पुनर्विचार करे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निजी कंपनियों व उद्योगों के मालिकों से ये अपील करती है कि अपने कर्मचारियों का वेतन न काटे और समय से पहले वेतन दे, वहीं दूसरी तरफसरकार द्वारा खुद के कर्मचारियों का हक मारना दुर्भाग्यपूर्ण होगा। लल्लू ने मुख्यमंत्री सहायता कोष को भी सार्वजनिक करने की मांग की।

अमेठी के श्रमिकों के साथ हो रहा भेदभाव

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू एवं कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर गुजरात के अहमदाबाद में फंसे अमेठी के श्रमिकों के साथ भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा श्रमिक अपने घर अमेठी आना चाहते हैं लेकिन गुजरात सरकार उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संस्तुति न मिलने का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दे रही है। लल्लू ने लिखा है कि जिन श्रमिकों ने काफी समय पहले ही घर वापसी के लिए अपना पंजीकरण करवा लिया था उन्हें आज तक वापसी की अनुमति नहीं दी गयी।

यूपी में वेयर हाउसिंग व लॉजिस्टिक्स सेक्टर को मिला उद्योग का दर्जा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

श्रम सुधारों को लागू करने की पहल के बाद राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने का निर्णय किया है। इससे इस क्षेत्र में इकाई व पार्क स्थापना की लागत में महत्वपूर्ण कमी आएगी।

वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक क्षेत्र के लिए नए प्रोत्साहन पर औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक बैठक में इस प्रस्ताव को सहमति प्रदान की है क्योंकि इस क्षेत्र में रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं जिससे कोविड-19 लॉकडाउन के कारण दूसरे राज्यों से लौटने वाले प्रवासी मजदूरों के लिए रोजगार सृजन में सहायता मिलेगी। वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स सेक्टर को उद्योग का दर्जा प्रदान करने से अब उत्तर प्रदेश शीघ्र ही इस क्षेत्र में निवेश के लिए पसंदीदा गन्तव्य के रूप में स्थापित होगा। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त आलोक टण्डन ने कहा कि वर्तमान में कृषि से वाणिज्यिक भूमि-उपयोग परिवर्तन के लिए सर्किल दर का 150 प्रतिशत् शुल्क लिया जाता है जबकि अब कृषि से औद्योगिक भूमि-उपयोग परिवर्तन के लिए सर्किल दर का 35 प्रतिशत् शुल्क लिया जाएगा। इस प्राविधान के बाद उत्तर प्रदेश में वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की इकाइयों और पार्कों पर औद्योगिक भूमि-उपयोग शुल्क लागू होंगे। उन्होंने बताया कि अब वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स इकाइयाँ औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को औद्योगिक गतिविधि के लिए आरक्षित क्षेत्रों के आवंटन और भूमि उपयोग के लिए औद्योगिक दर का 1.5 गुना भुगतान करेंगी जो भूमि की लागत के रूप में इस सेक्टर में इकाइयों की स्थापना की मौजूदा लागत की तुलना में लगभग एक तिहाई हो जाएगा। इस संबंध में राज्य सरकार ने सभी औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को अपने मास्टर प्लान व नियमों में संशोधन करके इस प्राविधान को शीघ्र लागू करने के लिए निर्देशित किया है।

सपा ने दी दो लाख की आर्थिक मदद

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर सभी मेहनतीए समर्पित एवं हर हाल में संयमित भाव से सेवा करने वाली महिला एवं स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने कोरोना संक्रमण के चलते अपनी जान गवाने वाले आगरा के पत्रकार पंकज कुलश्रेष्ठ के परिवार के साथ संवेदना जताते हुए कहा है कि समाजवादी पार्टी उनके साथ खड़ी हैं। समाजवादी पार्टी ने उनके परिवार को 2 लाख रूपये की आर्थिक मदद भी दी है।

फैसले पर पुनर्विचार करे सरकार: सचिवालय संघ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य कर्मचारियों ने कहा है कि सरकार अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। सचिवालय संघ के अध्यक्ष यादवेंद्र मिश्र का कहना है राष्ट्रीय आपदा में कर्मचारी आर्थिक सहयोग प्रदान करने में पीछे नहीं है। मंहगाई भत्ते की फ्रीजिंग पर उसे अधिक आपत्ति नहीं थी किंतु 6 भत्तों को हमेशा के लिए समाप्त करने से कर्मचारी जगत में काफी नाराजगी है।

वित्त विभाग के अधिकारी सरकार और कर्मचारी संगठनों को आमने सामने करने से बाज नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार में दिए जा रहे भत्तों की समानता तो आज तक नहीं दी गई। इसके अभाव में जो भत्ते उत्तर प्रदेश में दिए जा रहे थे और जिन्हें मार्च 2021 तक स्थगित कर दिया गया था उसे ही समाप्त कर दिया गया। यदि सरकार की नियत ठीक होती तो वह केंद्र से उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों की समानता करते हुए भवन किराया भत्ता, परिवहन भत्ता, शिशु शिक्षा भत्ता की समानता प्रदान करती। भत्तों को खतम करने में कोविड और केंद्र की समानता का आधार बनाया जाना समझ से परे है। सचिवालय के कर्मचारी संघ प्रदेश के अन्य संगठनों के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ आंदोलन की रणनीति पर विचार करने जा रहे हैं। उप्र बिजली मज़दूर संगठन के प्रांतीय महामंत्री सुहेल आबिद और महामंत्री अमिताभ सिन्हा ने आपात कालीन ऑनलाइन बैठक का अवाहन किया। जिसमें उन्होंने अभी पिछले सप्ताह ही उप्र सरकार ने कई प्रमुख श्रम कानूनों को भी 3 साल के लिए निलंबित कर दिया जो मज़दूरों के लिए एक कुठाराघात जैसा साबित हुआ था। इससे वह उबर भी न पाए के इन भत्तों को समाप्त करने वाला काला कानून बना कर मज़दूरों के पेट पर एक और प्रहार किया है। इस समय सभी कर्मचारी कोविड 19 से लड़ रहे है। मुख्यत: बिजली कर्मचारी जो कि आज के आधुनिक व्यावस्था कि धुरी है। सुहेल आबिद ने कहा कि वर्तमान सरकार संगठित व असंगठित क्षेत्रों के मज़दूरों को बंधुवा मज़दूर बनाने पर तुली हुई है। इसलिए हमारा संगठन सभी मज़दूरों को न्याय दिलाने के लिए एक आंदोलन छेड़ेगा और ज़्यादा से मज़दूरों को अपने साथ जोड़कर उन्हें न्याय दिलाएगा। इसके लिए यही संगठन को न्यायालय भी जाना पड़े तो जाएगा।

अब तो सड़क पर उतरने को मजबूर कर रही सरकार: हरिकिशोर तिवारी

लखनऊ। राज्य सरकार द्वारा कुछ दिनों पूर्व राज्य के कर्मचारियों एवं शिक्षकों को वर्षो के संघर्ष के बाद दिये जाने वाले भत्तों को पहले कुछ दिनों तक स्थगित रखने फ्रि उन्हें अचानक समाप्त किये जाने के निर्णय पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने गहरा आक्रोष जताया है। इससे पूर्व श्रम कानून में बदलाव जैसे निर्णय को परिषद की तरफसे अमानवीय निर्णय बताया गया। परिषद के अध्यक्ष इं हरिकिशोर तिवारी और महामंत्री शिवबरन सिंह यादव ने कहा कि एक तरफ सांसदों के भत्तों पर बढ़ोत्तरी की जा रही है दूसरे तरफ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कोरोना वारियर्स के भत्तों मे कटौती कर सरकार दोहरा मापदण्ड अपना रही है। ऐसे में अगर लॉकडाउन की समाप्ति पर कर्मचारी समाज सड़क पर उतर जाए तो कोई अतिश्योक्ति न होगी। हरिकिशोर तिवारी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पहले कहा कि हम कोई भी वेतन में कटौती नहीं करेंगे। फ्रि कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जो किया जाएगा वही करेंगे और अंत में अभी फि लहाल राज्य कर्मचारियों के 6 भत्तों पर सिर्फ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रोक लगाई और अब ये भत्ते हमेशा के लिए समाप्त कर दिए।

19 को काला फीता बांधकर विरोध जताएंगे कर्मचारी

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कर्मचारियों को मिल रहे 6 भत्ते पूरी तरह समाप्त करने पर कड़ा एतराज जताते हुए कहा कि ऐसे निर्णय कर्मचारियों के साथ सौतेलेपन का प्रतीक है, पूर्व में इन भत्तों को स्थगित किया गया था जिसका कर्मचारियों द्वारा विरोध किया गया था। फैसले के विरोध में 19 मई को कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर विरोध जताने का निर्णय लिया है।

भत्ते समाप्त करने का कदम हतोत्साहित करने वाला: रालोद

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्र नाथ त्रिवेदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा राज्य कर्मचारियों के भत्तों को समाप्त करने के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार के इस कदम से लगभग 16 लाख प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा है कि सरकार का यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब लाखों कर्मचारी कोरोना योद्धाओं के रूप में समाज की सेवा करने में व्यस्त हैं। निश्चित ही यह कदम उन्हें हतोत्साहित करने वाला है। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश सरकार अपने सभी निर्णय आपाधापी में कर रही है। रालोद प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि सरकार को ऐसे निर्णय करने से पहले कर्मचारी संगठनों से वार्ता करना चाहिए था ताकि सभी कर्मचारियों के सेवा भाव में किसी भी प्रकार का असन्तोष न हो परन्तु सरकार ने तानाशाही रवैया अपनाया जो सर्वथा निन्दनीय है।

कैदियों को संक्रमण से बचाने के लिए कारागार महकमे ने कसी कमर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● आगरा में एक कैदी की मौत और 12 अन्य के नमूने पॉजिटिव आने के बाद उठाए जा रहे ऐहतियाती कदम

● सभी जेलों में शुरू हुई थर्मल स्क्रीनिंग, सोशल डिस्टेंसिंग को लेकर किया जा रहा जागरूक

आगरा सेंट्रल जेल में कोरोना की आंच पहुंचने के बाद से सूबे की जेलों में बंद एक लाख से अधिक कैदियों की सुरक्षा को लेकर कारागार महकमे की चिंता बढ़ गई है। कारागार महकमा इसके लिए रणनीति बनाने में जुट गया है। सभी जेलों में कैदियों की थर्मल स्क्रीनिंग हो रही है। नए दाखिल होने वाले कैदियों को पहले 10 दिन के लिए कोरेंटाइन किया जा रहा है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 88 कोरेंटाइन बैरक बनाए गए हैं। कोरेंटाइन बैरक में एक साथ 15 से 20 कैदी को रखा जा सकता है।

आगरा सेंट्रल जेल में पिछले दिनों एक सजायाफ्ता कैदी के कोरोना पॉजिटिव निकलने से पहले तक प्रदेश की सभी जेलें कोरोना मुक्त चल रही थीं। इस कैदी की बाद में एसएन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। कैदी की मौत के बाद आगरा जेल प्रशासन ने 24 अन्य कैदियों के नमूने परीक्षण के लिए भेजे थे जिनमें 12 की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद प्रशासन के कान खड़े हो गए हैं। डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेलों में नियमित सैनिटाइजेशन करने और सोशल डिस्टेंसिंग का पूरी तरह से पालन करने के निर्देश दिए हैं। आनंद कुमार का कहना है कि यूपी की 71 जेलों में वायरस को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए गए हैं। स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर बंदियों का पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड मेंटेन करना शुरू कर दिया गया है। थर्मल स्क्रीनिंग से लेकर के अन्य टेस्ट भी बंदियों के कराए जा रहे हैं। जिन भी बंदियों में ऐसे लक्षण दिखाई दिए जो कोविड.19 से मिलते जुलते हैं तो उनको आइसोलेट कर दिया गया है। यूपी की जेलों में अभी तक 800 बंदियों को आइसोलेट किया गया है। 40 बंदियों के टेस्ट सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

लक्षण मिलने पर कैदियों को तुरंत क्वारंटाइन करने और 14 दिन बाद डॉक्टर की सलाह पर ही कैदी को बैरक में शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। कैदियों को सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने के लिए भी जागरुक किया जा रहा है। कोरोना संक्रमण के मामले में नोएडा और ग्रेटर नोएडा भी संवेदनशील है। इसे देखते हुए लुकसर स्थित जिला कारागार में सैनिटाइजिंग टनल की शुरुआत की गई है।

सरकारी समिति ने महाराष्ट्र की जेलों से 50 प्रतिशत कैदियों को रिहा करने का फैसला किया

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार द्वारा नियुक्त एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर राज्य की जेलों में भीड़ कम करने के उद्देश्य से करीब 50 प्रतिशत कैदियों को अस्थाई रूप से रिहा करने का फैसला किया है। हालांकि कैदियों की रिहाई के लिए जेल अधिकारियों के समक्ष कोई समय-सीमा नहीं रखी है। समिति ने सोमवार को फैसला लेते हुए यह भी कहा कि भारतीय दंड संहिता के तहत गंभीर आरोपों में दोषी ठहराए गए और मकोका, गैर कानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम, धनशोधन (निरोधक) अधिनियम जैसे सख्त कानूनी प्रावधानों के तहत दोषी ठहराए गए कैदियों को अस्थाई जमानत या पैरोल पर रिहा नहीं किया जाएगा।

उच्चतम न्यायालय द्वारा मार्च में, कोरोना वायरस के मद्देनजर देश भर की जेलों में भीड़ कम किए जाने की बात कहे जाने के बाद इस समिति का गठन किया गया था। समिति में बंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए ए सैयद, राज्य के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय चहांडे और महाराष्ट्र के महानिदेशक कारागार एस एन पांडेय शामिल थे।

समिति ने प्रदेश भर की जेलों से 50 प्रतिशत कैदियों को अस्थाई जमानत या पैरोल पर छोड़ने का फैसला सोमवार को किया। समिति ने कहा, इससे जेलों में भीड़ कम हो जाएगी और जेल के कुल 35,239 कैदियों में से करीब 50 प्रतिशत को छोड़े जाने की उम्मीद है। मध्य मुंबई की आर्थर रोड जेल में 100 से ज्यादा कैदियों और कर्मचारियों के कोविड-19 संक्रमित पाए जाने के बाद समिति का यह फैसला आया है। समिति ने कहा कि जेल अधिकारी कैदियों की रिहाई से पहले तय कानूनी प्रक्रिया का पालन करें।

समिति ने कहा कि जो कैदी उन अपराधों में दोषी ठहराए गए हैं या मुकदमे का सामना कर रहे हैं जिनके तहत सात साल तक कैद की सजा का प्रावधान है, वही कैदी अस्थाई जमानत या पैरोल पर रिहा किए जाने के लिए योग्य होंगे। समिति ने अधिवक्ता एस बी तालेकर के उस प्रतिवेदन को भी खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि विशेष कानूनों के तहत दोषी या आरोपी कैदियों को रिहा न करना भेदभावपूर्ण और मनमाना है। समिति ने कहा कि जो कैदी अस्थाई जमानत या पैरोल के हकदार नहीं हैं उन्हें नियमित जमानत के लिए संबंधित अदालत में अर्जी देनी होगी।

कोरोना वायरस से गांवों को बचाना अगली बड़ी चुनौती : अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि प्रवासी श्रमिकों और अन्य लोगों का आवागमन शुरू होने के बाद कोरोना वायरस संक्रमण गांवों में नहीं फैले यह सुनिश्चित करना अगली बड़ी चुनौती है। गहलोत मंगलवार को जयपुर एवं अजमेर संभाग के विधायकों और सांसदों के साथ कोरोना वायरस संक्रमण से उपजे संकट को लेकर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे राजस्थान के श्रमिक और प्रवासी अब लौटने लगे हैं और उन्हें निश्चित अवधि के पृथक-वास में रहना होगा। गहलोत ने जनप्रतिनिधियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि लौटने पर प्रवासी श्रमिकों और अन्य लोगों का स्वागत हो। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोरोना वायरस संक्रमण गांवों में नहीं फैले।

जालंधर में लॉकडाउन के दौरान प्रवासियों ने सामाजिक दूरी की पंजीकरण शिविर में उड़ायी धज्जियां

मेरे नामांकन को नजरअंदाज करना राज्य भाजपा गिरोह की साजिश: खडसे

मुंबई। भाजपा के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए 21 मई को होने वाले चुनाव में पार्टी द्वारा उनके नामांकन पर विचार नहीं किए जाने से नाराज हैं। उन्होंने मंगलवार को इसे कुछ नेताओं की साजिश करार दिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल पर निशाना साधा। उल्लेखनीय है कि भाजपा खडसे से 2016 से ही दूरी बनाकर रख रही है तब उन्हें तत्कालीन देवेंद्र फडणवीस सरकार से भ्रष्टाचार के आरोपों की वजह से इस्तीफा देना पड़ा था। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए अक्टूबर 2019 में हुए चुनाव में भी पार्टी ने खडसे को उनके गृहजिला जलगांव के मुक्तियानगर से टिकट देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, खडसे की जगह उनकी बेटी को टिकट दिया गया था लेकिन शिवसेना के बागी से उन्हें हार मिली। अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे खडसे को उम्मीद थी कि पार्टी 21 मई को विधान परिषद की नौ सीटों के लिए होने वाले चुनाव में उन्हें प्रत्याशी बनाएगी। इस चुनाव में भाजपा ने चार प्रत्याशी उतारे हैं। हालांकि, भाजपा ने खडसे के अलावा पंकजा मुंडे, विनोद तावडे और चंद्रशेखर बवानकुले जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी टिकट नहीं दिया है। इन्हें पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का विरोधी माना जाता है। खडसे ने कहा, यह प्रदेश के चार-पांच नेताओं द्वारा मेरे जैसे लोगों के खिलाफ साजिश है जिसने अपने 40 साल पार्टी को दिए हैं। वे केंद्रीय नेतृत्व को भ्रमित कर रहे हैं।

मुनस्यारी का ट्यूलिप गार्डन खूब बटोर रहा वाहवाही

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने तीन दिन पहले जब राज्य के मुनस्यारी क्षेत्र में विकसित किए जा रहे ट्यूलिप गार्डन की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की तो वे देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गईं। रावत ने ट्वीट किया, मैं अपनी स्वप्न परियोजना-मुनस्यारी स्थित ट्यूलिप गार्डन- के सफल पायलट प्रोजेक्ट की पहली तस्वीरें साझा करते हुए बहुत खुश हूं। पंचाचूली रेंज की पृष्ठभूमि से सजा यह गार्डन दुनिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन में से एक है और यह मुनस्यारी क्षेत्र में पर्यटन में बड़ा बदलाव लाएगा।

उन्होंने लिखा, 30 हेक्टेयर में फैले मुनस्यारी नेचर एजुकेशन एंड इको पार्क सेंटर का एक हिस्सा ट्यूलिप गार्डन के रूप में विकसित किया जा रहा है और यह पिथौरागढ़ में बन रहे ट्यूलिप गार्डन से अलग है। इस पार्क में झोपड़ी के साथ टेन्ट में रहने की सुविधा भी उप्लब्ध है। रंग-बिरंगे ट्यूलिप के चित्र देख कर जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी रावत को बधाई देने से खुद को रोक नहीं सके। अब्दुल्ला ने कहा, कि पंचाचूली की पृष्ठभूमि में उगाए जा रहे फूल सुंदर है लेकिन हमारे श्रीनगर का ट्यूलिप गार्डन इससे कहीं ज्यादा सुंदर हैं।

रावत ने अब्दुल्ला के इस ट्वीट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। ट्विटर और फेसबुक पर इन तस्वीरों को देखकर तुरंत ही भारी संख्या में लोग इसके प्रशंसक बने गए और उन्होंने न केवल इन्हें पसंद किया बल्कि जमकर तारीफ करते हुए इन्हें साझा भी किया। यह पायलट प्रोजेक्ट मुनस्यारी में 1200 वर्गमीटर के क्षेत्र में विकसित किया गया है। इसके जनक और पिथौरागढ के प्रभागीय वन अधिकारी विनय भार्गव ने बताया कि इस परियोजना के लिए 7000 ट्यूलिप बल्ब हॉलैंड से मंगवाए गए और सभी अंकुरित भी हो गए।

मद्यपान से हो रहे अपराधों पर नियंत्रण करने के लिए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखकर मद्यपान से हो रहे अपराधों पर नियंत्रण करने के लिए नीतिगत निर्णय लेने का आग्रह किया है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंगलवार को यहां बताया कि राज्यपाल उइके ने मुख्यमंत्री बघेल को लॉकडाउन के दौरान शराब के सेवन से हो रहे अपराधों पर नियंत्रण करने के संबंध में पत्र लिखा है। राज्यपाल ने इस संबंध में प्राप्त विभिन्न ज्ञापनों का उल्लेख करते हुए आग्रह किया है कि शासन स्तर पर उचित नीतिगत निर्णय लिया जाए, जिससे लॉकडाउन के दौरान मद्यपान से उत्पन्न आपराधिक गतिविधियों और दुर्घटनाओं पर नियंत्रण किया जा सके।

राज्यपाल ने अपने पत्र के माध्यम से कहा है कि विभिन्न संचार माध्यमों से यह सूचना प्राप्त हो रही है कि लॉकडाउन के दौरान अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्तियों द्वारा शराब पीकर पत्रकारों, अधिकारियों, चिकित्सा कर्मियों, सफाई कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार और आपराधिक कृत्य किए जा रहे हैं, जिन्हें प्रभावी तरीके से रोके जाने की आवश्यकता है।

अनुसुईया उइके ने कहा है कि ऐसे समय में जब प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी कोरोना वायरस की महामारी से उत्पन्न हो रही विभिन्न प्रकार की समस्याओं के निराकरण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने में व्यस्त हैं, तब आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों द्वारा मद्यपान के बाद कोरोना वायरस की महामारी से लड़ रहे हमारे अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजनों के साथ इस प्रकार के अपराध करने से उनका मनोबल कमजोर होता है।

साथ ही लॉकडाउन के दौरान शराब के कारण घरेलू हिंसा एवं दुर्घटनाओं में भी बढ़ोत्तरी हुई है, जिसे प्रभावी तरीके से रोके जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल अनुसुईया उइके ने कहा है कि इस समय आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों से हमारे छत्तीसगढ़ राज्य के कोरोना योद्धाओं तथा आमजनों को बचाना अति आवश्यक है। इसके लिए इनके विरूद्ध त्वरित दंडात्मक और प्रतिबंधात्मक कार्वाई की जानी चाहिए।

पृथक-वास से शिक्षक ने बच्चों को आनलाइन पढ़ाया, कहा पढ़ाना मेरा जुनून है

लेह। लद्दाख में कोरोना संक्रमित एक शिक्षक ने अपने छात्रों की पढ़ाई जारी रखने के लिए पृथकवास से आनलाइन कक्षा लेना और यूट्यूब वीडियो बना कर उन्हें पढ़ाना शुरू कर दिया है। लेह जिले के एक पृथकवास केंद्र में भर्ती शिक्षक किफायत हुसैन इंटरनेट का इस्तेमाल कर आनलाइन कक्षा ले रहे हैं और यूट्यूब वीडियो बना रहे हैं ताकि बच्चों को गणित का सूत्र एवं बीजगणित का गूढ़ रहस्य समझ में आ सके। शिक्षक ने बताया कि वह मिला जुला काम कर रहे हैं। वह आनलाइन कक्षा भी ले रहे हैं और पहले से रिकार्डेड वीडियो भी डाल रहे हैं क्योंकि अस्पताल में इंटरनेट की समस्या रहती है। हुसैन ने कहा, अध्यापन केवल मेरी नौकरी नहीं है बल्कि यह मेरा जुनून है। मुझे इस बात की चिंता थी कि छात्र अपनी पढ़ाई में पीछे न रह जाएं। अगर भविष्य में मैं पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए जल्दी जल्दी पढ़ाया तो उन पर यह बोझ बन जाएगा। मेरे पास सिखाने के लिए पर्याप्त ताकत है इसलिए मैंने सोचा कि मुझे इसे आजमाना चाहिए। उनके गांव को निषिद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया है।

पश्चिम बंगाल ने स्वास्थ्य सचिव को पद से हटाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने स्वास्थ्य सचिव विवेक कुमार का तबादला पर्यावरण विभाग में किया है और नारायण स्वरूप निगम को नया स्वास्थ्य सचिव नियुक्त किया है। राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के आंकड़ों को लेकर पैदा हंगामे के बीच कुमार का तबादला पर्यावरण विभाग के सचिव के रूप में कर दिया गया। पिछले साल दिसंबर में संघमित्रा घोष को हटा कर कुमार को स्वास्थ्य सचिव नियुक्त किया गया था। राज्य में 11 मई को जारी एक अधिसूचना के अनुसार परिवहन सचिव निगम को कुमार की जगह पर लाया गया है। प्रभात कुमार मिश्रा को परिवहन विभाग का मुख्य सचिव बनाया गया है। उनके पास जल संसाधन जांच एवं विकास विभाग तथा लघु सिंचाई त्वरित विकास निदेशक का अतिरिक्त प्रभार है। पश्चिम बंगाल में अब तक संक्रमण से 190 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें से 72 लोग पहले से ही विभिन्न बीमारियों के शिकार थे। राज्य में सोमवार तक संक्रमण के ।,939 मामले हैं जिनमें से ।,374 लोगों का उपचार चल रहा है।

श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सवार प्रवासी श्रमिक की मौत

नई दिल्ली। पुणे-प्रयागराज श्रमिक स्पेशल ट्रेन में सवार 34 वर्षीय एक प्रवासी श्रमिक की सोमवार को मौत हो गई और उसके शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। अधिकारियों ने बताया कि पुणे में एक होटल में काम करने वाला अखिलेश कुमार उत्तर प्रदेश के गोंडा स्थित अपने घर लौट रहा था। यात्रा के दौरान उसकी मौत हो गई। उसका शव मध्य प्रदेश में सतना जिले के मझगांव में ट्रेन से उतारा गया। रेलवे सुरक्षा बल के डीजी अरुण कुमार ने कहा, प्रवासी श्रमिक की पुणे-प्रयागराज स्पेशल ट्रेन में मौत हो गई और उसका शव मध्य प्रदेश में उतारा गया। पोस्टमार्टम कराया गया है। उन्होंने कहा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि प्रवासी श्रमिक कोरोना वायरस से संक्रमित था या नहीं। अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रेलवे ने एक मई से 542 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया है और कोरोना वायरस महामारी के चलते लागू लॉकडाउन के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे करीब 6.48 लाख प्रवासियों को उनके घर पहुंचाया गया है।

शराब तस्करों को पकड़ने पर पुलिसकर्मी पर हमला, छह गिरफ्तार

टीकमगढ़, (मप्र)। शराब तस्करों को पकड़ने पर एक पुलिसकर्मी पर हमला करने और उसके अपहरण की कोशिश करने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार को बताया कि सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) ने सोमवार शाम जांच चौकी पर देशी शराब की तस्करी करने के आरोप में दो लोगों को पकड़ा था। कुछ लोग वहां पहुंचे और उन्होंने कथित तौर पर पुलिसकर्मी से मारपीट की। आरोपियों ने खान को अपने वाहन में जबरन डालकर उसका अपहरण करने की भी कोशिश की। इलाके के ग्रामीणों की सूचना पर पुलिसकर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। एसपी ने कहा कि पुलिस ने मौके पर ही चाली राजा, सुनका ढीमर और सुमन खंगार (महिला) को गिरफ्तार कर लिया जबकि कैलाश जड़िया, बबलू खान और एक अन्य आरोपी को बाद में उनके घरों से गिरफ्तार किया गया।

कोलकाता में लॉकडाउन के दौरान हावड़ा स्टेशन पर श्रमिक स्पेशल ट्रेन के आने का इंतजात करते हुए सुरक्षाकर्मी।

जोगी की तबीयत में सुधार नहीं, मस्तिष्क क्रियाशील के लिए दी जा रही ऑडियो थेरेपी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी गंभीर रूप से बीमार हैं और उनकी तबीयत में कोई सुधार नहीं है। चिकित्सक उनके मस्तिष्क को क्रियाशील करने के लिए उनके पसंदीदा गाने उन्हें सुनवा रहे हैं। रायपुर के श्री नारायणा अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉक्टर सुनील खेमका ने मंगलवार को यहां बताया कि जोगी (74 वर्ष) की स्थिति लगातार चिंताजनक बनी हुई है। उनका हृदय, ब्लड प्रेशर और यूरिन आउटपुट नियंत्रित है। उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया है। खेमका ने बताया कि जोगी की न्यूरोलॉजिकल (मस्तिष्क) गतिविधियां लगभग नहीं के बराबर हैं। चिकित्सा नियमों के तहत उपचार जारी है और चिकित्सक उनके मस्तिष्क को क्रियाशील करने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सोमवार से जोगी को ऑडियो थेरेपी भी दी जा रही है, जिसके तहत उनके पसंदीदा गानों को उन्हें ईयरफोन लगा कर सुनवाया जा रहा है। इससे यह कोशिश की जा रही है कि सामान्य प्रक्रिया से उनके मस्तिष्क को जागृत किया जाए लेकिन अभी तक इसमें सफलता नहीं मिली है। खेमका ने बताया कि मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर श्री नारायणा अस्पताल के समस्त नर्सिंग स्टाफ ने परमपिता परमेश्वर से अजीत जोगी के शीघ्र स्वास्थ होने की कामना की। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री जोगी की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें शनिवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिवार के सदस्यों के अनुसार अजीत जोगी शनिवार सुबह व्हीलचेयर पर गार्डन में घूम रहे थे। इस दौरान उन्होंने इमली खाई और बाद में वह अचानक बेहोश हो गए। भारतीय प्रशासनिक सेवा से राजनीति में आए अजीत जोगी वर्तमान में मारवाही क्षेत्र से विधायक हैं। उनकी पत्नी रेनु जोगी कोटा क्षेत्र से विधायक हैं। जोगी वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के दौरान यहां के पहले मुख्यमंत्री बने तथा वर्ष 2003 तक मुख्यमंत्री रहे। राज्य में वर्ष 2003 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी से पराजित हो गई थी।

पालघरः सीआईडी ने 18 आरोपियों को किया गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने पालघर में दो साधुओं समेत तीन लोगों की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना पिछले महीने एक गांव में हुई थी। इस हालिया गिरफ्तारी से अब तक इस मामले में गिरफ्तार होने वाले लोगों की संख्या 134 तक पहुंच चुकी है। सीआईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस मामले की जांच जबसे सीआईडी को सौंपी गई है तब से विभाग ने 24 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी हिंसा और आगजनी की घटना में सक्रिय रूप से शामिल थे। इससे पहले पालघर पुलिस ने 110 लोगों को गिरफ्तार किया था, जिसमें से नौ नाबालिग भी हैं। यह घटना 16 अप्रैल को गडचिंचले गांव में हुई थी। दो साधु मुंबई से एक कार से अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने सूरत जा रहे थे। उनका चालक भी उनके साथ था। गांव में एक भीड़ ने उन्हें रोका और बच्चा चोर होने के संदेह में पीट-पीटकर हत्या कर दी।

भारत में फल-फूल रहे हैं अल्पसंख्यक, इस्लामोफोबिया का आरोप देश को बदनाम करने का प्रयास : नक्वी

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कथित इस्लामोफोबिया (इस्लाम के खिलाफ नफरत की भावना) को भारत को बदनाम करने का प्रयास करार देते हुए मंगलवार को कहा कि देश में अल्पसंख्यक फल-फूल रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में अल्पसंख्यक वर्ग के लोग सम्मान के सशक्तीकरण में बराबर के भागीदार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार में हो रहे समावेशी विकास को मोदी फोबिया क्लब हजम नहीं कर पा रहा है और इसलिए वह असहिष्णुता, सांप्रदायिकता और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव के आरोपों के जरिए दुष्प्रचार में लगा है।

नकवी ने इस्लामोफोबिया-बोगस बैशिंग ब्रिगेड की बोगी शीर्षक से लिखे एक ब्लॉग में यह टिप्पणी करने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही योजनाओं और उनसे अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों को हो रहे लाभ का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की गई है जब भारत में कोरोना संकट के समय कथित इस्लामोफोबिया का माहौल होने को लेकर कई अरब देशों में आलोचनात्मक टिप्पणियां की गई हैं। भारत ने इस्लामोफोबिया के आरोपों को खारिज किया है।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने आरोप लगाया, एक तरफ हर भारतवासी प्रभावशाली नेतृत्व पर गौरवान्वित है, वहीँ बौखलाया-बदहवास पेशेवर ॅमोदी फोबिया क्लबै ने ॅइस्लामोफोबियौ कार्ड के जरिए झूठे, मनगढंत तर्कों, तथ्यों से कोसों दूर दुष्प्रचारों से भारत के शानदार समावेशी संस्कृति, संस्कार और संकल्प पर पलीता लगाने की फिर से साजिशी सूत्र का ताना-बाना बुनना शुरू कर दिया है। मंत्री ने आरोप लगाया, साजिशी सियासी सनक से सराबोर लोग भारत को बदनाम करने और हिंदुस्तान की ॅसर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामयौ के संकल्प पर चोट पहुंचाने की घटिया साजिश में लग गए हैं। यह वो लोग हैं जो नरेंद्र मोदी के कामकाज, परिश्रम एवं देश की समावेशी प्रगति को हजम नहीं कर पा रहे हैं।

नकवी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में प्रमुख इस्लामी देशों के साथ के आजादी के बाद से अब तक के सबसे ज्यादा दोस्ताना और करीबी रिश्ते बने। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान और कई अन्य देशों ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने सबसे बड़े नागरिक सम्मान से नवाजा। उन्होंने कहा, जब कोरोना का कहर दुनिया में शुरू हुआ था तब मोदी सरकार वुहान, ईरान, ईराक, सऊदी अरब आदि से बड़ी संख्या में भारतीयों को वापस देश लाई, इनमे अधिकतर मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल थे। वन्दे भारत मिशन के तहत भी मालदीव, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, ź392ीतर सहित कई देशों से भारतीयों को वापस लाया जा रहा है जिनमे बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक समाज के लोग हैं।

उन्होंने दावा किया, दिल्ली में हाल ही में हुए दंगे से पहले शाहीन बाग धरने के समय एक मैसेज तेजी से वायरल किया गया था कि मोदी कहते हैं.. उनके दौरे हुकूमत में एक भी दंगा-फसाद नहीं हुआ, हमें इस गुरुर को चकनाचूर करना है ... और उसके बाद दिल्ली में जो कुछ हुआ उसने इंसानियत के सभी अंगों को लहूलुहान कर दिया। मंत्री ने आरोप लगाया, शाहीन बाग में धरने पर बैठी महिलाओं को राष्ट्रद्रोही नहीं कहा जा सकता, पर यह भी सच है कि उन्हें ॅगुमराह गैंगै ने अपने मकसद के लिए गुमराह किया और ऐसे रास्ते पर धकेल दिया जहां एंट्री गेट तो था पर एग्जिट गेट नहीं था।

मथुरा में लॉकडाउन में प्रवासी लोग भरी हुई ट्राली पर सवार होकर अपने गंतव्य स्थान की ओर जाते हुए।

विप के लिए उद्धव और अन्य आठ का निर्विरोध निर्वाचन तय

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और अन्य आठ प्रत्याशियों का 21 मई को विधान परिषद की नौ सीटों के लिए होने वाले चुनाव में निर्विरोध चुना जाना लगभग तय हो गया है। महाराष्ट्र के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय के मुताबिक इन सीटों के लिए दाखिल 14 नामांकन में पांच प्रत्याशियों ने या तो नाम वापस ले लिया है या फिर तकनीकी आधार पर उनका नामांकन रद्द हो गया। इस प्रकार नौ प्रत्याशी ही मैदान में हैं और इतनी ही सीटों पर चुनाव होना है। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए दाखिल 14 नामांकन में भाजपा के डॉ. अजित गोपछडे और संदीप लीले ने अपना नामांकन वापस ले लिया। अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की ओर से डमी के तौर पर नामांकन दाखिल करने वाले किरण पवासकर और शिवाजी राव गरजे ने भी आज अपना नाम वापस ले लिया। उन्होंने बताया कि पांचवा नामांकन शहबाज राठौड़ का था जिसे तकनीकी आधार पर खारिज कर दिया गया। इस प्रकार नौ सीटों के लिए नौ प्रत्याशी ही मैदान में रह गए हैं। अधिकारी ने कहा कि इसका अभिप्राय है कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सहित सभी नौ प्रत्याशी निर्विरोध राज्य विधायिका के उच्च सदन के लिए निर्वाचित हो जाएंगे। उल्लेखनीय है कि शिवसेना नेता संजय राउत ने सोमवार को कहा था कि कोरोना संकट के दौरान इन सीटों पर चुनाव होने से लोगों के बीच गलत संदेश जाएगा। कानूनी प्रावधान के तहत पीठासीन अधिकारी चुनाव आयोग को नामांकन वापस लेने की तारीख (14 मई) समाप्त होने पर नौ सीटों के लिए मैदान में नौ प्रत्याशियों के होने की जानकारी देंगे।अधिकारी ने बताया कि पीठासीन अधिकारी की सूचना के आधार पर चुनाव आयोग 26 मई को प्रत्याशियों के निर्वाचित होने का प्रमाणपत्र जारी करेगा। गौरतलब है कि शिवसेना ने उद्धव ठाकरे के अलावा विधान परिषद के निवर्तमान उपाध्यक्ष नीलम गोरे को प्रत्याशी बनाया है जबकि राकांपा ने अमोल मितकारी और शशिकांते शिंदे को नामांकित किया है। कांग्रेस की ओर से राजेश राठौड़ को प्रत्याशी बनाया गया है। तीन पार्टियां महाराष्ट्र में मिलकर सरकार चला रही हैं। वही मुख्य विपक्षी भाजपा ने रमेश कराड, गोपीचंद पडलकर, प्रवीण दटके और रंजीतसिंह मोहिते पाटिल को प्रत्याशी बनाया है। गोरे के अलावा बाकी आठ प्रत्याशी (ठाकरे सहित) पहली बार महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य बनेंगे।

देशभर भर में लॉकडाउन के बीच मुंबई के धारावी स्लम के बाहर रेलवे स्टेशन जाने के लिए पंक्तिबद्ध खड़े होकर बस का इंतजार करते यात्री

क्विक न्यूज

प्रधानमंत्री ने मालगाड़ी की चपेट में आए प्रवासियों के परिजनों के लिए दो-दो लाख मंजूर किये

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट 8 मई को एक मालगाड़ी की चपेट में आए 16 प्रवासी मजदूरों के परिजनों के लिए दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की मंगलवार को मंजूरी दी। उनके कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट एक मालगाड़ी की चपेट में आकर मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने और इस ट्रेन हादसे मे गंभीर रूप से घायलो को 50-50 हजार रुपए देने को मंजूरी दी। कार्यालय ने रेलवे से मृतकों एवं परिजनो तथा घायलों के नाम एवं पते के साथ कुल जरूरी कोष का ब्यौरा देने को कहा है। आदेश के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से अनुग्रह राशि को मंजूरी दी है।

महाराष्ट्र में शराब की होम डिलीवरी को मंजूरी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने दुकानों पर भीड़ को रोकने के लिए मंगलवार को शराब की होम डिलीवरी की मंजूरी दे दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हालांकि गृह विभाग द्वारा जारी आदेश तभी प्रभावी होगा जब इस संदर्भ में दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। जिन लोगो को पीने की अनुमति है, वही होम डिलिवरी के लिए ऑर्डर कर सकते है। शराब की दुकानों पर फोन से ऑर्डर दिया जा सकेगा। शराब की दुकानों को पांच मई से खोलने की इजाजत दी गई थी।अधिकारी ने कहा कि इसका मकसद शराब की दुकानों पर भीड़ कम करना और कोरेना वायरस के प्रसार को रोकना है। उन्होंने बताया, आदेश आज जारी किया गया, लेकिन यह तब तक प्रभावी नही होगा जब तक विस्तृत दिशा-निर्देश तय नही कर लिए जाते। सरकार अगले दो दिनो मे दिशा-निर्देश जारी करेगी। उन्होंने कहा, भुगतान के तरीके का फैसला क्रेता और विक्रेता करेंगे। एक व्यक्ति अधिकतम 12 बोतल भारत मे निर्मित विदेशी शराब का ऑर्डर दे सकता है। अधिकारी ने कहा कि घर पर विभिन्न तरह की शराब रखने के नियमों के बारे में जानकारी आबकारी विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है और ऑर्डर देने से पहले खरीदार वहां से इन्हे देख सकता है।

अमेरिका, फिलीपीन से दो उड़ानों से गुजरात लौटे 244 छात्र

अहमदाबाद। अमेरिका और फिलीपीन से दो विशेष उड़ानों से 244 भारतीय छात्र मंगलवार की सुबह यहां पहुंचे। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि कोरोना वायरस लॉकडाउन और यात्रा प्रतिबंधों की वजह से विदेश में फंसे ए सभी छात्र गुजरात से है।इसमें कहा गया कि 137 छात्रों को फिलीपीन की राजधानी मनीला तथा 107 छात्रो को अमेरिका के न्यूयॉर्क से लाया गया है।विदेश से यहां पहुंचने पर सभी छात्रों की स्वास्थ्य जांच की गई और फिर उन्हे बसो के माध्यम से उनके जिलों को भेज दिया गया। राज्य सरकार ने पूर्व मे घोषणा की थी कि विदेश में फंसे गुजरात के लगभग एक हजार छात्रों को वापस लाया जाएगा। केंद्र सरकार ने विदेश मे फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए वंदे भारत मिशन शुरू किया है।

दिग्विजय सिंह ने बंद की सामुदायिक रसोई

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को उस सामुदायिक रसोई को बंद करने के लिए विवश होना पड़ा जिससे लॉकडाउन के दौरान पांच लाख से अधिक भोजन के पैकेट वितरित किए गए। इस सामुदायिक रसोई को इसलिए बंद करना पड़ा क्योंकि यह जिस व्यक्ति के परिसर से संचालित हो रही थी वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। सिंह ने एक बयान में कहा, हमें अपने समुदायिक रसोईघर को बंद करना पड़ा क्योंकि जिस परिसर से इसे चलाया जा रहा था। उस इलाके में कोरोना वायरस का संक्रमण पहुंच चुका है। इसलिए स्थानीय प्रशासन के निर्देश पर रसोई को बंद किया गया है। सिंह ने उस पूर्व विधायक के कोविड-19 से शीघ्र स्वस्थ्य होने की प्रार्थना की है जिनके परिसर से यह रसोई चलाई जा रही थी। सिंह ने सामुदायिक रसोई के संचालन में सहयोग करने के लिए

● **इस सामुदायिक रसोई को इसलिए बंद करना पड़ा क्योंकि यह जिस व्यक्ति के परिसर से संचालित हो रही थी वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं**

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष गोविंद गोयल का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा गरीबों के साथ खड़ी रही और हमेशा पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारियों को पूरा करती है। सिंह ने बताया कि इस रसोई से उनके कार्यालय और अन्य करीब 50 लोग जुड़े थे और सभी की कोरोना वायरस जांच की गई है और सौभाग्य से सभी व्यक्तियों की रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है।

वातानुकूलित ट्रेन चलाने से और बढ़ेगा कोविड-19 संक्रमणः परमार्थ संगठन

तिरुवनंतपुरम। राज्य सरकार द्वारा संचालित एक परमार्थ संगठन ने मंगलवार को रेलवे की आलोचना करते हुए कहा कि वातानुकूलित डिब्बों में सीमित यात्रियों को ले जाने से कोविड-19 के मरीज और बढ़ेंगे। लॉकडाउन के कारण 50 दिन बंद रहने के बाद सीमित संख्या में यात्रियों को ले जाने की सेवा शुरू करते हुए रेलवे ने कहा था कि ट्रेनें पूरी तरह वातानुकूलित होंगी और दिल्ली से सभी प्रमुख शहरों को जोड़ने वाले राजधानी के रेल मार्ग पर चलेंगी। परमार्थ संगठन केरल सामाजिक सुरक्षा मिशन के कार्यकारी निदेशक मोहम्मद अशील ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार ने भी दिशा निर्देश जारी कर कहा था कि बहुत आवश्यक होने पर ही वातानुकूलन का प्रयोग करें। अशील ने पीटीआई-भाषा से कहा, केंद्र सरकार के दिशा निर्देश में भी यह लिखा है कि लोग वातानुकूलन का अत्यधिक प्रयोग न करें और यदि उन्हें प्रयोग करना ही है तो तापमान 24-30 डिग्री सेल्शियस रखें। उसमें आर्द्रता पर भी निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा, अगर रेल के डिब्बों में तापमान समेत सबकी व्यवस्था है तब भी कुछ देर के लिए खिड़की खोली जानी चाहिए। अशील ने कहा कि विमान यात्रा में हवा के दबाव और अन्य कारणों से यह संभव नहीं है और विमान यात्रा तीन से चार घंटे से भी कम की होती है। उन्होंने कहा, लेकिन वातानुकूलित डिब्बे में जहां लोग चल-फिर सकते हैं, 24 से 48 घंटे रहना ठीक नहीं है। अशील ने वातानुकूलित यात्रा के सबंध में चिंता प्रकट करते हुए ट्वीट किया था, आज से चलने वाली ट्रेनें पूरी तरह वातानुकूलित हैं अगर इनमें कोई संक्रमित यात्री है तो गंतव्य पर पहुंचने से पहले कई लोगों को कोविड-19 संक्रमण हो जाएगा।

महाराष्ट्र सरकार अस्थाई रूप से 17 हजार कैदियों को रिहा करेगी

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य भर की जेलों में बंद कुल 35 हजार कैदियों में से 17 हजार कैदियों को अस्थाई पैरोल पर छोड़ने का फैसला किया है। प्रदेश के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने मंगलवार को कहा कि ऐसा कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए किया गया है।इनमें से 5000 विचाराधीन कैदियों को पहले ही छोड़ा जा चुका है।

देशमुख ने कहा कि सरकार ने यह फैसला हाल में मुंबई की आर्थर रोड जेल में 185 कैदियों के संक्रमित पाए जाने के बाद किया है। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार द्वारा नियुक्त एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर राज्य की जेलों में भीड़ कम करने के उद्देश्य से करीब 50 प्रतिशत कैदियों को अस्थाई रूप से रिहा करने का फैसला किया था।ट्विटर पर एक वीडियो संदेश में देशमुख ने कहा आर्थर रोड जेल के 185 कैदी संक्रमित मिले हैं। उनका इलाज चल रहा है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब जेलों में कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के मद्देनजर महाराष्ट्र की जेलों में बंद 35 हजार कैदियों में से 17 हजार को अस्थाई पैरोल पर छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि 5000 विचाराधीन कैदियों को पहले ही रिहा किया जा चुका है। देशमुख ने कहा कि 3000 और 9000 कैदी जिन्हें क्रमशः सात साल तक के लिए और उससे ज्यादा समय के लिए कैद की सजा मिली है, उन्हें भी छोड़ा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुष्कर्म, बड़े आर्थिक और बैंक घोटालों, मकोका, टाडा और ऐसे ही अन्य संगीन मामलों में दोषी ठहराए गए कैदियों को नहीं छोड़ा जाएगा। मंत्री ने कहा कि सरकार ने पहले ही आठ जेलों को लॉक डाउन कर दिया है और कोरोना वायरस संबंधी बंदिशों के लागू रहने तक वहां किसी के प्रवेश या बाहर निकलने की इजाजत नहीं होगी। समिति ने सोमवार को फैसला लेते हुए यह भी कहा कि भारतीय दंड संहिता के तहत गंभीर आरोपों में दोषी ठहराए गए और मकोका, गैर कानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम, धनशोधन (निरोधक) अधिनियम जैसे सख्त कानूनी प्रावधानों के तहत दोषी ठहराए गए कैदियों को अस्थाई जमानत या पैरोल पर रिहा नहीं किया जाएगा।

उच्चतम न्यायालय द्वारा मार्च में, कोरोना वायरस के मद्देनजर देश भर की जेलों में भीड़ कम किए जाने की बात कहे जाने के बाद इस समिति का गठन किया गया था। समिति में बंबई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए ए सैयद, राज्य के गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय चहांडे और महाराष्ट्र के महानिदेशक कारागार एस एन पांडेय शामिल थे। समिति ने अधिवक्ता एस बी तालेकर के उस प्रतिवेदन को भी खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि विशेष कानूनों के तहत दोषी या आरोपी कैदियों को रिहा न करना भेदभावपूर्ण और मनमाना है। समिति ने कहा कि जो कैदी अस्थाई जमानत या पैरोल के हकदार नहीं हैं उन्हें नियमित जमानत के लिए संबंधित अदालत में अर्जी देनी होगी।

एसएसबी जवान ने गोली मारकर आत्महत्या की

भाषा। गया

बिहार के गया जिले के फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत गुरपा टीओपी में तैनात एसएसबी के 29वीं बटालियन के एक जवान ने मंगलवार को अपने सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। एसएसबी के 29वीं बटालियन के कमांडेंट आर. के. सिंह ने बताया कि मृतक जवान का नाम ललित भाटी (32) है जो उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के सिकंदरा थाना अंतर्गत नया गांव के निवासी थे। उन्होंने कहा कि ललित ने उस समय आत्महत्या की जब टीओपी के अन्य जवान दोपहर का भोजन कर रहे थे। सिंह ने कहा कि आत्महत्या के कारणों के बारे में तत्काल पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस बारे में कुछ भी स्पष्ट हो पाएगा। उन्होंने बताया कि ललित भाटी गुरपा टीओपी के गठन के समय 13 जुलाई 2018 से ही वहां तैनात थे। उन्होंने बताया कि ललित के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं।

पेज एक का शेष

बीस लाख...

कि ईमानदारी से टैक्स भरने वाले मध्यम वर्ग के हितों का भी आत्मनिर्भर भारत के विशेष आर्थिक पैकेज में ख्याल रखा गया है। आर्थिक पैकेज का ऐलान करते प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों, मजदूरों, रेहड़ी पटरी वालों, घरों में काम करने वाले लोगों की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इससे विभिन्न वर्गों, आर्थिक व्यवस्था की कड़ियों को संबल मिलेगा। 2020 में 20 लाख करोड़- आत्मनिर्भर भारत अभियान को नई गति देगा। कोरोना संकट की घड़ी में देशवासियों को प्रेरित करते मोदी ने 33 मिनट के अपने उद्बोधन में कहा कि भारत सुपर इकोनॉमी बन सकता है। यदि हम ठान लें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं और कोई राह मुश्किल नहीं। आज चाह भी है और राह भी। भारत की संकल्प शक्ति ऐसी है कि वह आत्मनिर्भर बन सकता है। आत्मनिर्भरता की भव्य इमारत पांच स्तंभों पर खड़ी है- छलांग भरती अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचा जो आधुनिक भारत की पहचान बने, सिस्टम जो बीती शताब्दी की रीति नीति नहीं बल्कि 21वीं सदी के सपनों को साकार करने वाली टेक्नोलॉजी पर आधारित हो, डेमोग्राफी और देश की ऊर्जा का स्रोत यानी कि डिमांड (मांग)।अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए मांग-आपूर्ति के चक्र को पूरी ताकत से आगे बढ़ाने की जरूरत है, यह कहते मोदी ने सप्लाई चेन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि ऐसी सप्लाई चेन बनाई जाएगी जिसमें देश की मिट्टी की महक और मजदूरों के पसीने की खुशबू होगी। कच्छ के विनाशकारी भूकंप का उदाहरण देते मोदी ने संकट को अवसर में बदलने का रोडमैप भी सामने रखा। उन्होंने कहा कि मैंने कच्छ भूकंप के दिन देखे हैं- चारों ओर मलबा ही मलबा था। मानो कच्छ मौत की चादर ओढ़े सो गया हो लेकिन देखते ही देखते कच्छ न सिर्फ उठ खड़ा हुआ बल्कि आगे भी चल पड़ा। सदियों का इतिहास भारत की दृढ़ संकल्प शक्ति को दर्शाता है। भारत जब सोने की चिड़िया था तब भी विश्व कल्याण की राह पर चलता था। बाद में समय बदला और देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ गया। हम विकास को तरसे लेकिन अंततः मजबूत इरादों के साथ विकास के रास्ते पर बढ़ चले। ऐसे समय भी भारत विश्व कल्याण की अपनी अवधारणा पर अटल है। जब वाईके2 संकट आया तब भारत की प्रौद्योगिकी ने दुनिया को बचाया था। आज हमारे पास साधन भी है और समृद्धि भी। इसके बल पर बेहतरीन आपूर्ति चेन तैयार करेंगे और उत्पादों की गुणवत्ता पर जोर देंगे। हम ऐसा कर सकते हैं और करेंगे भी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी भारत की हो यह हमारा सपना ही नहीं बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी है लेकिन इसका मार्ग क्या है। एक ही मार्ग है - आत्मनिर्भर भारत। हमारे यहां शास्त्रों में कहा गया है एशः पंथा यानी यही रास्ता है। एक राष्ट्र के रूप में आज हम बहुत अहम मोड़ पर खड़े हैं। इतनी बड़ी आपदा भारत के लिए एक संकेत, एक संदेश, एक अवसर लेकर आई है। इस बात को एक उदाहरण से समझाने का प्रयास करूंगा कि जब कोरोना संकट शुरू हुआ तब भारत में एक भी पीपीई किट नहीं बनती थी लेकिन आज हर रोज दो लाख पीपीई और दो लाख एन 95 मास्क बन रहे हैं। हम ऐसा इसलिए कर सके क्योंकि भारत ने आपदा को अवसर में बदल दिया। यह दृष्टि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के लिए बेहद प्रभावी सिद्ध होगी। भारत की संस्कृति व संस्कार उस आत्मनिर्भरता की बात करते हैं जिसकी आत्मा वसुधैव कुटुंबम-विश्व एक परिवार में है। भारत आत्म केंद्रित व्यवस्था की वकालत नहीं करता है। हमारी आत्मनिर्भरता में संसार के सुख-सहयोग-शांति की चिंता है। जो संस्कृति जय जगत में विश्वास रखती हो, विश्व का कल्याण चाहती हो, जो पृथ्वी को मां मानती हो वह भारत भूमि जब आत्मनिर्भर बनती है तब एक सुखी समृद्ध विश्व की संभावना सुदृढ़ होती है। भारत की प्रगति में हमेशा विश्व की प्रगति समाहित रही है। आज जब दुनिया संकट में है तब हमें अपना संकल्प को और मजबूत करना है। हमारा संकल्प इस संकट से भी विराट होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व भर में 42 लाख से ज्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हैं जबकि पौने तीन लाख से अधिक लोगों की दुखद मृत्यु हो चुकी है। भारत में भी अनेक परिवारों ने अपने स्वजन खोए हैं। सभी के प्रति वे अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। एक वायरस ने दुनिया को तहस नहस कर दिया है। करोड़ों जिंदगियां संकट का सामना कर रही हैं। सारी दुनिया जिंदगी बचाने में एक प्रकार से जंग में जुटी हुई है। हमने ऐसा संकट न देखा है, न ही सुना है। निश्चित तौर पर मानव जाति के लिए ये सबकुछ अकल्पनीय है। यह संकट अभूतपूर्व है लेकिन थकना-हारना टूटना बिखरना मानव को मंजूर नहीं है। सतर्क रहते हुए-ऐसी जंग के सभी नियमों का पालन करते हुए अब हमें बचना भी है और आगे बढ़ना भी है। सभी विशेषज्ञ -विज्ञानी बता रहे कि कोरोना लंबे समय तक रहेगा लेकिन हम ऐसा नहीं कर सकते कि हमारी जिंदगी इसके आसपास सिमटकर रह जाए। हम मास्क पहनेंगे-सोशल डिस्टेंसिंग मानेंगे और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे। जो हमारे वश में है वही सुख है। आत्मनिर्भरता हमें सुख व संतोष देने के साथ सशक्त भी करती है। 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने का हमारा दायित्व आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से ही पूरा होगा। यह हम भारतवासियों के लिए नूतन पर्व भी होगा व प्रण भी। नई प्राणशक्ति, कर्तव्य भाव की पूंजी, कर्मठता की पराकाष्ठा हो तो भारत को आत्मनिर्भर बनने से कोई भी ताकत नहीं रोक सकेगी।

कई कांग्रेस...

की ओर से की गई 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा का स्वागत है और हम ब्यौरे की प्रतीक्षा करेंगे। इससे अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और कर्मचारियों के वेतन देने की तत्काल जरूरत को लेकर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों में विश्वास पैदा करने में मदद मिलेगी। शर्मा ने कहा, आशा करते हैं कि गरीबों, अपनी जीविका खोने वाले प्रवासी कामगारों और सबसे ज्यादा परेशानी झेलने वालों को पैकेज से राहत मिलेगी। हालांकि पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो कहा है वह देश और मीडिया को भले ही सुर्खियां देता है, लेकिन यह घोषणा कोरे पन्ने की तरह है और जब ब्यौरा सामने आएगा तो देश और कांग्रेस प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने ट्वीट किया, अपने घर जा रहे प्रवासी कामगारों की दिल दहला देने वाली मानवीय त्रासदी को करुणा और अपनेपन से देखने तथा मजदूरों की सुरक्षित वापसी की जरूरत है। लाखों प्रवासी श्रमिकों के प्रति आपमें संवेदनशीलता की कमी और उनकी तकलीफों को दूर करने में आपकी नाकामी से भारत बहुत ज्यादा निराश हुआ है। दूसरी ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी द्वारा पैकेज की घोषणा से पहले उनसे आग्रह किया कि वह गरीबों और श्रमिकों के खातों में 7,500 रुपए भेजने की घोषणा करें।

सीमा पर...

नेताओं ने निर्णय किया था कि वे अपनी सेनाओं को संवाद मजबूत करने के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन जारी करेंगे जिससे उनमें विश्वास और समझ का निर्माण हो सके। मोदी और शी के बीच दूसरा अनौपचारिक शिखर सम्मेलन पिछले साल अक्टूबर में चेन्नई के पास मामल्लापुरम में हुआ था जिसमें द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक व्यापक बनाने पर जोर दिया गया था।

गुजरात सरकार...

कि चुनाव निर्वाचन अधिकारी के 429 डाक मतों को ऐसी स्थिति में अवैध रूप से खारिज करने के कदम से भी प्रभावित हुआ जब चूड़ास्मा की जीत 327 वोट के अंतर से हुई। राज्य के उप मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता नितिन पटेल ने आदेश को चौंकाने वाला करार दिया और कहा कि इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। उन्होंने कहा, भूपेंद्र सिंह जी का निर्वाचन रद्द करने का आदेश एक दुखद खबर है। स्वाभाविक रूप से भूपेंद्र सिंह जी आदेश के संबंध में और उसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने के संबंध में कदमों के बारे में विधिक परामर्श ले रहे हैं। हमें न्याय मिलने और इस आदेश पर स्थगन मिलने का विश्वास है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावडा ने आरोप लगाया कि चूड़ास्मा सत्ता के दुरुपयोग और सरकारी अधिकारियों के जरिए जीते लेकिन अदालत का आदेश दिखाता है कि चुनाव प्रक्रिया में ऐसा कोई भी हस्तक्षेप खारिज होगा। यह सच्चाई की जीत है और उसकी हार है, जिस तरीके से भाजपा ने सत्ता और सरकारी अधिकारियों का दुरुपयोग किया।

केबिन बैग...

लिए सुझाव दिए गए हैं। इनमें हवाईअड्डे के प्रवेश द्वारों पर पहचान पत्र की जांच नहीं करना और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करना शामिल है। एक अन्य सुझाव में चिकित्सकीय आपात स्थिति वाले किसी यात्री को अलग बैठाने के लिए विमान की तीन कतारों को खाली रखना भी शामिल है। सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन्स और विमान पत्तन संचालकों समेत सभी संबद्ध पक्षों के साथ विचार-विमर्श के बाद मसौदा एसओपी तैयार की गई है। इस पर हित धारकों से राय भी मांगी गई है। उल्लेखनीय बात यह है कि इसमें सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए विमान में कतार की बीच वाली सीट को खाली रखने के बारे में कुछ नहीं कहा गया है। हालांकि विमानन नियामक (डीजीसीए) ने मार्च में व्यावसायिक उड़ान सेवाएं स्थगित होने से पहले ही बीच की सीट को खाली रखने का सुझाव दिया था। मसौदा एसओपी में सुझाव दिया गया है कि यात्रियों को एक प्रश्नावली दी जाए। उनसे हवाई सफर से पहले ही पिछले कम से कम एक महीने के दौरान कोविड-19 संबंधी अथवा यदि वे पृथक-वास (आइसोलेशन) में रहे हैं तो उसके बारे में जानकारी भरवाई जाए। यह भी कहा गया है कि पिछले एक महीने में पृथक-वास में रहे किसी यात्री को अलग से बनाई गई सुरक्षा जांच इकाई के पास ही परीक्षण के लिए भेजा जाए। मसौदा एसओपी के अनुसार, यात्रियों को सामान से जुड़ी सीमाओं की भी जानकारी होनी चाहिए। उन्हें आरोग्य सेतु ऐप पर पंजीकरण कराना चाहिए और अधिकृत टैक्सियों से ही हवाईअड्डे पर पहुंचना चाहिए। मंत्रालय का यह भी सुझाव है कि जिन यात्रियों को शारीरिक तापमान अधिक होने या उम्र आदि की वजह से यात्रा की अनुमति नहीं दी जाती है, उन्हें बिना अतिरिक्त शुल्क वसूली के सफर की तारीख बदलने की इजाजत होनी दी जानी चाहिए।

बीमारी से...

होने के बाद सैकड़ों हजारों प्रवासी मजदूर बेरोजगार हो गए और सार्वजनिक परिवहन या अंतरराज्यीय आवागमन बंद होने के बावजूद वे पैदल, साइकिल या लिफ्ट लेकर किसी भी तरह से अपने घर पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। स्पेशल ट्रेन चलने के बाद भी बहुत से प्रवासी पैदल, साइकिल या ऐसे ही किसी अन्य साधन से यात्रा कर रहे हैं क्योंकि इन ट्रेनों के टिकट के उनके लिए महंगे तथा कागजी कार्यवाही भी उनके लिए मुश्किल भरा है। एक अन्य घटना में बिहार के एक प्रवासी मजदूर की हरियाणा में कार की टक्कर लगने से मौत हो गई तथा एक अन्य घायल हो गया। इसी तरह साइकिल से घर जा रहे हैं चौथे प्रवासी रायबरेली मे मौत हो गई। दो अन्य प्रवासियों की इसी तरह मौत सोमवार को मौत हो गई। वे तेलंगाना से उत्तर प्रदेशजा रहे थे। राज्य में उन्होंने एक ट्रक में लिफ्ट लिया था और यह ट्रक गोरखपुर जिले में हादसे का शिकार हो गया। एक अन्य हादसे में यूपी जा रहे छह मजदूरों की मध्य प्रदेश में ट्रक पलटने से मौत हो गई। नौ मई को अलग अलग हादसों में 11 प्रवासियों की मौत हो गई तथा 14 जख्मी हो गए। इनके मौत का कारण लंबी दूर तक चलने के कारण थकान तथा मध्य प्रदेश के चार जिलों में हुए सड़क हादसे। हजारों की किलोमीटर की दूर तय करके अपने गृह जिले जा रहे इन प्रवासी मजदूरों की दास्तां दिल को दुखाने वाली है। पायनियर ने कई प्रवासियों से बातचीत की, जिसमें उन्होंने कहा कि यदि मौत ही विकल्प है तो वे अपने घर में मरना चाहेंगे। डाटा मीट ट्रस्ट द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के मुताबिक 11 मई तक ऐसे मामलों में 418 लोगों ने जान गंवाई है। एक मई को भागलपुर में सड़क हादसे में चार मजदूरों की मौत हो गई। 16 अप्रैल देहरादून में कोरोना वायरस फैलने के कारण उत्पीड़न के चलते दो लोगों ने फांसी लगा ली। 13 अप्रैल लॉकडाउन के कारण तीन लोगों ने खुदकुशी कर ली। 28 मार्च को लॉकडाउन के कुछ दिन बाद घर लौट रहे आठ प्रवासियों की कर्नाटक के रायचूर में सड़क हादसे मे मौत हो गई।

संक्रमण के...

की मौत हो चुकी है। कर्नाटक और पंजाब में 31-31 लोगों की मौत हो चुकी है। तेलंगाना में 30 लोगों की मौत हो गई और हरियाणा में 11, जम्मू-कश्मीर में 10, बिहार में छह और केरल में चार लोगों की मौत हो गई। झारखंड और ओडिशा में कोविड-19 से तीन-तीन लोगों की मौत हुई जबकि हिमाचल प्रदेश, असम और चंडीगढ़ में दो-दो लोगों की मौत हुई। मेघालय और उत्तराखंड में एक-एक मरीज की मौत हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मृतकों में से 70 फीसदी पहले से ही अन्य बीमारियों के शिकार थे। देश में कुल संक्रमित 70,756 मामलों में कई विदेशी नागरिक भी हैं। मंत्रालय की ओर से मंगलवार की सुबह में जारी आंकड़ों के अनुसार संक्रमण के सबसे ज्यादा 23,401 मामले महाराष्ट्र से हैं। इसके अलावा गुजरात में 8,541, तमिलनाडु में 8,002, दिल्ली में 7,233, राजस्थान में 3,988, मध्य प्रदेश में 3,785 और उत्तर प्रदेश में 3,573 मामले हैं। पश्चिम बंगाल में 2,063, आंध्र प्रदेश में 2,018 और पंजाब में1,877 मामले हैं। तेलंगाना में संक्रमण के।,275 मामले, जम्मू-कश्मीर में 879, कर्नाटक में 862, बिहार में 747 और हरियाणा में 730 मामले हैं। केरल में संक्रमण के 519 मामले सामने आए हैं। ओडिशा में 414, चंडीगढ़ में 174 और झारखंड में 160 मामले हैं। वहीं त्रिपुरा में 152, उत्तराखंड में 68, असम में 65, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में 55-55 तथा लद्दाख में 42 मामले सामने आए हैं। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में कोरोना वायरस संक्रमण के 33 मामले सामने आए हैं। वहीं मेघालय में 13, पुडुचेरी में 12 और गोवा में सात मामले हैं। मणिपुर में दो मामले, मिजोरम, अरुणाचल और दादर-नगर हवेली में क्रमशः संक्रमण के एक-एक मामले हैं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि आंकड़ों का मिलान आईसीएमआर से किया जा रहा है और राज्यवार आंकड़ें मिलान और पुष्टि का विषय है।

पायनियर
नई दिल्ली ,बुधवार, 13 मई, 2020

पूर्व टेटे चैंपियन मनमीत सिंह वालिया का निधन

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियन मनमीत सिंह वालिया का कनाडा के मांट्रियल मे सोमवार को निधन हो गया। वह पिछले लगभग दो साल से एएलएस (एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस) से पीड़ित थे। इस बीमारी मे मांसपेशियां कमजोर हो जाती है और शरीर की मूवमेंट पर असर पड़ता है। मनमीत 58 साल के थे। उनके परिवार मे पत्नी के अलावा दो बेटियां है। वह अपने उपचार के लिए कोयंबटूर भी आए थे।

सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों के साथ नहीं होना चाहिए आईपीएलः सीएसके

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने सिर्फ भारतीय खिलाड़ियो के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजन का राजस्थान रॉयल्स के विचार को खारिज करते हुए कहा कि इससे चकाचौंध से भरा यह टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली (घरेलू टी20) टूर्नामेंट की तरह रह जाएगा। कोविड-19 महामारी के कारण आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है।

दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट शुरू करने की संभावना तलाश रहे हैं आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड

मेलबर्न। कोरोना वायरस महामारी के कारण पूर्व निर्धारित अंतरराष्ट्रीय दौरे नहीं होने के कारण आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के क्रिकेट बोर्ड आपस मे लगातार मैच खेलने की संभावना तलाश रहे है। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की सरकारे पृथकवास से मुक्त यात्रा के लिए गलियारा खोलने की योजना बना रही है और ऐसे मे न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड वाइट ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अपने समकक्ष केविन रॉबर्ट्स के साथ क्रिकेट मैचों की संभावना पर चर्चा की।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान क्रोनिए के पिता ईवी का निधन

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोनिए के पिता और देश मे महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने मे अहम भूमिका निभाने वाले ईवी क्रोनिए का 80 साल की उम्र मे निधन हो गया। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे और उन्होंने सोमवार को अंतिम सांस ली। उनके परिवार मे पत्नी सैन-मेरी, बड़ा बेटा फ्रांस और बेटी हेस्टर है के अलावा नाती-पोते है।

यूक्रेन के खिलाड़ी बीसीडिन पर एक साल का प्रतिबंध

नियोन (स्विट्जरलैंड)। यूएफा (यूरोपीय फुटबॉल संघों का संघ) ने मंगलवार को बताया कि यूक्रेन के खिलाड़ी अर्टेम बीसीडिन को डोपिंग मामले मे दोषी पाए जाने के बाद एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। उन पर लगा प्रतिबंध दिसंबर 2019 मे खत्म होगा

धोनी भी इंसान हैं, उन्होंने भी खोया है आपा : साथी क्रिकेटर

● गंभीर और पठान का दावा

भाषा। मुंबई

दुनिया उन्हें कैप्टेन कूल के नाम से जानती है लेकिन महेंद्र सिंह धोनी के साथ खेलने वाले पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि यह पूर्व भारतीय कप्तान भी इंसान है और उन्होंने भी कुछ अवसरों पर मैदान पर अपना आपा खोया है। धोनी का 2017 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव पर चिल्लाना काफी चर्चित रहा था जबकि इंडियन प्रीमियर लीग में भी प्रशंसकों ने कुछ अवसरों पर उन्हें अपना आपा खोते हुए देखा लेकिन पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर और इरफान पठान ने कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज पूर्व में कुछ अवसरों पर अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान आपा खो बैठा था। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट कनेक्टेड में कहा, लोग कहते हैं कि उन्होंने कभी उन्हें (धोनी) अपना आपा खोते हुए नहीं देखा लेकिन मैंने दो बार ऐसा देखा है। यह विश्व कप 2007 और एक अन्य विश्व कप की बात है जब हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। धोनी के साथ सभी प्रारूपों में खेलने वाले इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, वह भी इंसान है और उसका प्रतिक्रिया देना स्वाभाविक है। यहां तक कि चेन्नई सुपरकिंग्स की तरफ से किसी के खराब क्षेत्ररक्षण करने या कैच छोड़ने पर उनकी प्रतिक्रिया उचित है। हां वह शांतचित्त है। वह अन्य कप्तानों की तुलना में बेहद शांतचित्त है। निश्चित तौर पर मेरी तुलना में बेहद शांतचित्त है। आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने धोनी को अपने खेल से दर्शकों का मनोरंजन करने वाला खिलाड़ी करार दिया और कहा कि ऐसे बहुत कम अवसर आए होंगे जबकि उन्होंने अपना आपा खोया होगा। ली ने कहा, हम अपने खेल से दर्शकों का मनोरंजन करने वाले खिलाड़ी चाहते हैं और धोनी ऐसा करते हैं। उन्होंने कभी सीमाएं नहीं लांघी। अगर ऐसा हुआ होगा तो ऐसा बहुत कम हुआ होगा। लेकिन हम भी इंसान हैं जैसे गौतम गंभीर ने कहा। धोनी ने आईपीएल के दौरान कुछ अवसरों पर मैदान पर खुलकर अपना गुस्सा दिखाया।

फेडरर की तरह है कोहली जबकि स्मिथ की मानसिक मजबूती नडाल जैसी : डिविलियर्स

'नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि विराट कोहली की नैसर्गिक प्रतिभा उन्हे क्रिकेट का रोजर फेडरर बनाती है जबकि स्टीव स्मिथ की मानसिक मजबूती राफेल नडाल से मेल खाती है। जिम्बाब्वे के पूर्व तेज गेंदबाज पोमी मबांग्वा के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत के दौरान डिविलियर्स ने इन दो बल्लेबाजो को लेकर बात की जो अभी क्रिकेट मे सबसे अधिक दर्शको को स्टेडियम तक खीचने की क्षमता रखते है। डिविलियर्स ने स्पोर्ट्स हरिकेन पर बातचीत के दौरान कहा, यह मुश्किल है लेकिन विराट निश्चित तौर पर अधिक नैसर्गिक खिलाड़ी है। इसमे कोई संदेह नही। टेनिस के संदर्भ मे कहूं तो वह (रोजर) फेडरर की तरह है जबकि स्मिथ (राफेल) नडाल की तरह है। स्मिथ मानसिक तौर पर बेहद मजबूत है और वह रन बनाने के तरीके पता करता है। वह नैसर्गिक खिलाड़ी नही लगता लेकिन वह क्रीज पर नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। मैने जितने भी खिलाड़ियो को देखा है उनमे से मेरा मानना है कि स्मिथ मानसिक रूप से सबसे मजबूत है। विराट ने भी दुनिया भर के मैदानो पर रन बनाए है और दबाव मे मैच जीते है। डिविलियर्स का इसके साथ ही मानना है कि कोहली लक्ष्य का पीछा करने के मामले मे सचिन तेंदुलकर से थोड़ा बेहतर है। सचिन हम दोनो (डिविलियर्स और कोहली) के लिए आदर्श रहा है। अपने जमाने मे उन्होने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उन्होने जो उपलब्धियां हासिल की, उन्होने वह सब कुछ किया जो हर किसी के लिए के शानदार उदाहरण है। और मुझे लगता है कि विराट भी यह कहेगे कि उन्होने हमारे लिए मानदंड तय किए है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने कहा, लेकिन मेरी निजी राय है कि लक्ष्य का पीछा करते हुए मैने जितने बल्लेबाजो को देखा उनमे विराट सर्वश्रेष्ठ है। सचिन सभी प्रारूपो और हर तरह की परिस्थितयो मे लाजवाब था लेकिन लक्ष्य का पीछा करने के मामले मे विराट का जवाब नही है। दुनिया जानती है कि कोहली बेहतरीन क्रिकेटर है लेकिन डिविलियर्स के लिए वह एक अच्छा दोस्त है जिनके क्रिकेट से इतर भी रुचियां है। डिविलियर्स ने कहा, वह सिर्फ एक क्रिकेट खिलाड़ी तक ही सीमित नही है। मेरा मानना है कि अधिकतर खिलाड़ियों को कुछ समय बाद यह अहसास होता है कि क्रिकेट से इतर भी जिंदगी है। विराट शुरू से ही सोचने वाला क्रिकेटर रहा है। वह कई चीजो से प्रयोग करता है। वह जिम मे नई चीजो को आजमाना पसंद करता है। वह जिंदगी से लेकर विभिन्न धर्मो के बारे मे सोचता है। हम हर विषय पर बात करते है। डिविलियर्स ने कहा कि उनका भारतीय कप्तान की अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा से भी अच्छे रिश्ते है और वे पारिवारिक जीवन से लेकर कई मसलो पर बातचीत करते है। अनुष्का से मेरी बहुत अच्छी बातचीत होती है। हम बच्चो और परिवार को लेकर बात करते है।

कोरोना के खिलाफ जंग में टीम इंडिया को विजयी बनाएं, कहा 1983 विश्व कप विजेताओं ने

नई दिल्ली। कपिल देव की अगुवाई में जब भारतीय क्रिकेट टीम 1983 विश्व कप का पहला मैच खेलने उतरी तो किसी ने कल्पना नहीं की थी कि ट्रॉफी उसके नाम होगी। टीम वर्क और अनुशासन से असंभव को संभव कर दिखाने वाली उसी टीम के सदस्य अब कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ जंग में उसी जज्बे को दिखाने का पूरे देश से अनुरोध कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस की इस मुहिम हैशटैग 1983 वर्ल्ड कप हीरोज विद दिल्ली पुलिस में भारत को पहला विश्व कप दिलाने वाले क्रिकेटरों ने ट्विटर पर अपने वीडियो संदेश में लोगो से टीमवर्क और अनुशासन का परिचय देने को कहा है। इस बारे में टीम के सदस्य मदन लाल ने कहा कि जब हम विश्व कप खेलने गए तो किसी ने सोचा नहीं था कि हम जीतेंगे लेकिन हमें खुद पर विश्वास था। यह टीम वर्क और अनुशासन का नतीजा था कि ट्रॉफी हमारे हाथ में आई। इसी तरह कोरोना के खिलाफ लड़ाई में स्वास्थ्यकर्मी, पुलिस, सरकार, नागरिकों को एक टीम की तरह प्रदर्शन करके जीत अपने नाम करनी है। वहीं धुरंधर बल्लेबाज रहे दिलीप वेंगसरकर ने वीडियो संदेश में कहा, सभी को पता है कि विश्व कप 1983 फाइनल में हमारी टीम 183 रन पर आउट हो गई थी लेकिन हमने अनुशासन और जुझारूपन से बाजी पलट दी थी। उसी अनुशासन और जुझारूपन की आज देश को जरूरत है। हम इस समय बुरे दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में लॉकडाउन के नियमों का पालन करना और पुलिस की मदद करना जरूरी है। हम टीम के रूप में ही कोरोना से जीत सकते है। इस कड़ी में विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव, चैम्पियन बल्लेबाज सुनील गावस्कर, आक्रामक सलामी बल्लेबाज क्रिस श्रीकांत, फाइनल में 11वें नंबर पर बल्लेबाजी को उतरकर सैयद किरमानी के साथ 22 रन की अहम साझेदारी करने वाले बलविंदर संधू, रोजर बिन्नी, किरमानी समेत टीम के लगभग सभी सदस्यों ने संदेश है जो सिलसिलेवार जारी किए जाएंगे। इस मुहिम को मूर्त रूप देने वाले दिल्ली पुलिस के डीसीपी (दक्षिण दिल्ली) अतुल कुमार ठाकुर ने भाषा से कहा कि कई खिलाड़ी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में अपना सहयोग दे रहे है लेकिन 1983 की जीत विषम परिस्थितियो मे जीत का सबक देती है और यही वजह है कि उन्हे जोड़ने का विचार आया। विषमताओं मे जीत की परिचायक थी वह जीत जिसमे टीम के हर सदस्य ने योगदान दिया। उस जीत ने पूरे देश को एक सूत्र मे पिरो दिया था। जिम्बाब्वे के खिलाफ कपिल देव की पारी हो या फाइनल मे मोहिंदर अमरनाथ का प्रदर्शन या फिर बाउंसर लगने से घायल होने के बावजूद 11वें नंबर पर उतरकर 22 रन जोड़ने वाले संधू हों। यह पूरा टीम प्रयास था और हमें कोविड -19 के खिलाफ भी टीम के रूप मे काम करना है। एक भी कड़ी इस लड़ाई मे काम नही करेगी तो हम यह जंग नही जीत पाएंगे। 1983 विश्व कप टीम के सभी सदस्य इस मुहिम में हमारे साथ जुड़े है। सभी के वीडियो बारी बारी से जारी होंगे। वह महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2011 विश्व कप जीतने वाली टीम को भी इस मुहिम से जोड़ने का प्रयास कर रहे है। वेस्टइंडीज के खिलाफ फाइनल मे मैन आफ द मैच रहे मोहिंदर अमरनाथ ने कहा , पुलिस बहुत मेहनत कर रही है और अपने परिवार से दूर है ताकि हम सुरक्षित रह सकें। हमें चाहिए कि उनकी मदद करे और सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करें। इससे आप, आपका परिवार और दिल्ली शहर भी सुरक्षित रहेगा।

बलबीर सिंह सीनियर की हालत नाजुक

भाषा। चंडीगढ़

महान हॉकी खिलाड़ी और तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बलबीर सिंह सीनियर को मंगलवार सुबह दिल का दौरा पड़ा जिससे उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। बलबीर सीनियर अभी मोहाली के फोर्टिस अस्पताल के मेडिकल आईसीयू में भर्ती हैं और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। इस 96 वर्षीय दिग्गज के नाती कबीर सिंह भोमिया ने उनकी हालत पर अपडेट देते हुए बताया, नाना जी को आज सुबह नौ बजे दिल का दौरा पड़ा। उन्हें अभी मेडिकल आईसीयू में रखा गया है। कई अंगों के प्रभावित होने के कारण शुक्रवार आठ मई को उन्हें काफी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी हालत में थोड़ा सुधार हुआ था लेकिन अब उनकी हालत नाजुक है। डॉक्टर अगले 24 से 48 घंटों तक लगातार उनकी हालत पर नजर रखेंगे और इसके बाद ही उनकी हालत को लेकर आगे कोई बयान जारी किया जाएगा। उन्हें अब भी वेंटिलेटर पर रखा गया है। बलबीर सीनियर को शुक्रवार को तबीयत बिगड़ने पर सेक्टर-36 स्थित उनके आवास से निजी अस्पताल ले जाया गया था। वह अपनी बेटी सुशबीर और कबीर के साथ रहते हैं। बलबीर सीनियर को गुरुवार की रात को तेज बुखार था। पहले उनके परिवार ने उन्हें घर में ही स्पंज बाथ दिया लेकिन जब उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। बलबीर सीनियर को अस्पताल में 108 दिन बिताने के बाद पिछले साल जनवरी में पीजीआईएमईआर से छुट्टी मिली थी। इस अस्तपाल में उनका निमोनिया के लिए उपचार चल रहा था। उन्होंने लंदन (1948), हेलसिंकी (1952) और मेलबर्न (1956) ओलंपिक में भारत के स्वर्ण पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। हेलसिंकी ओलंपिक में नीदरलैंड के खिलाफ 6-1 से मिली जीत में उन्होंने पांच गोल किए थे और यह रिकार्ड अभी भी बरकरार है।

एआईएफएफ ने अर्जुन पुरस्कार के लिए झिंगन और बाला देवी के नाम भेजे

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने राष्ट्रीय टीम के सेंट्रल डिफेंडर संदेश झींगन और महिला टीम की स्ट्राइकर एन बाला देवी के नामों की अनुशंसा अर्जुन पुरस्कार के लिए की है। इस साल के खेल पुरस्कारों के लिए नामांकन भेजने के खेल मंत्रालय के निर्देशों पर अमल करते हुए एआईएफएफ ने यह नाम भेजे। महासंघ के महासचिव कुशाल दास ले प्रेस ट्रस्ट को बताया , हमने संदेश और बाला देवी के नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजने का फैसला किया है जो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अपने कैरियर के शुरूआती दौर में बाईचुंग भूटिया और रेनेडी सिंह की छत्रछाया में रहे झींगन भारतीय टीम में सुनील छेत्री के बाद सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। फीफा विश्व कप क्वालीफायर 2015 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण करने के बाद से वह भारतीय टीम की बैक लाइन का अभिन्न अंग बन गए हैं छेत्री की गैर मौजूदगी में उन्होंने कोच स्टीफन कोंस्टेंटाइन के रहते भारतीय टीम की कमान भी संभाली है। मणिपुर की बाला देवी ने स्कॉटलैंड की महिला प्रीमियर लीग टीम रेंजर्स एफसी के साथ करार किया था।

फीफा अंडर-17 महिला विश्व अगले साल

● 17 फरवरी से सात मार्च तक भारत में होंगे मुकाबले

भाषा। नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप अब अगले साल भारत मे ही 17 फरवरी से सात मार्च के बीच आयोजित किया जाएगा। विश्व फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने महामारी से पैदा हुई परिस्थितियों का गहन आकलन करने के बाद मंगलवार को यह फैसला किया। पहले इस टूर्नामेंट का आयोजन इस साल दो से 21 नवंबर के बीच होना था लेकिन विश्व भर मे कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप के कारण पिछले महीने इसे स्थगित कर दिया गया था। फीफा ने घोषणा की कि टूर्नामेंट के मूल पात्रता मानदंड बने रहेगे और इस तरह से उसने एक जनवरी 2003 या उसके बाद और 31 दिसंबर 2005 या उससे पहले जन्मे खिलाड़ियों को इसमे भाग लेने की छूट दे दी। फीफा ने बयान मे कहा, कोविड-19 महामारी के प्रभाव और फीफा परिसंघ कोविड-19 कार्य समूह की सिफारिशों के गहन मूल्यांकन के बाद फीफा परिषद ब्यूरो ने टूर्नामेंट के लिए प्रस्तावित नई तिथियो की पुष्टि करने का फैसला किया। इस प्रतियोगिता मे 16 टीमे भाग लेगी और इसका आयोजन पांच स्थलो पर किया जाएगा जिसमे कोलकाता, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, अहमदाबाद और नवी मुंबई शामिल है। मेजबान देश होने के नाते भारत ने इस विश्व कप के लिए स्वतः ही क्वालीफाई कर लिया है। विश्व कप की नई तिथि घोषित होने के बाद खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने टूर्नामेंट को पूरा समर्थन देने का वादा किया। रीजीजू ने ट्वीट किया, मै इसे सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग और समर्थन का आश्वासन देता हूं। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष प्रफुल पटेल ने भी बेहतरीन आयोजन का भरोसा दिया। उन्होने ट्वीट किया, अंडर-17 महिला विश्व कप की नई तारीखो को साझा करने मे मुझे खुशी हो रही है। यह टूर्नामेंट अब 17 फरवरी से सात मार्च 2021 तक खेला जाएगा। मै इस दौरान लगातार समर्थन के लिए अपने सभी हितधारको को धन्यवाद देना चाहूंगा।

आईसीसी ने महिला वनडे और पुरुष अंडर-19 क्वालीफायर स्थगित किए

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कोविड-19 महामारी के कारण 2021 महिला विश्व कप और 2022 पुरुष अंडर-19 विश्व कप के जुलाई मे होने वाले क्वालीफाइंग टूर्नामेंटो को स्थगित कर दिया है। महिला क्वालीफाइंग प्रतियोगिता श्रीलंका मे तीन से 19 जुलाई तक होनी थी जिसमे मेजबान श्रीलंका सहित 10 टीमो ने हिस्सा लेना था। अन्य टीमे बांग्लादेश, आयरलैंड, नीदरलैंड, पाकिस्तान, पापुआ न्यू गिनी, थाईलैंड, अमेरिका, वेस्टइंडीज और जिंबाब्वे थी। आईसीसी ने प्रेस विज्ञप्ति मे कहा, सदस्यो और संबंधित सरकारो तथा जन स्वास्थ्य अधिकारियों से सलाह मशविरे के बाद आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2021 के क्वालीफायर और आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2022 की क्वालीफाइंग प्रक्रिया को स्थगित करने का फैसला किया गया है। आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2022 की क्वालीफाइंग प्रक्रिया की शुरुआत 24 से 30 जुलाई तक डेनमार्क मे होने वाले यूरोपीय क्षेत्रीय क्वालीफायर के साथ होनी थी। इन टूर्नामेंटो का आयाजन कब किया जा सकता है इसके लिए आईसीसी प्रतिस्पर्धी देशो से सलाह मशविरा करेगा। आईसीसी के प्रतियोगिता प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा, यात्रा लेकर जारी पाबंदियो, वैश्विक स्वास्थ्य चिंताओं और सरकार तथा जन स्वास्थ्य अधिकारियो की सलाह पर हमने कोविड-19 महामारी के कारण आगामी दो क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं को स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होने कहा, महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर और अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2022 के यूरोपीय क्वालीफायर दोनो प्रभावित हुए है। टेटली ने कहा, खिलाड़ियों का स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है। इस मुश्किल के समय मे हमारी प्राथमिकता है कि खिलाड़ियों, कोचों, अधिकारियों, प्रशंसको और पूरा क्रिकेट समुदाय स्वस्थ रहे।

रेल, बस सेवाओं की बहाली के बाद शहरों के बीच आवाजाही बढ़ने की संभावनाः अध्ययन

नई दिल्ली। रेल और बस सेवाओं की बहाली के दो सप्ताह मे शहरो के बीच लोगो की आवाजाही तेजी से बढ़ने की संभावना है क्योकि विभिन्न शहरो मे फंसे लोग अपने मनपसंद स्थान तक पहुंचना चाहेगे। इंटरसिटी रेलयात्री के एक सर्वेक्षण मे यह बात कही गई। सर्वेक्षण के मुताबिक 38.41 प्रतिशत लोगो ने संकेत दिया कि अगर महामारी पर प्रभावी तरीके से नियंत्रण पा लिया गया तो वह इस साल यात्रा करना चाहेगे। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार छुट्टियो और त्योहारो के लिए की जाने वाली यात्राओं मे सबसे अधिक 71 प्रतिशत की गिरावट आएगी।

जयशंकर कोरोना वायरस पर शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लेंगे भाग

बीजिंग। विदेश मंत्री एस. जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बुधवार को होने वाली बैठक मे वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लेंगे। एससीओ के सदस्य देशो के विदेश मंत्रियो की इस बैठक मे मुख्य तौर पर कोरोना वायरस से निपटने के मुद्दे पर बातचीत की जाएगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यहां मंगलवार को मीडिया से बातचीत मे कहा कि वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दो के अलावा कोरोना वायरस के खिलाफ आपसी सहयोग पर भी बातचीत की जाएगी।

4.55 लाख टन रिफाइंड पामतेल आयात का लाइसेंस रद्द किया

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को 4.55 लाख टन रिफाइंड पाम तेल आयात के लिए जारी किए गए सभी 39 लाइसेंस कोरद्द कर दिए है। इस कदम का स्वागत करते हुए साल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने कहा कि इससे अवैध रूप से हो रहे सस्ते आयात पर अंकुश लगेगा और घरेलू तेलशोधक कंपनियो का बचाव होगा। खाद्य तेलो के अवैध आयात को रोकने के लिए, इस साल आठ जनवरी को रिफाइंड पामतेल आयात की प्रतिबंधात्मक सूची मे डाल दिया गया था और कंपनियो को वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) से आयात का लाइसेस लेना आवश्यक बना दिया गया था। डीजीएफटी ने 11 मई के एक कार्यालय ज्ञापन मे कहा, डीजीएफटी ने विभिन्न कंपनियो को आयात करने के लिए 39 लाइसेंस जारी किए थे ... वाणिज्य विभाग ने अपने फैसले की समीक्षा की है और इन सभी लाइसेंसो को रद्द करने का फैसला किया है। ए 39 लाइसेस,कुल 4,55,301 टन रिफाइंड पामतेल के आयात के लिए थे और इसमे से ज्यादातर मात्रा (2.93 लाख टन) नेपाल के रास्ते आयात होनी थी।

इस साल भी नियुक्तियां जारी रहेंगी, पर गति होगी कम

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संकट का असर रोजगार बाजार पर साफ दिख रहा है और कुछ कंपनियो ने नई नियुक्तियां टाल दी है। हालांकि उद्योग जगत से जो आंकड़े आ रहे है, उसे लगता है कि इस साल नियुक्तियां जारी रहेंगी लेकिन उसकी गति जरूर कम होगी। कार्यकारी स्तर के कर्मचारियो को नौकरी के बारे मे सूचना देने वाली ग्लोबलहंट की रिपोर्ट के अनुसार इस साल नियुक्ति प्रक्रिया लगभग थम सी गई है लेकिन कुछ उद्योग ऐसे भी है जहां अब भी मांग है और आने वाले समय मे मांग बढ़ सकती है। कोरोना वायरस महामारी और उसकी रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन से विमानन, यात्रा और होटल, वाहन, खुदरा तथा विनिर्माण क्षेत्र का पहिया लगभग थम गया है। इसका कारण मांग के साथ-साथ आपूर्ति श्रृंखला का बाधित होना है। हालांकि कुछ क्षेत्रो मे कोविड-19 संकट एक अवसर के रूप मे दिख रहा है। कोविड-19 काल मे नियुक्ति शीर्षक से जारी रिपोर्ट के अनुसार लाइफ साइंस और स्वास्थ्य से जुड़े उद्योगो मे प्रतिभा की मांग बढ़ेगी। इन क्षेत्रो को अपनी क्षमता बढ़ाने की जरूरत है और इसके लिए कार्यबल की जरूरत होगी। इसके अलावा दूरसंचार क्षेत्र मे भी तत्काल मांग बढ़ने की उम्मीद है। इसका कारण बड़ी संख्या मे लोगो का घर से ही काम करना है और यह प्रवृत्ति आगे भी बनी रह सकती है। इसके अलावा ई-वाणिज्य क्षेत्र का भी दायर बढ़ेगा क्योकि जो लोग अभी ऑनलाइन खरीदारी नही कर रहे थे, वे भी अब इससे जुड़ सकते है। रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल भुगतान मंच उपलब्ध कराने वाली कंपनियो मे भी नए लोगो की मांग होगी। यह स्थिति तबतक होगी जबतक लोग खरीदारी के लिए बाहर नही निकलने लगते।

औद्योगिक उत्पादन मार्च महीने रिकार्ड 16.7 प्रतिशत गिरा

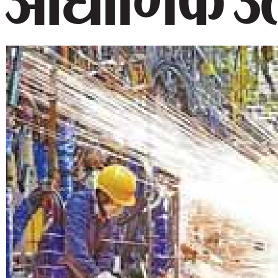

भाषा। नई दिल्ली

देश के औद्योगिक उत्पादन में मार्च महीने में रिकार्ड 16.7 प्रतिशत की गिरावट आई। लॉकडाउन (बंद) के कारण मुख्य रूप से खनन, विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के खराब प्रदर्शन की वजह से औद्योगिक उत्पादन घटा है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़े के अनुसार पिछले साल मार्च महीने में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 2.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। सरकार ने कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए 25 मार्च 2020 से देशव्यापी बंद लागू किया है। आधार वर्ष 2011-12 के साथ नई श्रृंखला के आईआईपी के साथ औद्योगिक उत्पादन में 16.7 प्रतिशत की गिरावट अप्रैल 2012 के बाद सबसे बड़ी गिरावट है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़े के अनुसार मार्च 2020 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 20.6 प्रतिशत घटा जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 3.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। बिजली उत्पादन में आलोच्य महीने में 6.8 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि मार्च 2019 में इसमें 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। आंकड़ों के अनुसार खनन क्षेत्र का उत्पादन इस साल मार्च में एक साल पहले के स्तर पर स्थिर रहा जबकि एक वर्ष पहले इसी महीने में इसमें 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आईआईपी में पिछले वित्त वर्ष में 0.7 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि 2018-19 में इसमें 3.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

सरकारी बैंकों ने दो महीने में विभिन्न क्षेत्रों के लिए 6 लाख करोड़ रुपए के कर्ज मंजूर किए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको ने कोरोना वायरस महामारी और उसकी रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन (बंद) की वजह से प्रभावित एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम), खुदरा, कृषि और कॉरपोरेट समेत विभिन्न क्षेत्रों के लिए पिछले दो महीने के दौरान 5.95 लाख करोड़ रुपए के कर्ज को मंजूरी दी। वही, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियो (एनबीएफसी) को इन बैंको से एक मार्च से लेकर आठ मई तक 1.18 लाख करोड़ रुपए का वित्तपोषण किया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को ट्वीट किया, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको (पीएसबी) ने एक मार्च से आठ मई 2020 के दौरान एमएसएमई, खुदरा, कृषि और कॉरपोरेट क्षेत्र के 46.74 लाख खाताधारको को 5.85 लाख करोड़ रुपए कर्ज देने को मंजूरी दी। जबकि इस दौरान एनबीएफसी को 1.18 लाख करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए। देश मे 25 मार्च से लॉकडाउन शुरू होने के साथ पीएसबी ने कार्यशील पूंजी सीमा के आधार पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त ऋण सुविधा शुरू की। इसके तहत अधिकतम सीमा 200 करोड़ रुपए तय की गई। एक अन्य ट्वीट मे सीतारमण ने कहा, 20 मार्च से आठ मई के दौरान पीएसबी ने आपात ऋण सुविधा और बढ़ाई गई कार्यशील पूंजी सीमा के लिए पात्र कर्जदारो मे से 97 प्रतिशत से संपर्क किया और उन्हे 65,879 करोड़ रुपए के कर्ज दिए गए...। केंद्र सरकार ने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए सबसे पहले 25 मार्च से 21 दिन के देशव्यापी बंद की घोषणा की। उसके बाद 15 अप्रैल से तीन मई तक दूसरे चरण का लॉकडाउन लगाया गया।

डालर के मुकाबले रुपया 22 पैसे चढ़कर 75.51 रुपए प्रति डालर पर पहुंचा

मुंबई। भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 22 पैसे चढ़कर 75.51 रुपए प्रति डालर पर बंद हुआ। सरकार की ओर से प्रोत्साहन पैकेज दिए जाने की उम्मीद मे रुपए मे मजबूती का रुख रहा। दुनिया के कई देशो द्वारा अर्थव्यवस्थाओं को खोले जाने की शुरुआत से प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के समक्ष भी डालर मे नरमी का रुख रहा। विदेशी मुद्रा डीलरों का कहना है कि विदेशी कोषो का प्रवाह बढ़ने और घरेलू शेयर बाजारो मे सुधार से भी डालर के मुकाबले रुपए मे सुधार का रुख रहा। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार मे रुपए मे कारोबार की शुरुआत 75.89 रुपए प्रति डालर के घटे भाव पर हुई। इसके बाद कारोबार के दौरान यह 75.49 से 75.95 रुपए प्रति डालर के बीच घूमता रहा। अंत मे कारोबार की समाप्ति पर भारतीय मुद्रा पिछले दिन के बंद भाव 75.73 रुपए प्रति डालर के मुकाबले 22 पैसे बढ़कर 75.51 रुपए प्रति डालर पर बंद हुई।

कोरोना वायरस संकट के बीच अप्रैल में ट्रंप के अभियान ने 6.1 करोड़ डॉलर, बिडेन ने छह करोड़ डॉलर जुटाए

वाशिंगटन। कोरोना वायरस संकट के बीच अमेरिका मे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोबारा चुने जाने के अपने अभियान के लिए अप्रैल मे रिकॉर्ड 6.17 करोड़ डॉलर का चंदा जुटाया, जबकि उनके डेमोक्रेटिक प्रतिस्पर्धी जो बिडेन ने भी इस दौरान 6.05 करोड़ डॉलर जुटाने मे कामयाबी हासिल की। कोरोना वायरस महामारी के चलते अमेरिकी अर्थव्यवस्था मे ठहराव आ गया है और 3.3 करोड़ से अधिक लोगो की नौकरी जा चुकी है। अमेरिका मे तीन नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होने है और दोनो उम्मीदवार वर्चुअल माध्यमो के जरिए धन जुटा रहे है। ट्रंप (73) राष्ट्रपति चुनावो मे दोबारा निर्वाचित होने के लिए प्रयासरत है, जबकि पूर्व उपराष्ट्रपति बिडेन (77) डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार है। उन्हे अगस्त मे विस्कॉन्सिन मे डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन द्वारा औपचारिक रूप से नामित किए जाने की संभावना है।

सेंसेक्स190 अंक टूटा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को दोनों प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। एशिया के अन्य बाजारों में नरम रुख के बीच सूचकांक में बड़ स्थान रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में गिरावट के साथ बाजार नीचे आया। चीन के वुहान में नए मामले आने के बाद से वैश्विक निवेशक इस बात से आशंकित हैं कि कोरोना वायरस संक्रमण में एक बार फिर से तेजी आ सकती है। इसका भी शेयर बाजारों पर असर पड़ा है। कारोबार के दौरान प्रमुख तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 716 अंक नीचे चला गया था। हालांकि बाद में इसमें कुछ सुधार आया और गिरावट काफी कम होगी। सेंसेक्स अंत में 190.10 अंक यानी 0.60 प्रतिशत टूटकर 31,371.12 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 42.65 अंक यानी 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 9,196.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर रहा। इसमें 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इसके अलावा एशियन पेंट्स, कोटक बैंक, एचयूएल, एचडीएफसी बैंक और ओएनजीसी के शेयर भी नीचे आए। वहीं दूसरी तरफ एनटीपीसी, भारती एयरटेल, आईटीसी और इंडसइंड बैंक तथा पावर ग्रिड लाभ में रहीं। एलकेपी सिक्योरिटीज में शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, लगभग पूरे दिन बाजार में गिरावट का रुख रहा। इसका एक प्रमुख कारण न्यायाधीश बीएन श्रीकृष्ण द्वारा रिलायंस-जियो फेसबुक सौदे को लेकर सवाल खड़ा किया जाना है। हालांकि एचडीएफसी और भारती एयरटेल की अगुवाई में बाजार थोड़ा बेहर हुआ। कारोबारियों के अनुसार कोरोना वायरस संक्रमण का मामला फिर से तेजी पकड़ने की आशंका से निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा। इससे वैश्विक बाजारों में नरम रुख देखने को मिला। चीन के वुहान शहर में कई सप्ताह तक कोई नया मामला नहीं आने के बाद अब वहां पिछले दो दिनों में संक्रमण के छह नए मामले आए हैं।

● रिलायंस इंडस्ट्रीज में 6 प्रतिशत की बड़ी गिरवट

सऊदी अरामको की आय पर कोरोना वायरस की मार, पहली तिमाही में 16 अरब डॉलर का लाभ

दुबई। सऊदी अरब की तेल कंपनी सऊदी अरामको को 2020 की पहली तिमाही मे 16.7 अरब डॉलर का लाभ हुआ। कोरोना वायरस का असर कंपनी की आय पर साफ दिखता है, क्योकि पिछले साल इसी तिमाही मे कंपनी का लाभ 25 प्रतिशत अधिक यानी 22 अरब डॉलर था।

हावेल का शुद्ध मुनाफा 10.7 प्रतिशत घटकर 177.7 करोड़ रुपए रह गया

नई दिल्ली। बिजली के धारण उपभाक्ता-सामान बनाने वाली हैवेल्स इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को बताया कि 31 मार्च को समाप्त चौथी तिमाही मे उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 10.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 177.73 करोड़ रुपए रह गया। कंपनी ने साल भर पहले जनवरी-मार्च की तिमाही मे 199.01 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने कहा कि इस दौरान परिचालन से होने वाली उसकी आय 19.50 प्रतिशत घटकर 2,217.44 करोड़ रुपए रह गई।

ई-निविदा प्रेस सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यकारी अभियंता, सिविल मंडल-4, सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, एल एम बंध, कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर, दिल्ली 31 कार्य के लिए सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग से पंजीकृत अनुमोदित एवं पात्र ठेकेदारों से आनलाईन प्रतिशत दर दिनांक 13.05.2020 अपराह्न 3:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं।

एच.ओ.ए.: 2711 नॉन प्लान (रिवन्यू) मेंटेनस ड्रैनज
1 एन आई टी न0 197/रिई/सी डी-4/आई एफ सी/2019-20 (आई डी न0 2020_आई एफ सी_190504_1)
कार्य का नामः सिचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग एल एम बंध, कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर, दिल्ली में रोड़ (मैन और आतंरिक की मेंटेनेस) पार्की, पर्किंग एरिया और ब्लॉक के साथ सारे शौचालयों की सफाई का कार्य 12 माह की अवधि के लिए। अनुमानित लागत रू 37,06,684/- धरोहर राशि रू 74,134/- समापन की अवधि 365 दिन।

एच.ओ.ए.: 2711 नॉन प्लान (रिवन्यू) मेंटेनस ड्रैनज
2 एन आई टी न0 10/ईई/सी डी-4/आई एफ सी/2019-20 (आई डी न0 2020_आई एफ सी_190300_1)
कार्य का नामः- सिचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग सिविल मंडल-4 जीएनसीटीडी के साइट गोकुल पुर पर सिक्योरिटी गार्ड की तैनाती का कार्य। अनुमानित लागत 7,40,822/- धरोहर राशि रू 14,816/- समापन की अवधि 365 दिन।

नोटः-
1) ठेकेदारों की सूचीबद्धता निविदा खुलने की अन्तिम तिथि को वैध होनी चाहिए अगर निविदा खोलने की तिथि आगे बढाई जाती है तो उसकी वैधता तारीख निविदा खुलने वाले दिन तक समझी जायेगी।
2) निम्नलिखित की प्रतियाँ भी ई निविदा पर डालना अनिवार्य है।
क्रम न0 1 सूचीबद्धता पंजीकरण कार्म की छाया प्रति जो कि सिचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग और अन्य सरकार संस्था द्वारा।
3 सत्यापित योग्यता कार्यक्षेत्र पैरा न 1.2 की छाया प्रति।
4 ईपीएफओ पंजीकरण की छाया प्रति सरकारी संस्था द्वारा।
5 ईएसआईसी पंजीकरण की छाया प्रति सरकारी संस्था द्वारा।
6 जीएसटी पंजीकरण की छाया प्रति।
7 सूचीबद्धता पंजीकरण फार्म की छाया प्रति जो किसी भी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र/ राज्य सरकार/कम्पनी सरकारी संस्था द्वारा ब्लॉकलिस्ट न हो।
8 धरोहर राशि की छाया प्रति।
9 पेन न0/स्थायी खाता संख्या की छाया प्रति।
10 वैद्य फोन न0, वटसप न0/ई मेल आई डी।
क्रम न0 2 1 हौम विभाग पंजीकरण की छाया प्रति राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार।
2 ओडिट बैंलेस सीट और प्रोफिट और लोस अकाटस पिछले तीन साल की।
3 जीएसटी पंजीकरण की छाया प्रति/अप-टू-डेट रिटर्न फाईल प्रुफ।
4 सूचीबद्धता पंजीकरण उपयुक्त वर्ग में।
5 धरोहर राशि की छाया प्रति।
6 ईएसआईसी/ईपीएफओ पंजीकरण की छाया प्रति।
7 पेन न0/स्थायी खाता संख्या की छाया प्रति।
8 वैद्य फोन न0, वटसप न0/ई मेल आई डी।
3) धरोहर राशि डीडी/एफडीआर के रूप में जो कि देय होगी ई ई. सी डी-4 के संदर्भ में निविदा खोलने के सात दिन के अन्दर तक भौतिक रूप में कार्यालय ई ई. सी डी-4 जमा की जायेगी। यदि धरोहर राशि भोतिक रूप से जमा नहीं की गयी तो निविदा रद्द समझी जायेगी। उपरोक्त उल्लेखित कार्य का विवरण वेबसाईट http://govtprocurement.delhi.gov.in से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
4) निविदा दस्ती जमा नहीं की जाएगी। केवल निविदा वेबसाईट ई प्रोक्योरमेन्ट पर अपलोड की हुई मान्य हैं।

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता, सी डी-4
DIP/Shabdarth/0031/20-21

वाशिंगटन में एक न्यूज कांफ्रेस के दौरान सामाजिक दूरी के साथ खड़े स्वास्थ्यकर्मी

अमेरिका में एक करोड़ से ज्यादा कोविड-19 जांच होगी : ट्रंप

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने अपनी कोविड-19 जांच की क्षमता को बढ़ा दिया है और देश में होने वाले परीक्षणों की संख्या इस हफ्ते एक करोड़ के पार चली जाएगी। कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित इस देश में मृतक संख्या 80,000 से ऊपर चली गई है। चीन से उभरे, कोरोना वायरस ने अब तक 40 लाख से अधिक लोगों को संक्रमित किया है और दुनिया भर में 2,85,000 लोगों की जान ली है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका में

अब तक 13 लाख लोग कोविड-19 से संक्रमित हो चुके हैं और 80,000 से ज्यादा मौत हुई है। अमेरिकी खाद्य एवं औषध प्रशासन ने 92 से अधिक जन स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं को जांच के लिए अधिकृत किया है और अमेरिका में 90 लाख से ज्यादा जांच

● अमेरिका में कार्यस्थल पर बढ़ रहे हैं कोविड-19 के मामले

हो चुकी है। तीन हफ्ते पहले, अमेरिका हर दिन करीब 1,50,000 जांच कर रहा था जो अब बढ़कर प्रतिदिन 3,00,000 हो गई हैं। व्हाइट हाउस में सोमवार को रोज़ गार्डन में प्रेस वार्ता के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में, ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका इस हफ्ते एक करोड़ से अधिक जांच कर लेगा जो किसी अन्य देश की तुलना में लगभग दोगुना होंगी। उन्होंने कहा, हम, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान, स्वीडन, फिनलैंड और कई अन्य देश के प्रति व्यक्ति से ज्यादा और कुछ मामलों में इन सारे देशों में हो रही जांच को मिला दें तो उससे अधिक परीक्षण कर रहे हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जहां एक ओर लोगों से कार्यस्थल पर लौटने और अर्थव्यवस्था को बहाल करने की अपील कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कार्य से जुड़े कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों ने चिंता बढ़ा दी है।आंकड़ों के अनुसार मांस पैक करने और पोल्ट्री-प्रसंस्करण संयंत्र में कोविड-19 के मामले हाल ही में बहुत बढ़े हैं।

कोविड-19 : पोम्पिओ ने भारत पांच अन्य देशों के समकक्षों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के विषय पर भारत, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, इजराइल, जापान और दक्षिण कोरिया के अपने समकक्षों के साथ चर्चा की।विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पोम्पिओ ने विदेश मंत्री एस जयशंकर, ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री मारिसे पायने, ब्राजील के विदेश मंत्री अर्नेस्टो हेनरिक फ्रागा अराउजो, इजराइली विदेश मंत्री ईजराइल काट्ज, जापानी विदेश मंत्री तारो कोनो और दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री कांग क्युंग व्हा से बात की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मॉर्गन ओर्टगस ने कहा, पोम्पिओ और उसके समकक्षों ने कोविड-19 वैश्विक महामारी और इसके कारणों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के महत्व पर चर्चा की।

वीजा, ओसीआई कार्ड निलंबित होने के कारण अमेरिका से लौट नहीं आ पा रहे कई भारतीय

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में एच-1बी कामकाजी वीजा या ग्रीन कार्ड धारक भारतीय जिनके बच्चे जन्म से अमेरिकी नागरिक हैं, उन्हें कोरोना वायरस संकट के दौरान वैश्विक यात्रा प्रतिबंधों के बीच एअर इंडिया द्वारा चलाए जा रहे विशेष विमानों से वापस भारत आने से रोका जा रहा है।

भारत सरकार द्वारा पिछले महीने जारी नियमों, जिनमें पिछले सप्ताह बदलाव भी किया गया, उनके अनुसार विदेशी नागरिकों के वीजा और ओसीआई कार्ड (जो भारतीय मूल के नागरिकों को बिना वीजा के यात्रा करने की अनुमति देता है) को नए अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंधों के कारण निलंबित कर दिया गया है।

न्यू जर्सी के पांडे दम्पत्ति (बदला हुआ नाम) इन सबके चलते दोहरी मार झेल रहे हैं। उनकी एच-1बी नौकरी चली गई है और उन्हें कानून के तहत 60 दिन में भारत भी लौटना है।

● न्यू जर्सी के पांडे दम्पत्ति (बदला हुआ नाम) इन सबके चलते दोहरी मार झेल रहे है

वहीं दम्पत्ति के दोनों बच्चे अमेरिकी नागरिक हैं। नेवार्क हवाईअड्डे से उन्हें सोमवार को इसलिए लौटना पड़ा क्योंकि एअर इंडिया ने उनके बच्चों को टिकट देने से मना कर दिया जबकि उनके पास वैध भारतीय वीजा है। दम्पत्ति भारतीय नागरिक हैं।उन्होंने कहा कि एअर इंडिया और न्यूयॉर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी काफी मददगार थे। लेकिन वे कुछ नहीं कर पाए क्योंकि भारत सरकार द्वारा जारी नए नियमों से उनके हाथ बंधे थे।रत्ना पांडे ने कहा, मैं भारत सरकार से अनुरोध करती हूं कि मानवीय आधार पर अपने फैसले के बारे में एक बार फिर सोचें। वह अब अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) से उनके यहां रहने का समय बढ़ाने की अपील करने की भी सोच रही हैं।एच-1बी वीजा धारकों (अधिकतर भारतीय) ने पिछले महीने व्हाइट हाउस में एक याचिका दायर कर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से नौकरी जाने के बाद उनकी देश में रहने की समय सीमा को 60 दिन से बढ़ाकर 180 दिन करने की अपील की थी।व्हाइट हाउस ने हालांकि अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है।सिंगल मदर ममता (बदला हुआ नाम) ने बताया कि उन्हें भारत जाने का टिकट तो दे दिया गया है लेकिन उनके तीन महीने के बेटे को टिकट नहीं दिया गया क्योंकि वह अमेरिकी नागरिक है।

उन्होंने कहा, मैं भारत सरकार से अनुरोध करती हूं कि हमें वापस घर आने दें। मैं अब और अमेरिका में नहीं रहना चाहती। नेवार्क हवाई अड्डे से रविवार को उन्हें अहमदाबाद जाने वाले विमान में यात्रा करने से रोक दिया गया था।उन्होंने कहा, मैं यहां अकेली हूं। मेरा यहां कोई रिश्तेदार नहीं है। यह काफी मुश्किल स्थिति है। वाशिंगटन डीसी के निवासी राकेश गुप्त (बदला हुआ नाम) ने कहा, वंदे भारत मिशन एक मानवीय अभियान है। लेकिन यह असल में अमानवीय है। एच-1बी पेशवेर गुप्ता की नौकरी चली गई है और उन्हें 60 दिन में भारत लौटना है। वह और उनकी पत्नी गीता (बदला हुआ नाम) भारतीय नागरिक है और उन्हें वापस जाने की टिकट मिल गई है लेकिन उनसे कहा गया है कि उनकी ढाई वर्ष की बेटी उनके साथ यात्रा नहीं कर सकती क्योंकि वह ओसीआई कार्ड धारक है।इस बात के कोई आधिकारिक आंकड़े नहीं है कि कितने भारतीय एच-1बी वीजा धारकों की नौकरी गई है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि यह काफी अधिक हैं।अमेरिका में कोरोना वायरस के कारण बेराजगारी दर काफी बढ़ गई हैं और पिछले दो महीने में करीब 3.3 करोड़ अमेरिकियों की नौकरी गई है।

कोरोना वायरसः सिंगापुर में कुछ पाबंदियों में रियायत दी गई

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर लगाई गई कुछ पाबंदियों में मंगलवार को रियायत देते हुए कुछ व्यवसायों को फिर से खोलने की अनुमति दी गई। सिंगापुर ने आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने की दिशा में यह पहला कदम उठाया है। डोरमेट्री में रहने वाले विदेशी नागरिकों में हालांकि संक्रमण के मामले बढ़े हैं। डोरमेट्री एक ऐसे बड़े कमरे को कहते हैं, जिनमें ज्यादा संख्या में बिस्तर लगे होते हैं और उसमें रहने वाले लोगों के लिए एक साझा शौचालय होता है।स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में मंगलवार को कोरोना वायरस के 884 और नए मामले सामने आए हैं जिससे संक्रमण के कुल मामलों की बढ़कर 24,671 हो गई है। यहां जनवरी में इस महामारी का पहला मामला सामने आया था।कोविड-19 से निपटने के लिए लगाई गई विभिन्न पाबंदियों के तहत 22 अप्रैल से कई व्यवसाय बंद थे।

हो सकता है कि कोरोना का टीका कभी नहीं मिले : बोरिस जॉनसन

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने चेतावनी दी है कि कोरोना वायरस के खिलाफ टीका मिलने की संभावना करीब एक साल दूर है और हो सकता है कि इसको नियंत्रित करने के लिए कभी टीका मिले ही नहीं। ब्रिटेन में कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लागू लॉकडाउन को क्रमवार तरीके से हटाने को लेकर 50 पन्नों का नया दिशानिर्देश जारी करते हुए प्रधानमंत्री ने कोविड-19 से सुरक्षा के साथ धीरे-धीरे कारोबार को दोबारा खोलने की योजना पेश की। इसमें अर्थव्यवस्था खुलने पर सामाजिक दूरी कायम रखने और अपने विवेक का इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, बड़े पैमाने पर टीका या इलाज में एक साल से अधिक समय बाकी है। उन्होंने इसके साथ ही ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और इम्पीरियल कॉलेज लंदन के वैज्ञानिकों द्वारा इलाज खोजने के लिए किए गए काम को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, सबसे खराब परिस्थिति में सकता है कि हमें कभी टीका मिले ही नहीं। इसलिए हमारी योजना ऐसी परिस्थिति से निपटने की होनी चाहिए ताकि सभी काम करने के साथ संक्रमण के नतीजों से बचा जा सके। जॉनसन ने स्वीकार किया कि टीका या दवा आधारित इलाज ही इसका स्थाई समाधान है। उन्होंने कहा कि भरोसेमंद टीका विकसित करने के लिए ब्रिटेन ने अपनी कोशिशें तेज की हैं और ऑक्स्फोर्ड विश्वविद्यालय एवं फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेसा के साथ साझेदारी की है जो कोविड-19 का टीका विकसित होने पर इसके तेजी से उत्पादन में सहायक होगी। वैश्विक कोशिश के तहत उन्होंने टीका, जांच और इलाज विकसित करने के शोध के लिए 38.8 करोड़ पाउंड की व्यवस्था की है जिनमें से 25 करोड़ पाउंड महामारी तैयारी नवोन्मेष गठबंधन के लिए है। इस हफ्ते से चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन में ढील देने की योजना का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा, हालांकि, हमें सफलता मिलने की उम्मीद है लेकिन उम्मीदें योजना नहीं होती। टेलीविजन के जरिए रविवार रात को देश को संबोधन और सोमवार को संसद में बयान देने के बाद दिशानिर्देश बुधवार से पूरे इंग्लैंड में लागू होगा और लोगों को घर में साथ रहने के अलावा दूसरे लोगों से मिलने का मौका मिलेगा लेकिन इस दौरान दो मीटर की दूरी बनानी होगी। लॉकडाउन लागू होने के करीब छह हफ्ते बाद ब्रिटेन में लोगों को दोस्तों और परिवार के सदस्यों को बाहर खेलने, मेल-मिलाप करने की अनुमति मिलेगी।

दिशानिर्देश में सलाह दी गई है कि अगर संभव हो तो लोग घर से ही काम करें और जरूरत होने पर ही कार्यालय या काम के स्थान पर जाए जैसे निर्माण एवं उत्पादन इकाइयों में और इस दौरान सामाजिक दूरी का अनुपालन करें। चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन में ढील के तहत अगले महीने गैर जरूरी वस्तुओं की दुकानों को भी दोबारा खोलने की अनुमति होगी। वहीं नाइयों की दुकानों, पब और सिनेमा जुलाई से खुलेंगे। हालांकि, कोविड-19 के मामले बढ़ने पर संक्षिप्त नोटिस पर पाबंदियों को फिर से लागू किया जा सकता है। दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने पर जुर्माने की राशि बढ़ाकर 100 पाउंड कर दी गई है और बार-बार उल्लंघन करने पर अधिकतम 3200 पाउंड का जुर्माना लग सकता है। प्रधानमंत्री ने सामान्य जनजीवन में व्यावधान के बावजूद धैर्य रखने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सबसे खराब परिस्थिति यह हो सकती है कि वायरस पर नियंत्रण नहीं हो और इसकी कीमत जान और सख्त पाबंदी से चुकानी हो जिसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

चीन में कोरोना वायरस के दूसरे दौर की आशंका के बीच 16 नए मामले

भाषा। बीजिंग

चीन के वुहान में कोविड-19 के नए समूह उभरने के एक दिन बाद देश में कोरोना वायरस के 16 नए मामले सामने आए हैं। इनमें 15 मामले ऐसे हैं जिनमें मरीजों में लक्षण नजर नहीं आए।चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने मंगलवार को बताया कि आंतरिक मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में विदेश से संक्रमण लेकर आने वाला एक मामला सामने आया था जबकि स्थानीय स्तर पर संक्रमण का कोई मामला नहीं था।सरकारी समाचार-पत्र ग्लोबल टाइम्स ने मंगलवार को खबर दी कि दो प्रांतों में कोविड-19 के संक्रमण समूहों के फिर से उभरने के बाद चीनी विशेषज्ञ महामारी के दूसरे दौर की आशंका को लेकर चिंतित लोगों को आश्वस्त करने में जुटे हुए हैं। विशेषज्ञों ने ऐसे छिटपुट मामलों को बड़े संक्रामक रोग के लिए सामान्य बताया है। संक्रमण के नए मामले बढ़ने के बावजूद चीनी चिकित्सा विशेषज्ञों ने कहा कि हुबेई प्रांत के वुहान, जिलिन प्रांत में शुलान में संक्रमणों का नया समूह छिट-पुट है और इसका यह मतलब नहीं है कि दूसरे दौर का खतरा मंडरा रहा है। खबर में बताया गया कि संक्रमणों के इन समूहों के उभरने के बाद, जिलिन और हुबेई प्रांत के अधिकारी संक्रमण को बड़े क्षेत्रों में फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए करीबी संपर्कों का पता लगाने के प्रयास तेज कर रहे हैं। रविवार से, वुहान में कोविड-19 के छह नए मामले सामने आए हैं और ए सभी एक ही स्थानीय समुदाय से हैं।सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना ने लापरवाही के लिए सोमवार को एक स्थानीय अधिकारी को बर्खास्त कर दिया। जिलिन प्रांत के शुलान शहर में कोरोना वायरस के मामले अचानक बढ़ जाने के बाद रविवार को वहां मार्शल लॉ लगा दिया गया। शहर में शनिवार को 11 मामले और रविवार को तीन और मामले सामने आए थे।

काबुल के एक अस्पताल पर एक बंदूकधारी के हमले के बाद एक नवजात बच्चे को ले जाता अफगान सुरक्षाकर्मी

कोविड-19 के बाद विश्व को निष्पक्षता, समानता एवं मानवता आधारित वैश्वीकरण की जरूरत होगी : संधू

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में भारत के राजदूत ने कहा है कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी ने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की हदों से रूबरू करा दिया है और कोविड-19 संकट के बाद की दुनिया को पारदर्शिता, समानता तथा मानवता पर आधारित वैश्वीकरण की एक नई व्यवस्था की आवश्यकता होगी।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने पूर्व में भारत में अमेरिका के राजदूत रहे रिचर्ड वर्मा द्वारा सोमवार को आयोजित द एशिया ग्रुप के साथ ऑनलाइन संवाद में कहा कि आर्थिक विकास और मानव कल्याण को साथ-साथ लेकर चलने की जरूरत है और सभी के लिए स्वास्थ्य तक समान, किफायती और समय से पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है। संधू ने कहा, वर्तमान संकट ने मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की सीमाओं को उजागर किया है। कोविड-19 के बाद की दुनिया में हमें निष्पक्षता, समानता और मानवता पर आधारित वैश्वीकरण का सांचा चाहिए होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय फार्मा कंपनियां और वैश्विक नेता कम कीमत पर दवाएं एवं टीकों का उत्पादन कर रही हैं। साथ ही कहा कि अमेरिका को किफायती कीमतों पर दवाएं उपलब्ध कराने में भारत एक भरोसेमंद साझेदार है। संधू ने कहा, स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में अमेरिका के साथ हमारी लंबी और मजबूत साझेदारी इस वैश्विक महामारी के वक्त और गहरी हो गई है।

इसी तरह से भारत टीकों के विकास के लिए अमेरिकी निजी क्षेत्र के साथ काम कर रहा है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने न्यूयॉर्क की बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र की कंपनी कोडाजेनिक्स इंक के साथ कोरोना वायरस के खिलाफ तेजी से टीका विकसित करने के लिए साझेदारी की है।उन्होंने बताया कि हैदराबाद की भारत बायोटेक ने कोविड-19 के खिलाफ टीका कोरोफ्लू विकसित करने के लिए विकनसिन- मेडिसिन यूनिवर्सिटी और टीका बनाने वाली कंपनी फ्लूजेन के साथ साझेदारी की है। संधू ने कहा कि वायरस की रोकथाम और आर्थिक सुधार के लिए ऐसे मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत होगी जो राष्ट्रीय नीतिगत प्रयासों में पूरक साबित हो। उन्होंने कहा कि भारत इस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए अपने पड़ोसियों समेत अपने अन्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ भी काम कर रहा है। भारत ने करीब 123 साथी देशों को चिकित्सीय आपूर्ति एवं सहायता दी है। भारतीय राजनयिक ने कहा, हम एक करोड़ डॉलर की शुरुआती निधि के साथ आपदा राहत कोष के माध्यम से दक्षेस क्षेत्रों में अग्रणी रहे। हमारी त्वरित प्रतिक्रिया चिकित्सा टीम मालदीव, कुवैत में तैनात हैं। हमारे स्वास्थ्य विशेषज्ञ हमारे पड़ोसियों के लिए ऑनलाइन ट्रेनिंग के जरिए अच्छी कार्यप्रणालियां साझा कर रहे हैं और दवाएं तथा टीके विकसित करने के वैश्विक प्रयासों में सक्रिय हैं। संधू ने इस बात पर ध्यान दिलाया कि पिछले कुछ हफ्तों में दुनिया बिलकुल अलग जगह बन चुकी है जहां राष्ट्र दर राष्ट्र इस अदृश्य शत्रु के हमले को रोकने के लिए घरों में आश्रय लेने पर मजबूर हो गया। उन्होंने कहा, वैश्विक स्वास्थ्य संकट ऐसे बड़े पैमाने पर आर्थिक संकट लेकर आया है जो हालिया इतिहास में नहीं देखा गया है। राजदूत ने कहा, इन दो संकटों से घिरी हुई सरकारें आज जन स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच में असंभव विकल्प चुनने का सामना कर रही हैं। हमें व्यवहार कुशल संतुलित प्रणाली की जरूरत है।

कोविड-19 से लड़ने में भारत ने नेतृत्व क्षमता दिखाई है : वरिष्ठ राजनयिक

भाषा। न्यूयॉर्क

कोविड-19 महामारी के खिलाफ भारत ने नेतृत्व क्षमता दिखाई है और बीमारी से लड़ने में दूसरे देशों की बढ़-चढ़कर मदद की है। यह बात यहां देश के महा वाणिज्य दूत ने कही। उन्होंने कहा कि लोगों की सरलता और कौशल से देश की अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने में मदद मिलेगी।भारतीय मूल के अमेरिकी नेता जगदीश साहनी की तरफ से कोविड-19 पर भारत की प्रतिक्रिया विषय पर आयोजित ऑनलाइन परिचर्चा में यह बात संदीप चक्रवर्ती ने कही।न्यूयॉर्क में भारत के महा वाणिज्य दूत चक्रवर्ती ने कहा, नीतिगत दृष्टि से भारत का स्पष्ट मानना है कि हमें वायरस को रोकना है और इसे फैलने नहीं देना है तथा वायरस के प्रसार पर रोक लगाने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। भारतीय मूल के अमेरिकी समुदाय और परिचर्चा में शामिल संगठनों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दूसरे देशों की बढ़-चढ़कर मदद कर रहा है और अमेरिका सहित विभिन्न देशों को आवश्यक दवाओं की आपूर्ति कर रहा है।उन्होंने कहा कि महामारी से लड़ने में हमने जी-20 और दक्षेस देशों में नेतृत्व दिखाया है। चक्रवर्ती ने कहा कि कोविड-19 से लड़ने में भारत की रणनीति में कई तत्व हैं -- लॉकडाउन, चिकित्सा तैयारियां, जिन लोगों की जीवन में बाधा आई है उन्हें सहयोग करना और साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग करना।उन्होंने कहा कि हालांकि अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा लेकिन हमारी सरलता, हमारे कौशल, वापसी करने की हमारी क्षमता से यह ठीक हो जाएगा।चक्रवर्ती ने कहा, हमारी प्राथमिकता लोगों का जीवन बचाना है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था फिर से पटरी पर लौट सकती है लेकिन जो जिंदगियां चली गईं, वे नहीं लौटेंगी।

दक्षिण कोरिया में कोरोना संक्रमण के 27 नए मामले

सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 27 नए मामले सामने आए हैं।सियोल में सामने आए दर्जनों मामले क्लब जाने वालों से जुड़े हैं। स्वास्थ्य कर्मी शहर में क्लब जाने वाले हजारों लोगों की जांच करने में जुटे हैं।दक्षिण कोरिया के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने मंगलवार को बताया कि देश में संक्रमित लोगों की संख्या 10,936 है जबकि 258 लोगों की मौत इससे हो चुकी है। क्लब जाने वालों में संक्रमण के मामले ने देश को फिर से चौंका दिया है क्योंकि यहां सामाजिक दूरी के नियमों में छूट दे दी गई है और स्कूलों को भी खोले जाने का कार्यक्रम था। लेकिन अब इस समय सीमा को बढ़ाकर 20 मई कर दिया गया है।

अप्रैल में डोनाल्ड ट्रंप ने अभियान ने 6.1 करोड़ डॉलर, बाइडेन अभियान ने 6 करोड़ डॉलर जुटाए

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पुनः निर्वाचन अभियान ने अप्रैल माह में 6.17 करोड़ डॉलर की अच्छी-खासी राशि जुटाई है जबकि उनके डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी एवं पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन ने 6.05 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। ये राशियां ऐसे समय जुटाई गई हैं जब विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की रफ्तार थम सी गई है और करीब 3.3 करोड़ अमेरिकियों की नौकरियां चली गई हैं। राष्ट्रपति चुनाव तीन नवंबर को होना निर्धारित है और ये दोनों अभियान फिलहाल ऑनलाइन माध्यमों से चंदा जुटा रहे हैं। ट्रंप (73) नवंबर के राष्ट्रपति चुनावों में पुनः निर्वाचन की उम्मीद कर रहे हैं जबकि बाइडेन (77) डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार हैं। उन्हें अगस्त में विस्कनसिन में डेमोक्रिटक राष्ट्रीय सम्मेलन में औपचारिक रूप से नामित किया जा सकता है।

'किसी नौसिखिया या बिचारी का चरित्र भी निभाना चाहती हूं'

अभिनेत्री अनुजा साठे मैक्स प्लेयर प्लेटफॉर्म पर 'एक थी बेगम' नामक सीरीज़ में अशरफ भटकर नामक चरित्र कर रही हैं। पायनियर संवाददाता मुस्बा हाशमी के साथ एक बातचीत में उन्होंने बताया कि अन्य बातों के अलावा उन्हें शक्तिशाली तथा नौसिखिया चरित्र निभाना प्रिय है।

◆ 'एक थी बेगम' में आपकी भूमिका किस प्रकार की है?

ये 80 के अंत और 90 के प्रारंभिक दशक की कहानी है जब देश में अंडरवर्ल्ड की तूती बोलती थी। मैं इसमें अशरफ भटकर उर्फ सपना का चरित्र कर रही हूं। पूरी सीरीज़ उसी पर आधारित है। उसकी एक सामान्य महिला से लेकर प्रतिशोध लेने को आतुर एक स्त्री तक के चरित्र को इसमें फिल्माया गया है। उसके पति को एक अंडरवर्ल्ड डॉन ने मारा था और उसके प्रतिशोध लेने के पीछे यही बड़ा कारण है।

◆ इस रोल के लिए आपको किस प्रकार की तैयारियां करनी पड़ीं?

मैंने इस प्रकार का चरित्र पहले कभी नहीं किया था और यही कारण था कि मैं इसे करने में बहुत थक जाती थी। अशरफ के चरित्र में कई परतें हैं और मुझे उस गहराई तक उतरना ही था ताकि मैं चरित्र को और गहनता से जी सकूं। मुझे इसके लिए सीरीज़ के लेखक और निर्देशक सचिन दारेकर से कई बार विमर्श करना पड़ा। उनके और मेरे लिए किसी भी सीन को एक जैसा समझना आवश्यक था। मैं उनके ही दृष्टिकोण का अनुसरण करती थी हमें उसके लिए कई वर्कशॉप करनी पड़ीं, लेकिन हमारे लिए जरूरी ये था कि हमें सबकुछ स्पष्ट होना चाहिये। हमें इसके संबंध में बहुत गृहकार्य या कहें अभ्यास करना पड़ा तभी ये संभव हो सका।

◆ क्या आपको लगता है कि हमें ऐसी और कहानियों को सीरीज़ के रूप में प्रस्तुत करना चाहिये?

जी हां, हमनें अब तक यही देखा और सुना है कि अंडरवर्ल्ड में केवल पुरुषों का ही वर्चस्व था। लेकिन मेरा मानना है कि उस समय कई ऐसी स्त्रियां थी जो पुलिस की गुप्तचर के रूप में सक्रिय थीं। उस समय भी महिलाओं के पास बहुत ताकत हुआ करती थी। हमारे लिए ये दिखाना महत्वपूर्ण है कि महिलाएं उस समय भी इस काम में पीछे नहीं थीं। अत: हमें ऐसी कंटेंट की आवश्यकता है।

◆ अपने सहयोगियों के प्रति आवका व्यवहार कैसा रहता है?

मैं सेट पर अधिकांश लोगों के साथ काम कर चुकी हूं। इस सीरीज़ में मेरे पति बने अंकित मोहन मेरे मित्र हैं। लेकिन इसमें मुझे उनके साथ काम करने का अवसर नहीं मिला। मेरे लिए इसमें काम करना अद्भुत अनुभव था। हर किसी ने अपने अपने चरित्र को निभाने में अपना शतप्रतिशत योगदान दिया है। जब आप किसी समूह के साथ काम करते हैं तो हमें टीम भावना के अनुसार काम करना होता है। ये किसी एक व्यक्ति की कहानी नहीं है बल्कि ये सभी की कहानियों का एक संग्रह कहा जा सकता है। सचिन ने इस सीरीज़ में अथक प्रयास किये हैं। मुझे उनके साथ काम करने का अवसर नहीं मिला, जबकि वो मेरे एक शो के लेखक भी थे। इसमें काम करना मेरे लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण अनुभव बना रहेगा।

◆ सेट पर वातावरण कैसा रहता था?

वहां मस्तीभरा वातावरण रहता था। ये सही है कि किसी भावुक दृश्य की शूटिंग चलते समय हम काम को गंभीरता से लेते थे। लेकिन उस मोड से निकलने में समय लगता था। इसके अलावा वातावरण अत्यंत सकारात्मक रहता था। यही कारण था कि वहां काम करने में आनंद का अनुभव होता था।

◆ राधाबाई से लेकर अब अशरफ तक आपने कई महत्वपूर्ण महिला चरित्र निभाए हैं। आप ऐसी भूमिकाओं की ओर कैसे आकृष्ट होती हैं?

हो सकता है कि इस बात के पीछे मेरी भीतरी शक्ति भी एक कारण हो। ये मेरा सौभाग्य ही है कि मुझे पर्याप्त काम मिल रहा है और वो भी गुणवत्तापूर्ण काम जिसमें गहन चरित्रों को निभाना होता है। अपनी आंतरिक शक्ति के कारण ही मुझे ऐसे चरित्र निभाना प्रिय है। एक कारण ये भी है कि हर चरित्र विविधतापूर्ण था। ऐसे चरित्रों के लिए अभिनेता तरसते रहते हैं। मैंने अब तक नौसिखिया चरित्र नहीं किया है। मुझे ऐसा कोई चरित्र करने को मिले तो अच्छा रहेगा।

◆ आपको अपना पहला शो 'तमन्ना' कैसे मिला था?

मैंने इसके लिए पांच बार ऑडिशन दिया था। इसके बाद मुझे टीम की ओर से फोन आया लेकिन तब भी ये अंतिम नहीं था। संभावना कम ही थी। मुझे लगता था कि ये रोल मुझे ही मिलेगा। जब ये रोल मुझे मिला तो मुझे पता था कि मुझे इसे एक अवसर की भांति लेकर स्वयं को साबित करना होगा कि मैं ये कर सकती हूं। फिर उसमें सबकुछ सही गया और इसके बाद तो मुझे ऑफर मिलने लगे थे।

◆ क्या ऐसा कोई रोल है जिसमें आप प्रयोग करना चाहती हों?

मुझे यदि एक समान रोल भी मिलें तो भी ठीक है लेकिन मुझे अपनी अभिनय सामर्थ्य दिखाने का अवसर उसमें होना चाहिये। मैं स्वयं को भी टटोलना चाहती हूं लेकिन अभी मुझे ऐसा कोई रोल मिला नहीं है। मैंने अभी तक किसी बिचारी या नौसिखिया लड़की का चरित्र नहीं किया है। लेकिन मैं सशक्त चरित्रों को निभाना जारी रखूंगी।

◆ भविष्य में आपके पास और किस प्रकार की भूमिकाएं हैं?

कुछ परियोजनाएं हैं लेकिन उनके बारे में अभी बताने की अनुमति नहीं है। जब सबकुछ ठीक से संपन्न हो जाएगा तो मैं इस संबंध में अधिक विवरण आपसे साझा करूंगी।

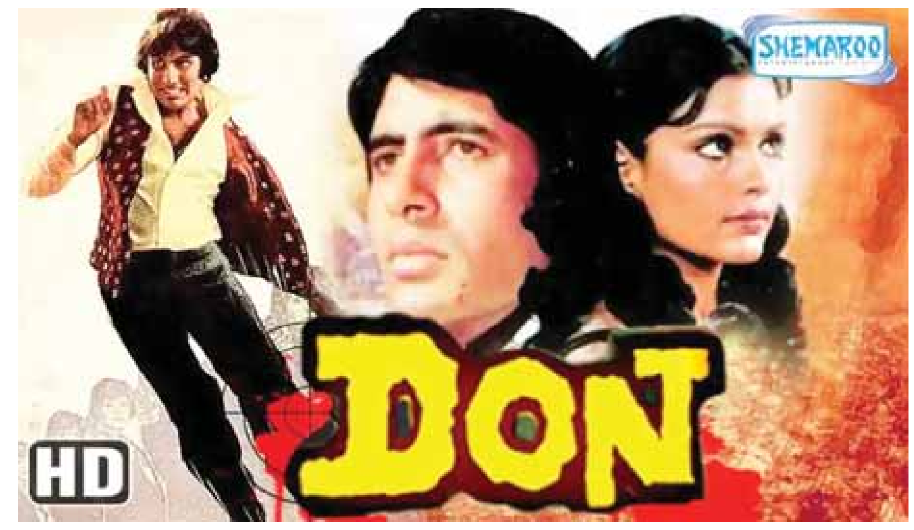

डॉन के 42 साल पर बोले अमिताभ डिस्ट्रीब्यूटर शीर्षक से सहमत नहीं थे

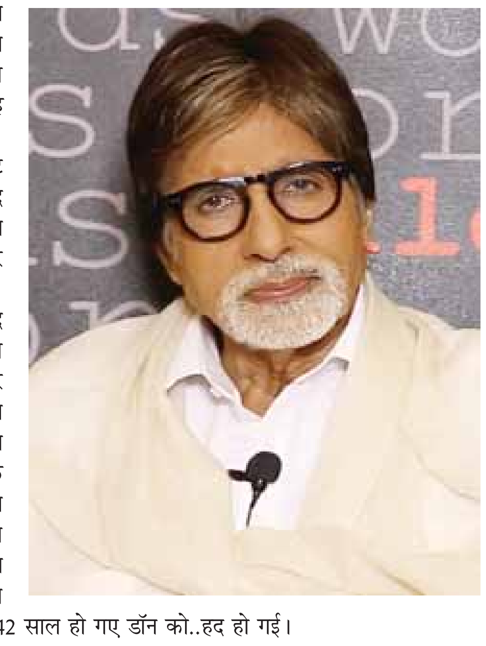

मुंबई। अमिताभ बच्चन की सुपरहिट फिल्म डॉन आज से 42 साल पहले इसी दिन रिलीज हुई थी। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी बातों को याद किया। बिग बी ने बताया कि किस वजह से डिस्ट्रीब्यूटर्स फिल्म के शीर्षक से खुश नहीं थे।

चंद्र बरोट द्वारा निर्देशित इस फिल्म की स्क्रिप्ट उस जमाने की मशहूर पटकथा जोड़ी सलीम-जावेद द्वारा लिखी गई थी। अमिताभ फिल्म में दोहरी भूमिका में थे और उनका साथ जीनत अमान, प्राण, इफ्तेखार और ओम शिवपुरी ने निभाया।

अभिनेता ने लिखा, जब चंद्र और सलीम-जावेद ने फिल्म के नाम की घोषणा डॉन के रूप में की, तो कोई भी वितरक इस शीर्षक को अपनाने के लिए तैयार नहीं था। सबने यही सोचा कि इसका नाम डॉन अंडरवेयर के नाम पर रखा गया है, यह उस जमाने का एक लोकप्रिय ब्रांड था। फिल्म गॉडफादर ने उस वक्त फिल्म जगत में अपनी एक अच्छी छाप छोड़ी थी। डॉन शब्द से उस वक्त तक लोग अपरिचित थे। वह आगे लिखते हैं, लेकिन इस फिल्म और इसकी संगीत का जो सफर रहा..काफी उल्लेखनीय है। जावेद साहब ने आज सुबह मुझे एक एसएमएस भेजकर कहा..हुजूर 42 साल हो गए डॉन को..हद हो गई।

फ्रेडी दारूवाला के पिता कोरोना पॉजिटिव, बंगला सील

मुंबई। फ्रेडी दारूवाला के बंगले को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सील कर दिया गया है, क्योंकि अभिनेता के पिता को कोरोनावायरस पॉजिटिव पाया गया है। 2014 में आई अक्षय कुमार अभिनीत हॉलीडे अ सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी में कट्टर खलनायक की भूमिका निभा चुके अभिनेता ने पुष्टि की कि उनके पिता को शुरू में बुखार और शरीर में दर्द जैसे मौसमी लक्षण थे। फ्रेडी के पिता 67 वर्ष के हैं, और उन्हें होम आइसोलेशन में रखा गया है। उन्होंने कहा, मेरे पिताजी में बुखार और शरीर में दर्द जैसे मौसमी लक्षण दिखाई दे रहे थे। इसलिए हमने इसे हल्के में लिया। मामले को गम्भीरता से लेते हुए हमने जब तीन-चार दिन बाद जांच कराया तो, वह कोरोनावायरस पॉजिटिव निकले। डॉक्टर्स ने उन्हें घर में ही आइसोलेट रहने का सलाह दिया है। अभिनेता ने वेबसाइट को बताया कि होम आइसोलेशन में कोई समस्या नहीं है, क्योंकि बंगले में कई कमरे हैं। हालांकि, वह अपने 15 महीने के बेटे इवान के बारे में चिंतित है।

13 रीजन व्हाय का अंतिम सीजन जून में होगा रिलीज

लॉस एंजेलिस। '13 रीजन व्हाय' का चौथा और अंतिम सीजन 5 जून को रिलीज होगा।

इस शो का प्रीमियर 2017 में हुआ था। तब से ही यह बदमाशी, बलात्कार, यौन उत्पीड़न, नशे में ड्राइविंग, प्रौद्योगिकी के अंधेरे पक्ष, स्लट-शेमिंग और स्कूल शूटिंग जैसे बड़े मुद्दों को सामने ला रहा है।

जे एशर के 2007 के उपन्यास से प्रेरणा लेते हुए, नेटफ्लिक्स का यह शो ब्रायन यॉर्के द्वारा एक किशोरी हन्ना बेकर की कहानी के साथ शुरू हुआ था, जो कैसेट टेप के एक बॉक्स को पीछे छोड़ जाता है आत्महत्या कर लेता है। वह अपने स्कूल के लोगों को दोषी ठहराता है जो उसे आत्महत्या का निर्णय लेने के लिए मजबूर करते हैं।

इस युवा वयस्क नाटक के अंतिम सीजन में 10 एपिसोड शामिल होंगे।

चौथा सीजन लिबर्टी हाईस्कूल के सीनियर क्लास की स्नातक की तैयारी पर केंद्रित होगा। इसके सभी सीजन के दौरान '13 रीजन व्हाय' को मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिली हैं।

अंतिम सीजन के कलाकारों में डायलन मिननेट, अलीशा बोए, ब्रैंडन फ्लिन माइल्स हेइजर, ग्रेस सैफ, क्रिश्चियन नवारो, रॉस बटलर, डेविन ड्र्यूड, टिमोथी ग्रैनेडरोस, ऐनी विंटर्स, डीकन ब्लूमन, टायलर बैरहार्ट, ऑस्टिन आरोन, इंडे नेवरेट्टे, आरजे ब्राउन, स्टीवन वेबर, ब्रेंडा स्ट्रॉन्ग, एमी हैग्रवेस, जोश हैमिल्टन, मार्क पेलेग्रिनो और जान लुइस कास्टेलानोस शामिल हैं।

अपने दिमाग की सुनें और स्वयं के मार्गदर्शक बनें : किच्छा सुदीप

हैदराबाद। दक्षिणी स्टार किच्छा सुदीप ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों का एक कोलाज साझा किया है, जहां वह अपनी तराशी हुई बॉडी दिखाते नजर आ रहे हैं। साथ ही उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि वे अपनी प्रेरणा खुद बनें। कुछ तस्वीरों में, वह अपने फैट दिखाते हुए दिखाई देता है, जबकि अन्य में वह मांसपेशियों और अपने जिम के उपकरणों को दिखा रहे हैं।

फिर उन्होंने अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को अपने लक्ष्य निर्धारित करने और अपने मन का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, यह सिर्फ एक कसरत के बारे में नहीं है .. यह वह है जो आप चाहते हैं .. उसके लिए लक्ष्य निर्धारित करें .. अपने दिमाग की सुनें अपनी प्रेरणा खुद बनें ..खुद के मार्गदर्शक बनें। मेरे दोस्त, अपना समय बर्बाद मत करो।

अभिनय को लेकर बात करें तो सुदीप को आखिरी बार सलमान खान अभिनीत फिल्म दबंग 3 में देखा गया था। वह अगली बार कोटिगोबा 3 और फैंटम में नजर आएंगे।

लॉकडाउन अवधि में चित्रांगदा को महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की चिंता

आपसी बातचीत का महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव होता है।

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह का मानना है कि आज के लॉकडाउन के समय, कुछ भी हो जाए, हम सभी के लिए अपने, विशेष रूप से महिलाओं को, मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। चित्रांगदा सिंह का मानना है, 'परिवार में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य का पूरे परिवार पर प्रभाव पड़ता है और यही कारण है कि हमें लोगों को इस बारे में बात करने के लिए उत्साहित करना चाहिये। किसी भी प्रकार की समस्या, तनाव या चिंता के लिए लोगों को महिलाओं को दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिये। नकली मजबूती दिखाना किसी प्रकार की बहादुरी नहीं कही जा सकती। हम सभी कभी न कभी दुर्बल पड़ ही जाते हैं लेकिन ऐसे में हमें उन्हें सामान्य अनुभव कराने का प्रयास करना चाहिये और इसके लिए मेरा मानना है कि सबसे पहले समस्या के बारे में बात प्रारंभ की जाए।'

उन्होंने ये भी बताया कि पुरुषों के लिए भी घर के कार्यों में हाथ बंटाने का विचार अच्छा है, उनका कहना है, 'घर के काम करना तब सरल हो जाता है जब घर के सभी सदस्य मिलकर इसे करते हैं। हम बारी बारी से घर के काम कर सकते हैं या फिर संपूर्ण कार्यों को सदस्यों में उनकी क्षमता के अनुसार बांट दिया जाना चाहिये। कभी महिला किचेन में व्यस्त हो तो पुरुष बच्चों का दायित्व संभाल ले और जब महिला बच्चों की देखभाल करती हो तो पुरुष किचेन में काम कर सकता है। इसके अलावा भी पुरुषों को महिलाओं से उनकी समस्याओं पर बात करने के लिए समय निकालना चाहिये। आपसी बातचीत का महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव होता है।

चित्रांगदा का कहना है कि हमें इस राष्ट्रव्यापी बंदी के दौरान स्वयं को अपने किसी न किसी प्रिय काम में व्यस्त रखना चाहिये। इस बंदी के दौरान चित्रांगदा एक लघु फिल्म का लेखन, फैन्स के लिए फन वीडियोज़ का निर्माण जैसे कार्यों में स्वयं को व्यस्त रख रही हैं। उन्हें हम 2012 की कहानी फिल्म के सीक्वेल 'बॉब विश्वास' में देख पाएंगे।

सलमान ने जारी किया अपना गाना 'तेरे बिना'

'तेरे बिना' को उन्होंने ही गाया है और यह उन्हीं के द्वारा निर्देशित भी है। लॉकडाउन का जब ऐलान किया गया, तो सलमान अपने परिवार के कुछ सदस्यों व इंडस्ट्री के कुछ करीबी मित्रों के साथ अपने पनवेल के फार्महाउस में थे।

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान भी काम करना जारी रखे हुए हैं। फिल्में नहीं, तो आजकल वह गानों में ही व्यस्त हैं।

उनका हालिया गाना 'तेरे बिना' को उन्होंने ही गाया है और यह उन्हीं के द्वारा निर्देशित भी है। लॉकडाउन का जब ऐलान किया गया, तो सलमान अपने परिवार के कुछ सदस्यों व इंडस्ट्री के कुछ करीबी मित्रों के साथ अपने पनवेल के फार्महाउस में थे।

वह पिछले सात हफ्तों से वहीं हैं, ऐसे में खुद को व्यस्त रखने और दर्शकों का मनोरंजन करने का उन्होंने एक बेहतर तरीका ढूंढ़ निकाला। अपने पहले एकल गीत प्यार करोना के बाद अब सलमान ने अपने नए गाने 'तेरे बिना' को रिलीज किया है।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैंने यह गाना बनाया, गाया, शूट किया और पोस्ट किया आपके लिए, अब आप भी यह गाना सुनो, गाओ और आप के स्वैग में शूट करो घर पे, पोस्ट करो, शेयर करो, टैग करो और इंजॉय करो.. हैश टैग तेरे बिना।

'तेरे बिना' के बारे में बात करते हुए सलमान ने कहा, करीब सात हफ्ते पहले जब हम फार्म में आए थे, हमें नहीं पता था कि लॉकडाउन के चलते यही रह जाएंगे, तो हम खुद को व्यस्त रखने के लिए तमाम तरह की चीजें करने लगे और तभी इस गाने को बनाने का हमें विचार आया। हमने प्यार करोना को लॉन्च किया है और अब हम तेरे बिना को लॉन्च कर रहे हैं।